* * *
रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

सोमवार 18 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 330

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.7	24.4
जमशेदपुर	33.3	20.2
डालटनगंज	33.8	18.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

झारखंड झुकेगा नहीं
इंडिया झुकेगा नहीं

इंडिया गठबंधन की रैली : शिवाजी पार्क में सभी नेताओं ने लिया संकल्प-लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार को उखाड़ फेंकना है

झारखंड में भाजपा का कमल कभी नहीं खिलेगा : कल्पना

कौशल आनंद। रांची

मुंबई के शिवाजी पार्क में राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित विशाल रैली में इंडिया गठबंधन के तमाम बड़े नेता शामिल हुए. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, शिवसेना उद्धव गुट के उद्धव ठाकरे, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन, हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, वाम दलों के नेता, नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती समेत कई अन्य बड़े नेता शामिल हुए. इस मौके पर सभी नेताओं ने एकजुटता दिखाते हुए आगामी लोकसभा चुनाव में केंद्र की नरेंद्र मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया.

इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि यात्रा में देश की बेरोजगारी, महंगाई और नफरती माहौल देख कर दुख हुआ. इसको खत्म करना होगा.

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी शामिल हुईं. कल्पना पहली बार झारखंड के बाहर सार्वजनिक मंच पर पूरे तेवर और उत्साह में दिखीं. उन्होंने कहा कि आने वाला लोकसभा चुनाव देश का भविष्य तय करेगा. झारखंड में शुरू से ही सरकार को अस्थिर करने का प्रयास हुआ. मगर सरकार का बाल बांका नहीं हुआ. हमारे पति एवं पूर्व सीएम हेमंत सोरेन जेल जाना पंसद किया, मगर समझौता नहीं किया. आज हमारे चाचा जी चंपाई सोरेन मुख्यमंत्री हैं. उनके सारे अधूरे कार्य को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं. जिस प्रकार हमारे ससुर शिबू सोरेन जी ने महाजनों के खिलाफ लड़ाई लड़ी. उसी प्रकार हेमंत जी ने गरीबों, महिलाओं, आदिवासी, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को न्याय दिलाने का काम कर रहे थे. इंडिया गठबंधन के इसी प्रकार के मंच से वे ताकत लेकर गये थे. आज उन्हे यहां रहना चाहिए था मगर केंद्र सरकार ने एक साजिश के तहत उन्हें जेल भेज दिया. तनाशाही के खिलाफ लड़ाने के कारण उन्हें जेल जाना पड़ा. उन्होंने कहा कि झारखंड में एक नारा अब भी चल रहा है. झारखंड झुकेगा नहीं. उसी प्रकार आज मैं इस मंच से एलान करती हूं कि इंडिया झुकेगा नहीं, इंडिया रुकेगा नहीं. कल्पना ने दावा कि अब कभी झारखंड में कमल नहीं खिलने वाला है.

राजा की आत्मा ईडी और सीबीआई में बसती है: राहुल

राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि राजा की आत्मा ईवीएम में है और राजा की आत्मा सीबीआई, ईडी और आईटी में है. कई नेताओं को डराया जा रहा है और लोग डर कर बीजेपी में शामिल हो रहे हैं. राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सिर्फ मुखौटा हैं. जैसे बॉलीवुड के एक्टर हैं. ऐसे ही उनको भी एक रोल दिया गया है. आज सुबह यह करना तो कल और परसो ये करना है. सुबह उठकर समुद्र के नीचे जाना है और सी प्लेन में उड़ना है. उन्होंने पीएम मोदी के 56 इंच वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी छाती 56 इंच नहीं, बल्कि खोखले व्यक्ति वाली है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	61,300
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

अरुणाचल-सिक्किम मतगणना 2 जून को

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना की तिथि चार जून से बदलकर दो जून कर दी है. आयोग ने पहले घोषणा की थी कि दोनों विधानसभा चुनावों की मतगणना चार जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना के साथ की जाएगी. आयोग ने कहा कि चूंकि दोनों विधानसभाओं का कार्यकाल दो जून को समाप्त हो रहा है, इसलिए तारीख बदल दी गई है.

नमाज अदा करने को ले विदेशी छात्रों से मारपीट

अहमदाबाद। लोगों के एक समूह ने गुजरात विश्वविद्यालय के छात्रावास की इमारत में नमाज अदा करने पर विभिन्न देशों के छात्रों से कथित तौर पर मारपीट की, जिनमें से दो को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है. पुलिस ने रविवार को बताया कि शनिवार रात को हुई इस घटना के बाद श्रीलंका और ताजिकिस्तान के एक-एक छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, घटना शनिवार रात ए-ब्लॉक हॉस्टल में हुई और कथित हमलावरों में से एक की पहचान अभी हो पाई है.

लटरी किंग ने द्रमुक को दिए 509 करोड़ के बॉण्ड

नयी दिल्ली। अब रद्द हो चुके चुनावी बॉण्ड के शीर्ष खरीदार फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज ने इसके माध्यम से तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक को 509 करोड़ रुपयों का दान दिया. निर्वाचन आयोग के आंकड़ों से रविवार को यह जानकारी सामने आई है.

-पेज 12 भी देखें

ईडी ने केजरीवाल को भेजा नौवां समन

नयी दिल्ली। ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन के अन्य मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल को समन भेजा है. ईडी ने आबकारी नीति से जुड़े मामले में केजरीवाल को नया समन जारी कर उन्हें 21 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है.

चतरा, जामताड़ा और धनबाद में

जेपीएससी परीक्षा का पेपर लीक !

जेपीएससी ने कहा, अफवाहों पर ध्यान न दें, पेपर लीक नहीं हुआ

- जामताड़ा में जमीन पर और गार्डेन में बैठकर अभ्यर्थियों ने भरी ओएमआर शीट

चतरा में पहले से खुली हुई थी प्रश्नपत्र की सील, अभ्यर्थियों ने किया हंगामा

सत्य शरण/सौरभ। रांची

बीपीएससी के बाद जेपीएससी की भी परीक्षा का पेपर लीक होने की खबर आयी है. रविवार को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से राज्य में 11वीं संयुक्त सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया गया था. एक्जाम शुरू होते ही पहले चतरा फिर जामताड़ा और धनबाद से पेपर लीक की खबरें आनी शुरू हो गईं. चतरा के उपेंद्र नाथ वर्मा इंटर कॉलेज में अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र के सील पहले से खुले होने का आरोप लगाते हुए जम कर हंगामा किया. वहीं दोपहर में सोशल मीडिया पर तेजी से एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें अभ्यर्थी जमीन पर और गार्डेन में बैठ कर ओएमआर शीट भर रहे थे. पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने ट्विटर (एक्स) पर यह वीडियो पोस्ट करते हुए दावा किया कि यह जामताड़ा में 11वीं जेपीएससी की परीक्षा का वीडियो है. इसके बाद धनबाद के सरायढेला के दिल्ली पब्लिक स्कूल के परीक्षा केंद्र से पेपर लीक की खबर आई. 502 अभ्यर्थियों ने स्कूल प्रबंधन पर पेपर लीक करने का आरोप लगाते हुए परीक्षा का बहिष्कार कर दिया.

प्रश्नपत्र बुकलेट और ओएमआर शीट का सीरियल नंबर नहीं हो रहा मैच : चतरा के उपेंद्र नाथ वर्मा इंटर कॉलेज में परीक्षा शुरू होते ही अभ्यर्थियों ने पेपर लीक का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया. अभ्यर्थियों ने कहा कि नियम के मुताबिक प्रश्नपत्र के बंडल की सील परीक्षा हॉल में परीक्षार्थियों की मौजूदगी में खोला जाता है, लेकिन सील पहले ही खोली जा चुकी थी. नियम से पेपर नहीं खोलने के कारण प्रश्नपत्र बुकलेट और ओएमआर शीट का सीरियल नंबर मैच नहीं हुआ. परीक्षार्थियों ने आरोप लगाया कि प्रिंसिपल के चेंबर में प्रश्नपत्र खोला गया है. छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने पर स्कूल प्रबंधन ने उनके साथ बदसलूकी की. हंगामे की खबर मिलने के बाद एसडीओ और डीएसपी परीक्षा केंद्र पहुंचे और अभ्यर्थियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन छात्र मानने को तैयार नहीं थे. वहीं प्रिंसिपल ने कहा कि पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया है और उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग हुई है. अभ्यर्थियों का आरोप निराधार है.

जामताड़ा के मिहिजाम स्थित जेजएस कॉलेज के परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों ने पेपर लीक का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्र का सील पहले से खुला हुआ था. उपायुक्त कुमुद सहाय ने कहा कि प्रश्नपत्र खोले जे की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी हुई है, फिर भी कुछ अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र से बाहर निकल गये. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें जिसमें अभ्यर्थी जमीन पर बैठकर नकल करके ओएमआर शीट भरते दिख रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में गार्डेन में खुलेआम क्वेश्चन पेपर की फोटो ली जा रही है और आंसर शीट भरा जा रहा है. दोनों ही वीडियो मिहीजाम के बताए जा रहे हैं. पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने दावा किया है कि ये वीडियो जामताड़ा का है.

चतरा में परीक्षा सेंटर के बाहर नकल कर परीक्षा देते छात्र.

502 अभ्यर्थियों ने किया परीक्षा का बहिष्कार

हंगामा कर रहे छात्रों को समझातीं एसडीएम.

धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र के दिल्ली पब्लिक स्कूल के परीक्षा केंद्र में भी अभ्यर्थियों ने पेपर लीक का आरोप लगाकर हंगामा किया. अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पहली पाली में एडमिट कार्ड और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच किये बिना अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में जाने दिया गया. वहीं दूसरी पाली में एक बजे के बाद जब अभ्यर्थियों को इंट्री दी जा रही थी उस वक्त करीब 1.10 बजे 5 लड़कियां परीक्षा केंद्र से निकल रही थीं. अभ्यर्थियों ने सवाल उठाया कि उन पांचों को आखिर किस रास्ते से अंदर प्रवेश करवाया गया. उन्होंने आशंका जताई की स्कूल प्रबंधन ने पेपर लीक करवाया है. एक अभ्यर्थी ने बताया कि दूसरी पाली में परीक्षा केंद्र में कुल 536 अभ्यर्थियों को एक्जाम देना था, इनमें से सिर्फ 34 ने परीक्षा दी, जबकि 502 अभ्यर्थियों ने परीक्षा का बहिष्कार कर दिया.

पेपर लीक की खबरें गलत : जेपीएससी

जेपीएससी की सदस्य डॉ. अजीता भट्टाचार्य ने शुभम संदेश से बातचीत में कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही पेपर लीक की खबरें गलत हैं. इससे संबंधित जो भी सूचनाएं आ रही हैं, वो सिर्फ अफवाह हैं. झारखंड लोक सेवा आयोग के पास पेपर लीक की कोई सूचना नहीं है. आयोग इस अफवाह को खारिज करता है. मामले को लेकर आयोग की अध्यक्ष नीलिमा केरकेट्टा से भी बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका.

छात्रों का सपना चूर

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जेएसएससी परीक्षा में हुई गड़बड़ी की आग अब तक बुझी नहीं, इधर जेपीएससी पेपर लीक की बात आने लगी है. सरकार ने हड़बड़ी में जेपीएससी परीक्षा कराने के फैसले और सीट बेचने के कुत्सित प्रयास ने छात्रों के सपनों को चकनाचूर कर दिया है.

त्वरित जांच करायें

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि युवाओं की बदकिस्मती उनका साथ नहीं छोड़ रही है. रविवार को फिर से जेपीएससी परीक्षा के पेपर लीक की बेहद दुर्भाग्यपूर्ण सूचना प्राप्त हुई है. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से आग्रह है कि इस मामले की त्वरित जांच कराएं और दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई करें.

पीएम मोदी ने चंद्रबाबू नायडू के साथ बोप्पुडी में की सभा

तीसरे कार्यकाल में होंगे बड़े निर्णय : पीएम मोदी

पीएम बोले

- पूरा देश कहता है कि चार जून को 400 पार होगा
- कांग्रेस पार्टी और विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला

एजेंसी। अमरावती (आंध्र प्रदेश)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि एनडीए क्षेत्रीय आकांक्षाओं को साथ लेकर देश की प्रगति के लिए काम कर रहा है और चुनाव के बाद तीसरे कार्यकाल के दौरान देश कई और बड़े फैसले लेगा. मोदी ने पलनाडु जिले के बोप्पुडी गांव में राजग की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए का लक्ष्य 'विकसित भारत', 'विकसित आंध्र प्रदेश' बनाना है. आंध्र प्रदेश में केंद्र सरकार की योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए जनता को एनडीए सांसदों और विधायकों को जिताना होगा. एनडीए के सभी सांसद और विधायक जनता के लिए बहुत मेहनत से काम करेंगे. आंध्र को शिक्षा का केंद्र बनाएंगे. ये मोदी की गारंटी है. चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण लंबे समय से आपके अधिकारों और आंध्र प्रदेश के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं.

उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्ष के दौरान देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी के दायरे से बाहर निकाला गया है. कांग्रेस पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पार्टी का एजेंडा अपने गठबंधन सहयोगियों का 'इस्तेमाल करो और फेंक दो' है. मोदी ने कहा, कल लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की गई. पूरा देश कहता है कि चार जून को 400 पार होगा. पूरी दुनिया में राजग नीत सरकार के विकास कार्यों की चर्चा हो रही है. एनडीए में हम सबको साथ लेकर चलते हैं, लेकिन दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी का एक ही एजेंडा है ''गठबंधन के लोगों को इस्तेमाल करो और फेंक दो. आज कांग्रेस ने भले ही इंडी गठबंधन बना लिया हो, लेकिन उनकी सोच वही है.

यूट्यूबर एल्विश यादव गिरफ्तार

भाषा। नोएडा

नोएडा पुलिस ने यहां एक पार्टी में नशे के लिए सांप के जहर के संदिग्ध इस्तेमाल की जांच के संबंध में यूट्यूबर एल्विश यादव को रविवार को गिरफ्तार कर लिया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. यादव पिछले साल तीन नवंबर को यहां सेक्टर-49 थाने में दर्ज प्राथमिकी में नामजद छह आरोपियों में से एक हैं. अधिकारियों ने कहा कि पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन फिलहाल वे जमानत पर बाहर हैं. उन्होंने बताया कि मामला वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के प्रावधानों और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की आपराधिक साजिश से संबंधित धारा 120बी के तहत दर्ज किया गया था. बाद में मामले को जांच के लिए सेक्टर-49 से सेक्टर-20 थाने में स्थानांतरित कर दिया गया. अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नोएडा) मनीष मिश्रा ने बताया, मामले की जांच कर रही सेक्टर-20 थाने की एक टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी' के विजेता यादव ने मामले में संलिप्तता के आरोपों से इनकार किया है. पुलिस ने पूर्व में उनसे पूछताछ की थी. मामले में सेक्टर-49 थाने के प्रभारी उप निरीक्षक को हटा दिया गया था जहां प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

चिंताजनक खनन विभाग ने जारी किया आंकड़ा, कोयला खनन में घटे 23806 मजूदर

राज्य में बढ़े बेरोजगार, घटे खनन से जुड़े 38144 मजदूर

रवि भारती। रांची

झारखंड में हाल के वर्षों में बेरोजगारी बढ़ी है. विभिन्न खदानों में खनन कार्य से सीधे तौर पर जुड़े मजदूरों की संख्या में काफी कमी आ गई है. पिछले चार साल में 38,144 मजदूर कम हो गए हैं. इसका सबसे अधिक प्रभाव कोयला खनन में पड़ा है. कोयला खनन में चार साल पहले मजदूरों की संख्या 2,10,123 थी, जो अब घट कर 1,86,317 ही रह गई है. इस हिसाब से इस क्षेत्र में 23806 मजदूर कम हो गए हैं.

आयरन ओर खनन में 11,136 मजदूरों की कमी : राज्य के आयरन ओर खदानों में सीधे तौर पर जुड़े मजदूरों की संख्या में भी काफी कमी आई है. इस क्षेत्र में चार साल पहले 17,132 मजदूर काम कर रहे थे. जो अब घट कर 5996 रह गए हैं. इस हिसाब से 11,136 मजदूर कम हो गए हैं. इसी तरह बॉक्साइट खनन कार्य से सीधे तौर पर जुड़े मजदूरों की संख्या में 2656 मजदूरों की कमी हुई है. ग्रेफाइट खनन में एक भी मजदूर नहीं है. चार साल पहले इस क्षेत्र में 492 मजदूर कार्यरत थे.

किस खनन क्षेत्र में साल दर कितने मजदूरों की हुई कमी

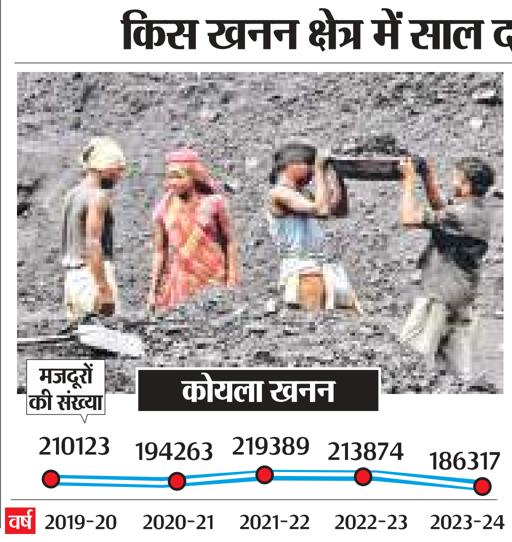

बॉक्साइट खनन

वर्ष	मजदूरों की संख्या
2019-20	580
2020-21	397
2021-22	5138
2022-23	5440
2023-24	2784

आयरन ओर

वर्ष	मजदूरों की संख्या
2019-20	17132
2020-21	14122
2021-22	13292
2022-23	12672
2023-24	5996

ग्रेफाइट

वर्ष	मजदूरों की संख्या
2019-20	492
2020-21	104
2021-22	00
2022-23	00
2023-24	00

क्यानाइट

वर्ष	मजदूरों की संख्या
2019-20	00
2020-21	00
2021-22	55
2022-23	81
2023-24	27

चाईबासा पुलिस की बड़ी सफलता, हथियार व अन्य सामान बरामद

छत्तीसगढ़ के नक्सली समेत तीन गिरफ्तार

शैलेश सिंह। किरीबुरु

पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर के निर्देशानुसार पुलिस, कोबरा व सीआरपीएफ की विभिन्न बटालियनों ने गोईलकेला थाना क्षेत्र अन्तर्गत कोल्हान जंगल मे बड़ी कार्रवाई की है. इसमें छत्तीसगढ़ के एक नक्सली समेत तीन नक्सलियों को पकड़ने व भारी मात्रा में हथियार व अन्य समान बरामद करने में सफलता मिली है. इस बाबत जानकारी देते हुए एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि बीते 15 मार्च को एक सूचना प्राप्त हुई कि गोईलकेरा थाना क्षेत्र के ग्राम रेला, पराल, रायरोवा के आस-पास जंगली क्षेत्र में भाकपा माओवादी का एक दस्ता भ्रमणशील है. जिसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा एवं सीआरपीएफ की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर अभियान संचालित किया गया. अभियान के क्रम में 16 मार्च को ग्राम रेला, पराल एवं रायरोवा के समीप पंचलताबुरू जंगल क्षेत्र में भ्रमणशील नक्सली दस्ता के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया एवं उनकी निशानदेही पर एक 303 राइफल, भारी मात्रा में विस्फोटक एवं अन्य सामग्री एक नक्सल डम्प से बरामद किया गया. बरामद विस्फोटकों को बम निरोधक दस्ता के मदद से नष्ट किया गया. जिन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें रोहित पदम पिता भीमा पदम, ग्राम- पिड़िया, थाना- गंगालुर, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़), युलिप जोजो पिता सिमोन जोजो, ग्राम- लोरपोण्डा, थाना- आनंदपुर (पश्चिमी सिंहभूम) एवं बासु बाहंदा पिता पल्टन बाहंदा, ग्राम- मरांगपोंगा, थाना-छोटानागरा (जिला पश्चिमी सिंहभूम) शामिल हैं.

-शेष पेज 7 पर

लोकसभा चुनाव

झारखंड में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली है संथालपरगना और उत्तरी छोटानागपुर

प्रत्याशियों की घोषणा के बाद झारखंड में चढ़ेगा चुनावी रंग

नमिता तिवारी। रांची

झारखंड के 14 में से आठ सांसद देने वाले संथाल परगना और उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र का लोकसभा चुनाव में काफी महत्वपूर्ण स्थान है. राज्य के दक्षिणी भाग में कोल्हान क्षेत्र भी राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण है, जिसमें सिंहभूम के अलावा प्रतिष्ठित जमशेदपुर सीट आती हैं. राज्य में 13, 20, 25 मई और एक जून को चार चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे. 2019 के आम चुनावों में भाजपा ने 11 सीट पर जीत दर्ज की थी, जबकि उसकी सहयोगी आजसू ने एक सीट हासिल की. झामुमो और कांग्रेस दोनों के पास एक-एक लोकसभा सीट हैं. आगामी चुनावों के लिए भाजपा ने 14 में से 11 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, विपक्षी गठबंधन इंडिया ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है क्योंकि सीट बंटवारे को लेकर झामुमो और कांग्रेस सहित सहयोगियों के बीच बातचीत जारी है.

संथाल परगना : संथाल परगना में भाजपा ने 2019 में दुमका (एसटी) और गोड्डा सीट जीती थी, जबकि भाजपा राजमहल (एसटी) झामुमो से हार गई थी. झामुमो के विजय कुमार हांसदा ने 2019 में राजमहल सीट पर भाजपा के हेमलाल मुर्मू को हराकर जीत हासिल की थी. इस बार भाजपा ने अपने पूर्व झारखंड प्रदेश अध्यक्ष ताला मरांडी को राजमहल से मैदान में उतारा है. मरांडी ने 2014 में भाजपा के टिकट पर बोरियो विधानसभा सीट जीती थी, भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद वह 2019 में आजसू में शामिल हो गए थे. हालांकि, 2022 में उनकी भाजपा में वापसी हो गई. दुमका में भाजपा ने मौजूदा सांसद सुनील सोरेन को मैदान में उतारा है. उन्होंने 2019 के चुनाव में झामुमो अध्यक्ष शिबू सोरेन को 47,590 मतों के अंतर से हराया था. मौजूदा सांसद निशिकांत दुबे गोड्डा से तीसरी बार चुनाव लड़ेंगे. दुबे ने झारखंड विकास मोर्चा (प्रजातांत्रिक) के प्रदीप यादव को 1,84,227 मतों से हराया था. उपरोक्त तीन निर्वाचन क्षेत्रों में एक जून को मतदान होगा.

दक्षिणी छोटानागपुर: दक्षिणी छोटानागपुर के खूंटी में चुनावी जंग रोचक होगी, जहां से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को मैदान में उतारा है. उन्होंने 2019 के चुनाव में यह सीट 1,445 मतों के मामूली अंतर से जीती थी. भाजपा ने क्षेत्र की लोहरदगा सीट से राज्यसभा सदस्य समीर उरांव को उम्मीदवार बनाया है. राज्यसभा के लिए उनका कार्यकाल तीन मई को खत्म हो रहा है. वह यहां से निवर्तमान सांसद सुदर्शन भगत की जगह उम्मीदवार बनाए गए हैं. वहीं रांची सीट पर भाजपा ने एक बार भी सांसद संजय सेठ पर भरोसा जताया है, जिन्होंने पिछले चुनाव में कांग्रेस के सुबोध कांत सहाय को 2,82,780 मतों से हराया था .वहीं पलामू (एससी) सीट पर भाजपा ने पूर्व डीजीपी और निवर्तमान सांसद विष्णु दयाल राम को फिर टिकट दिया है. उन्होंने पिछला चुनाव 4,77,606 मतों के अंतर से जीता था.

उत्तरी छोटानागपुर : उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में कुल पांच सीटें आती हैं, जो राज्य के किसी भी क्षेत्र के लिए संख्या के हिसाब से सबसे ज्यादा हैं. उनमें से प्रमुख सीट शहरी निर्वाचन क्षेत्र हज़ारीबाग है, जिसका प्रतिनिधित्व कभी पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा और बाद में उनके बेटे पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा ने किया था. इस बार भाजपा ने निवर्तमान सांसद जयंत सिन्हा की जगह स्थानीय विधायक मनीष जायसवाल को मैदान में उतारा है. जयंत सिन्हा ने 2019 में कांग्रेस के गोपाल साहू को 4.79 लाख वोटों के अंतर से हराकर यह सीट जीती थी. इस क्षेत्र में हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह और धनबाद आते हैं.

कोल्हान: इस क्षेत्र की सिंहभूम (एसटी) और जमशेदपुर सीट पर भी चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद है. पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को इस बार भाजपा ने सिंहभूम से अपना उम्मीदवार बनाया है, जो हाल में कांग्रेस छोड़ कर केंद्र में सत्तारुढ़ दल में शामिल हुई हैं. निवर्तमान सांसद गीता कोड़ा ने 2019 के चुनाव में यहां से भाजपा उम्मीदवाल लक्ष्मण गिलुआ को हराया था. जमशेदपुर में भाजपा ने बिद्युतबरन महतो को भी मैदान में उतारा है. उन्होंने 2019 में चंपई सोरेन को तीन लाख से ज्यादा मतों के अंतर से हराया था.

बढ़ा भरोसा : गांवों के निजी अस्पतालों में सिर्फ 20.90% हुए संस्थागत प्रसव

54.85% संस्थागत प्रसव गांव के सरकारी हॉस्पिटल में हुए

2023-24

में झारखंड में 4,02,124 बच्चों का हुआ जन्म

रवि भारती। रांची

राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित सरकारी हॉस्पीटल के प्रति भरोसा बढ़ा है. इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में ग्रामीण इलाकों के सरकारी हॉस्पीटल में 54.85 फीसदी बच्चों का जन्म हुआ है. वहीं ग्रामीण इलाकों के निजी हॉस्पीटल में सिर्फ 20.90 फीसदी बच्चों का जन्म हुआ. वहीं शहरी क्षेत्रों के सरकारी हॉस्पीटल में 11.53 फीसदी और निजी हॉस्पीटल में 12.71 फीसदी बच्चों का जन्म हुआ.

ग्रामीण इलाकों के सरकारी अस्पताल में 2,20,571 बच्चों का जन्म : ग्रामीण इलाकों के सरकारी अस्पताल में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2,20,571 बच्चों का जन्म हुआ, जबकि ग्रामीण इलाकों के निजी अस्पतालों में 84,054 बच्चों का जन्म हुआ. वहीं शहरी क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में 45,377 बच्चों का जन्म हुआ, जबकि निजी अस्पतालों में 51,122 बच्चों का जन्म हुआ. वित्तीय वर्ष 2023-24 में झारखंड में 4,02,124 बच्चों का जन्म हुआ.

जननी सुरक्षा योजना के तहत कहां कितने प्रतिशत की वित्तीय सहायता

जिला	वित्तीय सहायता(%में)
प. सिंहभूम	46.4
पाकुड़	46.2
खूंटी	45.00
लोहरदगा	43.6
सिमडेगा	40.4
देवघर	39.9
गुमला	38.5
जामताड़ा	38.2
सरायकेला	37.2
लातेहार	35.9
गोड्डा	35.8
दुमका	34.2
गढ़वा	34.2
पूर्वी सिंहभूम	33.8
गिरिडीह	28.8
रांची	28.3
कोडरमा	26.3
पलामू	26.2
चतरा	25.8
साहिबगंज	25.6
हजारीबाग	25.5
बोकारो	25.2
रामगढ़	23.4
धनबाद	22.9

जानिए राज्य के किस-किस जिले में कितने बच्चों का जन्म हुआ

जिला	बच्चों की संख्या
बोकारो	28,423
चतरा	12,117
देवघर	16,404
धनबाद	33,856
दुमका	18,353
गढ़वा	19,059
गिरिडीह	29,280
गोड्डा	14,930
गुमला	14,380
हजारीबाग	19,199
जामताड़ा	8,318
खूंटी	4,720
कोडरमा	8,307
लातेहार	8,203
लोहरदगा	6,186
पाकुड़	13,597
पलामू	21,428
प सिंहभूम	18,005
पूर्वी सिंहभूम	23,155
रामगढ़	8,653
रांची	41,267
साहिबगंज	14,739
सरायकेला	13,155
सिमडेगा	6,390

केवल 4.7% ही हैं एससी टीचर

10.1 एसटी और 6.5% हैं मुस्लिम टीचर, 7% हैं अस्थायी टीचर

रवि भारती। रांची

झारखंड के सरकारी यूनिवर्सिटी, कॉलेजों में एससी टीचरों की संख्या काफी कम है. सिर्फ 4.7 फीसदी एससी टीचर हैं. इस कटेगरी में पुरुष टीचर 5.3 और महिला टीचर 4.7 फीसदी हैं. वहीं एसटी कटेगरी में टीचरों की संख्या 10.1 फीसदी है. इसमें पुरुष टीचर 5.6 फीसदी और महिला टीचर 19.4 फीसदी हैं. ओबीसी कटेगरी में पुरुष टीचर 30.4 और महिला टीचर 21.3 फीसदी हैं. कुल प्रतिशत 27.5 फीसदी है. वहीं मुस्लिम टीचर 6.5 फीसदी हैं. इस कटेगरी में पुरुष टीचर 6.9 और महिला टीचर 6.5 फीसदी हैं.

7.2 फीसदी प्रोफेसर के समकक्ष टीचर : राज्य में सरकारी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में प्रोफेसर के समकक्ष टीचरों की संख्या सिर्फ 7.2 फीसदी है. इसमें महिला प्रोफेसर 4.4 फीसदी और पुरुष प्रोफेसर 8.5 फीसदी है. रीडर और एसोसिएट प्रोफेसर सिर्फ 8.3 फीसदी हैं. इसमें 9.2 फीसदी पुरुष और 6.3 फीसदी महिला हैं. डेमोस्ट्रेटर सिर्फ 5.4 फीसदी हैं. इसमें पुरुष डेमोस्ट्रेटर 3.1 और महिला डेमोस्ट्रेटर10.1 फीसदी हैं. वहीं सात फीसदी अस्थायी टीचर हैं. इसमें 6.3 फीसदी पुरुष और 8.4 फीसदी महिलाएं शामिल हैं.

किस कैटेगरी में कितने टीचर

कैटेगरी	पुरुष टीचर	महिला टीचर
एससी	811	163
एसटी	543	911
ओबीसी	2954	997
पीडब्ल्यूडी	64	14
मुस्लिम	674	257
अन्य पिछड़ा वर्ग	469	893

किस रैंक के कितने टीचर

रैंक	पुरुष	महिला
प्रोफेसर के समकक्ष	829	207
रीडर व एसोसिएट प्रोफेसर	895	295
लेक्चरर व अस्टिटेंट प्रोफेसर	6995	3282
डेमोस्ट्रेटर	301	472
अस्थायी टीचर	614	393

अन्य पिछड़ा वर्ग से 9 .5 फीसदी टीचर : अन्य पिछड़ा वर्ग से 9 .5 फीसदी टीचर हैं . इस कटेगरी में 4 .8 फीसदी पुरुष टीचर हैं . जबकि 19 .1 फीसदी महिला टीचर हैं . पीडब्ल्यूडी कटेगरी में 0 .5 फीसदी टीचर हैं . इसमें 0 .7 फीसदी पुरुष और 0 .2 फीसदी महिला टीचर हैं . झारखंड में कुल 14396 टीचर हैं, जिसमें पुरुष टीचरों की संख्या 9702 है . महिला टीचरों की संख्या 4684 है .

रांची, जमशेदपुर और सरायकेला जेल में होगा निर्माण व मरम्मत कार्य

संवाददाता। रांची

रांची, जमशेदपुर और सरायकेला जेल में 2.82 करोड़ की लागत से निर्माण और मरम्मत का कार्य होगा. इसे लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राशि आवंटित कर दी है. गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि आवंटित राशि के निकासी और खर्च करने के संबंधित पदाधिकारी जेल अधीक्षक होंगे. जेल अधीक्षक, जिला कोषागार से राशि की निकासी कर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के खाते में ट्रांसफर कराएंगे और विभाग को रिपोर्ट करेंगे.

किस जेल में कितने रुपये की राशि से होगा निर्माण

- बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार होटवार रांची : 1.36 करोड़
- केंद्रीय कारा घाघीडीह :72 .38 लाख .
- मंडल कारा सरायकेला : 74 .24 लाख
- कुल : 2 .82 करोड़ .

पंकज मिश्र बने तीसरे मोर्चा के मुख्य प्रवक्ता

रांची। पूर्व ऊर्जा मंत्री व तीसरे मोर्चा के संयोजक लालचंद महतो ने पंकज मिश्र फ्रंट का मुख्य प्रवक्ता मनोनीत किया है. लालचंद महतो ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार पंकज मिश्र फ्रंट की विचारधारा और रणनीति को आमजन तक ले जाने का काम देखेंगे. राज्य की जनता झारखंड की राजनीतिक घटनाओं को गंभीरता से देख रही है. जनता भाजपा और आजसू के गठजोड़ से तंग आ चुकी है. यही वजह है कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए 18 दलों को मिल कर थर्ड फ्रंट बनाना पड़ा. पंकज मिश्रा झारखंड के वरिष्ठ पत्रकार हैं.

ईडी के जोनल ऑफिस में आज से शुरू होगी पूछताछ

अभिषेक प्रसाद पिंटू से होगा सवाल-जवाब

संवाददाता। रांची

एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी ऑफिस में सोमवार से एक बार फिर पूछताछ का दौर शुरू होने जा रहा है. ईडी के अधिकारी अवैध खनन, जमीन घोटाले से लेकर बालू तस्करी तक के मामलों में राज्य के प्रभावशाली लोगों से पूछताछ करेंगे. ईडी की पूछताछ की शुरुआत सोमवार को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार रहे अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू से होगी. ईडी ने पिंटू को दिन के 11 बजे ईडी ऑफिस में हाजिर होने को कहा है. गौरतलब है कि जमीन घोटाला और अवैध खनन मामले में ईडी ने 3 जनवरी 2024 की सुबह पिंटू समेत कई अन्य लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की थी. इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने साहिबगंज डीसी को 11 जनवरी, विनोद सिंह को 15 जनवरी और पूर्व सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू को 16 जनवरी को ईडी ऑफिस में हाजिर होने को कहा था. हालांकि पिंटू ने ईडी को लिखकर कहा था कि उनकी पत्नी बीमार हैं, इसलिए पूछताछ के लिए उन्हें 22 जनवरी के बाद का समय दिया जाए.

होली से पहले पिंटू, प्रीति, प्रमोद और होली बाद अंबा, उनके पिता योगेंद्र साव, भाई और सीओ से पूछताछ

होली से पहले यानी 18 मार्च, 19 मार्च और 20 मार्च को ईडी राज्य के तीन अहम लोगों से पूछताछ करेगी . ईडी ने जमीन घोटाले की संदिग्ध प्रीति कुमार को 20 मार्च की सुबह 11 बजे तलब किया है . वहीं ईडी ने अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू को 18 मार्च और रांची के हटिया डीएसपी प्रमोद मिश्रा को 19 मार्च को तलब किया है . होली के बाद ईडी चार अप्रैल को कांग्रेस की बड़कागांव की विधायक अंबा प्रसाद से जमीन लूट, रंगदारी और आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामलों में अर्जित धन की मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पूछताछ करेगी . इस मामले में अंबा के पिता योगेंद्र साव से 3 अप्रैल और अंबा प्रसाद के भाई अंकित राज से 5 अप्रैल को पूछताछ होनी है . ईडी ने 2 अप्रैल को धनबाद के गोविंदपुर सीओ और हजारीबाग के पूर्व सीओ शशिभूषण सिंह को भी तलब किया है .

चुनाव में 69 मोस्ट वांटेड अपराधी पुलिस के लिए बन सकते हैं चुनौती

सौरभ सिंह। रांची

चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है. 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में वोटिंग होगी और 4 जून को नतीजे आएंगे. झारखंड में शांतिपूर्ण तरीके चुनाव कराना झारखंड पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती माना जा रहा है. एक तरफ जहां नक्सलियों से निपटने की चुनौती होगी, तो वहीं दूसरी तरफ 69 ऐसे मोस्ट वांटेड अपराधी हैं, जो लोकसभा चुनाव के दौरान पुलिस के लिए चुनौती बन सकते हैं.

69 मोस्ट वांटेड अपराधी, जो पुलिस की पकड़ से हैं बाहर

प्रिंस खान, लखन सिंह, देव कुमार बिरूली, गुलशन बिरूली, मो. तबरेज, सिकन्दर जामुदा, राजू गगराई, गार्दी सोय, मंजित सिंह बारी, मार्कण्डेय सिंह कुटिया, सूरज सिंह, मो. अफरोज, अनवर अली, अरुण सिंह, आशा कच्छप, दिलीप उरांव, रोहित चंद, सूरज कोतवाल, मो. अफरोज, गौरव कुमार, महावीर यादव, राजू यादव, रोमित कुमार, शिबू मिश्रा, किशोर मंडल, अंकित जोशी, कारू, मो. आरिफ, अनवर अंसारी, डब्लू शेख, उमेश कुमार दास, रोहित कुमार, मजहर अंसारी, दीप ग्वाला, संतोष पांडेय, भरत साह, अरशद अली, परेश मंडल, कमलेश सिंह, चंगेज खां, कैशव कुमार, शहदेव मंडल, इंदर मंडल, अशोक वर्मा, कर्मा उरांव, रिंकू दास, मनोज गिरी, राजू मुंडा, अजीत प्रधान, महावीर मंडल, मो. इमरान, अमित दास, महावीर रविदास, गुड्डू भुइयां, गणेश दास, रंजीत सिंह, रवि रितेश नाग, सहजद, लुकमान अंसारी, लाखो भुइयां, दीपक कुमार, दीप यादव, डब्लू सिंह, सोएब मिर्जा.

जेल में बंद करने के बाद भी कई अपराधी हैं सक्रिय

झारखंड पुलिस के लिए आठ मोस्ट एक्टिव अपराधी गिरोह चुनौती बने हुए हैं . जिनमें अमन साहू, अमन श्रीवास्तव, प्रिंस खान विकास तिवारी, सुजीत सिन्हा, अखिलेश सिंह, सुधीर दुबे और डब्लू सिंह का गिरोह शामिल है . डब्लू सिंह और प्रिंस खान को छोड़कर सभी गिरोह के सरगना जेल में बंद हैं .

पेपर लीक से झारखंड शर्मसार, सीबीआई जांच हो : डॉ लंबोदर

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने जेपीएससी पीटी परीक्षा का प्रश्न पत्र पर सीबीआई की जांच की मांग की है. उन्होंने कहा कि एक बार फिर झारखंड शर्मसार हुआ है. हाल ही में जेएसएससी की परीक्षा में भी प्रश्न पत्र लीक हो गया. अब फिर जेपीएससी द्वारा ली जा रही परीक्षा के दौरान भी यह मामला हो गया. जेपीएससी द्वारा ली जा रही परीक्षा के दौरान चतरा में तो परीक्षार्थियों ने यह कहकर हंगामा खड़ा कर दिया कि परीक्षा के पूर्व ही प्रश्न पत्र लीक कर दिया गया है. जबकि जामताड़ा जिले के परीक्षा केंद्र का जो दृश्य आया है, वह यह स्पष्ट कर रहा है प्रश्न पत्र लीक हो गया. मिहिजाम के केंद्र पर तो परीक्षार्थी खुलेआम उत्तर पुस्तिका भरते नजर आए हैं.

आईसीएमए रांची के गोस्सनर कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन

तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था: राज्यपाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को गोस्सनर कॉलेज में आईसीएमए द्वारा द फोर्स बिहाइंड इंडियाज इमरजेंस एज थर्ड लारजेस्ट इकॉनमी विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि देश की अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है. जिसका लक्ष्य विकसित भारत हासिल करना है.

वर्तमान में हमारे देश की अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है. उन्होंने कहा कि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया का गौरवशाली इतिहास रहा है एवं इसके 90 हजार सदस्य हैं और 5 लाख विद्यार्थी हैं. इन विद्यार्थियों पर देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने की अहम जिम्मेदारी है.

खास बातें

- द फोर्स बिहाइंड इंडियाज इमरजेंस एज थर्ड लारजेस्ट इकॉनमी पर चर्चा
- करदाता व चार्टर्ड एकाउंटेंट के महत्व पर भी चर्चा की गई

अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सीए का अहम योगदान

राज्यपाल ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सीए का अहम योगदान है . झारखंड प्रदेश खनिज संपदा से परिपूर्ण है, लेकिन हम नीचे से दूसरे पायदान पर हैं . झारखंड राज्य के आर्थिक विकास के लिए सीए गंभीरतापूर्वक चर्चा करें . जीएसटी के सफल कार्यान्वयन में भी सीए की महत्वपूर्ण भूमिका रही है . सीए का क्षेत्र व्यापक है . कर संग्रह में उनकी भूमिका अहम है . उन्होंने कहा कि प्रसन्नता का विषय है हमारे देश में करदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है .

CLASSIFIED

तापमान
30.7⁰ अधिकतम | 18.6⁰ न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

माह-ए-रमजान
इफ्तार शाम 6:02 सोमवार
सेहरी सुबह 4:31 मंगलवार

www.lagatar.in | सोमवार 18 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 330 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

दुधमुंहे को क्लास के बाहर सुलाकर जेपीएससी परीक्षा देने गई मां

गीता ने कहा- पति का साथ मिला, बच्चा होने के बाद भी तैयारी जारी रखी, सफलता जरूर मिलेगी.

सैयद रमीज जावेद। रांची

शादी के बाद या बच्चे होने पर अक्सर महिलाओं को मजबूरी में अपनी पढ़ाई या नौकरी छोड़नी पड़ती है. लेकिन कुछ महिलाएं ऐसी भी होती हैं, जो विपरित परिस्थितियों में भी न सिर्फ अपनी पढ़ाई जारी रखती है, बल्कि प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता के झंडे गाड़कर ऊंची मुकाम हासिल कर लेती हैं. नौकरी भी करती हैं और परिवार भी चलाती हैं. ऐसी महिलाएं कहती हैं कि वे इस बात की परवाह नहीं करतीं कि समाज क्या कहेगा. यदि मंजिल पानी हो, तो मेहनत के साथ त्याग और तपस्या तो करनी ही पड़ेगी. कुछ ऐसी ही महिलाओं में से एक हैं जमशेदपुर की गीता रानी. रविवार को अपने दुधमुंहे बच्चे को गोद में लिए जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में शामिल होने परीक्षा केंद्र पहुंचीं. शहर के मारवाड़ी कॉलेज में उनका परीक्षा केंद्र था. परीक्षा केंद्र के बाहर पालना बिछाया और महिला पुलिसकर्मी की देखरेख में बच्चे को छोड़कर खुद परीक्षा में शामिल होने चली गईं. इस बीच महिला पुलिसकर्मी निराली टोप्पो ने अपनी ड्यूटी निभाने के साथ ही साथ एक मां का भी फर्ज बखूबी निभाया.

महिला पुलिसकर्मी ने बच्चे को संभाला

हमेशा पति ने प्रोत्साहित किया, तो हौसला बढ़ा

परीक्षा देकर सबसे पहले गीता ने अपने बच्चे को कलेजे से लगाकर प्यार दिया. साथ ही महिला पुलिसकर्मी निराली टोप्पो को साधुवाद दिया, जिसने परीक्षा के दौरान बच्चे की देखभाल की. गीता ने शुभम संदेश संवाददाता को बताया कि शुरू से कुछ कर गुजरने की तमन्ना लिए वे पढ़ाई कर रही थीं. मेहनत पर भरोसा है. गीता अफसर बन कर समाज व राज्य की सेवा करना चाहती हैं. बताती हैं परीक्षा की तैयारी कर ही रही थीं कि उनकी शादी जमशेदपुर के जगदीश सिंह से हो गई. पति ने पढ़ाई जारी रखने व परीक्षा की तैयारी में मदद की. पढ़ाई के लिए कभी मना नहीं किया. छोटी सी कमाई के पैसों के ही प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए पुस्तकें खरीद दीं.

बच्चे की देखरेख में पति का साथ मिला

गीता बताती हैं कि शादी के बाद भी उन्होंने जेपीएससी परीक्षा की तैयारी और तेज कर दी. इस बीच वह गर्भवती हो गईं. तो पढ़ाई में थोड़ा व्यवधान पड़ा. लेकिन पति ने पूरा साथ दिया. बाद में बच्चे को जन्म दिया, जिसकी देखरेख में पति ने खूब साथ दिया. पति का साथ मिला, तो परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी. जगदीश ने पत्नी को उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया है और मदद की. वे कहती हैं उन्हें अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा है. गीता ने बताया कि जेपीएससी पीटी परीक्षा के सवाल हल करने में उन्हें तिनक भी परेशानी नहीं हुई. चूंकि उन्होंने अच्छे तरीके से सिस्टेमेटिक तैयारी की थी, इसलिए उम्मीद है कि परीक्षा में सफलता जरूर मिलेगी.

गौशाला न्यास समिति

- अजब-गजब खेल, अपनी डफली-अपना राग
- बाढ़ू मौजा की जमीन बेचने में हुए तरह-तरह के खेल

उठ रहे सवाल? सदस्य कह रहे बाप रे बाप...एतना गड़बड़झाला

राजन बॉबी। रांची

गौशाला न्यास समिति के अजब-गजब खेल और कारनामे आये दिन सामने आ रहे हैं. एक ओर जहां 135 सदस्यों की सदस्यता को लेकर वैसे लोगों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है, जिनकी सदस्यता पर समिति के पदाधिकारी ब्रेक लगाये बैठे हैं, तो दूसरी ओर कम कीमत पर गौशाला की जमीन बिक्री को लेकर भी सदस्य हंगामा कर रहे हैं, लेकिन समिति के जिम्मेवार पदाधिकारी और न्यास बोर्ड के चेयरमैन गुमकी साधे बैठे हैं. सदस्यों का कहना है कि न्यास बोर्ड के चेयरमैन रतन जालान कभी कुछ, तो कभी कुछ बोलते हैं. सदस्यता को लेकर ढुलमुल रवैया अपनाये हुए हैं, ऐसी में उनकी बातों पर भरोसा तो कतई नहीं किया जा सकता है. सदस्य तो अब कागजात में घालमेल कर बाढ़ू मौजा की करोड़ों की जमीन औने-पौने दाम पर बेचे जाने को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं. जमीन बिक्री की खामियां भी गिना रहे हैं. बता रहे हैं कि जमीन बिक्री में जो अथोराइजेशन लेटर जारी हुआ है, वह खुद सवालों के घेरे में हैं. कुछ सदस्य तो गलत तरीके से अथोराइजेशन लेटर जारी करने का मामला भी उठा रहे हैं. कह रहे हैं- **बाप रे बाप...ऐसा गड़बड़झाला भी होता है क्या ?**

ऑथराइजेशन लेटर ही गलत : सदस्यों द्वारा करोड़ों की जमीन मिट्टी मोल बेचे जाने को लेकर लगातार सवाल उठाये जा रहे हैं. रतन जालान सफाई भी दे रहे हैं कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है.

सदस्यों का कहना है कि मिस्टर जालान जब यह कह ही रहे हैं कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है, तो आखिर ये क्यों नहीं बता रहे हैं करोड़ों की जमीन कम कीमत पर क्यों बेची गई. 2021 में आखिर किस आधार पर सचिव प्रदीप राजगढ़िया ने बाढ़ू मौजा की जमीन की रिजस्ट्री करा दी. जमीन बेचे जाने का ऑथराइजेशन लेटर गलत है. लेटर ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान के हस्ताक्षर से जारी किया जाना चाहिए था, जबकि ऐसा नहीं किया गया है. लेटर पर कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र बंसल का हस्ताक्षर है. गौशाला न्यास से जुड़े सदस्यों का कहना है कि माननीयों का यह कहना कि कार्यकारिणी समिति सिर्फ गौशाला के संचालन का काम देखती है, चल-अचल संपत्ति के सर्वेसर्वा ट्रस्ट बोर्ड के ट्रस्टी होते हैं, तो ऐसे में कार्यकारिणी सदस्य के हस्ताक्षर से जारी लेटर का औचित्य समझ से परे है.

सदस्यों के सवाल

1. सीए राजेंद्र बंसल ने कैसे जारीकर दिया जमीन बेचने का ऑथराइजेशन लेटर
2. आखिर गलत कागजात से प्रदीप राजगढ़िया ने कैसे बेच दी गौशाला की जमीन
3. चल-अचल संपत्ति के सर्वेसर्वा ट्रस्ट बोर्ड के ट्रस्टी होते हैं, तो कार्यकारिणी सदस्य के हस्ताक्षर से लेटर क्यों जारी हुआ

सीए राजेंद्र बसंल के कंधे के सहारे खेल

गौसाला न्यास के एक बुजुर्ग सदस्य नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं कि नियम से तो ट्रस्टी चेयरमैन के हस्ताक्षर से पत्र जारी किया जाना चाहिए था, लेकिन चेयरमैन को कुछ न कुछ आशंका थी. इस कारण राजेंद्र बसंल के कंधे पर जिम्मेवारी लाद कर खेल कर दिया गया. वे बताते हैं कि इस बात को लेकर भी ट्रस्ट और पदाधिकारियों के पास रटा-रटाया जवाब होगा, क्योंकि इनका नियम-कानून का कोई मतलब नहीं है. माननीय अपनी डफली और अपना राग अलपाते रहते हैं. संविधान में उल्लेखित नियमों की अनदेखी कर ट्रस्टी को ही जमीन बेच दी गयी, फिर भी इसे जायज ठहरा रहे और पूर्व ट्रस्टी और अन्य पदाधिकारियों के हस्ताक्षर से जारी सदस्यता प्रमाण पत्र को जाली बता रहे. इससे उनकी तानाशाही का पता चल जाता है.

हो सकता लेटर जारी किया हो, ध्यान नहीं है : राजेंद्र बंसल

सीए राजेंद्र बंसल से यह पूछने पर कि गौशाला की जमीन बेचने के लिए आपने प्रदीप राजगढ़िया को अथोराइजेशन लेटर कैसे जारी किया, तो उन्होंने बताया कि हो सकता है, जारी किया हो. हमें ध्यान नहीं है. ट्रस्ट की ओर से हमको अधिकृत किया गया था, तो हमने सचिव को अधिकृत कर दिया.

एक ही अथोराइजेशन लेटर से बेची गई पूरी जमीन

सदस्य बताते हैं कि एक ही ऑथराइजेशन लेटर दिखा कर बाढ़ू मौजा की जमीन 2021 में बेच दी गयी. लोगों का कहना है कि गौशाला की जमीन की किस्तों में रजिस्ट्री की गयी थी, तो हर बार रजिस्ट्री कराने के लिए एक ही लेटर का उपयोग कैसे किया गया? वह भी ट्रस्टी चेयरमैन के हस्ताक्षर के बिना जारी किया गया अथोराइजेशन लेटर दिखा कर. लोगों का कहना है कि सारे नियम-कानून को दरकिनार कर जमीन बेच दी गयी.

मामले में मुझे घसीटना ठीक नहीं : वेदप्रकाश बागला

गौशाला न्यास समिति का चुनाव पदाधिकारी हूं. जमीन बेचे जाने के बारे में मुझे किसी तरह की कोई जानकारी नहीं है. पूर्व में बनाये गये सदस्यों को मान्यता देने के बारे में भी मैं कुछ नहीं कह सकता. इसका फैसला तो ट्रस्टी और पदाधिकारी ही करते हैं. दो माह पहले मुझे चुनाव कराने की जिम्मेवारी दी गयी थी. बागला ने कहा कि न्यायालय में उनका नाम दर्ज कराना कहां तक सही है? सदस्यों द्वारा इस मामले में बेवजह मुझे या मेरा नाम घसीटना ठीक नहीं है.

बीएयू में छात्र की मौत के बाद हंगामा

संवाददाता। कांके/रांची

शहर के कांके थाना क्षेत्र स्थित बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी एक छात्र की मौत के बाद भारी हंगामा हुआ. यह घटना शनिवार की देर रात हुई. जहां एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग के छात्र की हार्ट अटैक के मौत के उसके साथी छात्रों ने हंगामा किया. छात्रों का आरोप है कि समय पर एम्बुलेंस नहीं मिला, जिससे तड़पते-तड़पते छात्र रूपेश कुमार की जान चली गई थी. इसको लेकर रविवार को भारी हंगामा हुआ और तोड़फोड़ की गयी.

रूपेश कुमार

छात्रों में दिखा भारी आक्रोश : छात्रों का आरोप है कि प्रबंधन को सूचना देने के बाद भी तीन घंटे लेट से पहुंचे. इस घटना के बाद छात्रों में भारी आक्रोश है. छात्रों का कहना है कि इतने बड़े कैंपस में कोई सुविधा नहीं है. एंबुलेंस भी नहीं है और ना रात में डॉक्टर और ना ही प्रबंधन को इसकी कोई ध्यान है.

क्या है मामला : दरअसल एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग के छात्र रूपेश कुमार की मौत हार्ट अटैक से हो गई. बताया जा रहा है कि रूपेश कुमार को जब हार्ट अटैक का दौरा पड़ा, तब प्रबंधन एवं एंबुलेंस दोनों को सूचना दी गई. लेकिन दोनों समय पर नहीं पहुंचे. एंबुलेंस तकरीबन तीन घंटे बाद पहुंचा, तब तक रूपेश कुमार की मौत हो चुकी थी. वहीं प्रबंधन रूपेश कुमार की मौत होने के दो घंटे बाद पहुंचे. छात्रों में भारी आक्रोश देखने को मिला, छात्र प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे, छात्रों का कहना है कि इतने बड़े कैंपस में एक एंबुलेंस तक नहीं है ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल समझ जा सकता है. वहीं उन्होंने छात्रों से कहा कि डीन को सबसे पहले सूचना दी गई थी, समय रहते अगर रूपेश कुमार का इलाज हो जाता तो आज उसकी जान बच जाती. ऐसे में सभी छात्र डरे हुए हैं, उनका कहना है कि अगर उनकी तबीयत बिगड़ जाए तो वह क्या करेंगे. भगवान भरोसे इतना बड़ा विश्वविद्यालय चल रहा है.

भड़के छात्रों ने की तोड़फोड़ : अचानक मौत के बाद काफी हंगामा हुआ. भड़के स्टूडेंट्स ने रात्रि लगभग एक बजे वीसी रेसिडेंस में जमकर तोड़ फोड़ कर दी. उनके गाड़ी के साथ खिड़की आदि को तोड़फोड़ दिया. मामले की जानकारी के बाद डीएसपी अमर कुमार पांडे इंस्पेक्टर रामकुमार वर्मा सहित वरीय पदाधिकारी मौके पर पहुंचे तथा मामले को संभाला .

श्रीमहावीर मंडल का चुनाव में कई वर्षों का रिकॉर्ड टूटा

883 में से 762 सदस्यों ने वोट डाले

संवाददाता। रांची

श्रीमहावीर मंडल के चुनाव में कई सालों के मतदान का रिकॉर्ड टूटा. उम्मीद से कहीं ज्यादा बंफर मतदान हुआ. इस बार 883 में से 762 सदस्यों ने वोट डाले. मंडल के केंद्रीय कार्यालय दुर्गा मंदिर ट्रस्ट भवन, महावीर चौक में रविवार सुबह से शाम पांच बजे तक शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न हुआ. इस दौरान उम्मीदवार अपने-अपने ढंग से वोटरों को पक्ष में मतदान करने के लिए मनाते रहे.

शाम छह बजे से शुरू हुई वोटों की गिनती : दुर्गा मंदिर ट्रस्ट भवन में शाम छह बजे से वोटों की गिनती शुरू हुई. पहले राउंड में अध्यक्ष पद के लिए त्रिकोणीय मुकाबला रहा, लेकिन बाद के राउंड में जय सिंह यादव और रवि पिंकू के बीच टक्कर होती रही. कोषाध्यक्ष पद पर प्रमोद सारस्वत ने शुरुआत से ही लीड बनाये रखी. मंत्री पद पर दीपक ओझा भी अपने प्रतिद्वंद्वी को हर राउंड में पछाड़ते रहे. उपाध्यक्ष और सह मंत्री पद पर भी जोरदार मुकाबला रहा, रात 11 बजे तक तीन राउंड की गिनती पूरी हो सकी थी.

सांसद संजय सेठ और विधायक सीपी सिंह भी वोट डालने पहुंचे : चुनाव में सांसद संजय सेठ और विधायक सीपी सिंह भी वोट डालने पहुंचे. सांसद संजय सेठ ने मंडल के सदस्यों से इस बार भी भव्य रूप में रामनवमी जुलूस निकालने की अपील की. सीपी सिंह ने उम्मीदवारों से शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न कराने की बात कही.

पारदर्शिता से संपन्न कराया चुनाव : मुख्य चुनाव पदाधिकारी कैलाश यादव, चुनाव पदाधिकारी शंकर साहू, प्रमोद श्रीवास्तव, पर्यवेक्षक राजकुमार गुप्ता, जगदीश साहू , सहायक चुनाव पदाधिकारी विंदुल वर्मा, राजू यादव, रोशन अग्रवाल और शंकर प्रसाद ने पूरी पारदर्शिता से चुनाव संपन्न कराया.

गर्मी में मचेगा पानी के लिए हाहाकार

पियूष गौतम। रांची

शहर में इस बार लोगों को पानी के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है. राजधानी रांची के वार्ड नम्बर 43 के अंतर्गत हज हाउस के ठीक सामने लोहरा कोचा मोहल्ले में रहने वाले स्थानीय निवासी पानी और नाली जैसी कई मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं. लोगों ने बताया कि यहां लगे चापाकल पिछले तीन साल से खराब पड़े हैं. काफी जद्दोजहद के बाद पीने के लिए पानी का किसी तरह इंतजाम हो पाता है. यहां तक कि गली में पक्की रोड भी नहीं है. नाली के अभाव में घरों से निकलने वाला इस्तेमाल किया हुआ गंदा पानी, गली में जहां-तहां बहते देखा जा सकता है. वहीं वार्ड 14 में रहने वाले नायक व धुमसा टोली के लोगों ने भी अपनी ऐसी ही हालत का बयां किया.

24 घंटे में केवल दो घंटे आता है सप्लाई का पानी : बिन्दू : धुमसा टोली की स्थानीय निवासी बिन्दू देवी ने बताया कि पानी के लिए कुएं का ही सहारा था, जो अब सूखने के कगार पर है.

50 से अधिक परिवार एक ही चापाकल पर हैं निर्भर : शान्ति देवी : नायक कॉलोनी निवासी बिन्दू देवी ने बताया कि यहां के 50 परिवार मोहल्ले में लगे केवल एक ही चापाकल पर निर्भर हैं.

किसी को हमारी परवाह नहीं : सहाबीर लोहरा : चापाकल पिछले तीन साल से ठप है. किसी को हमारी परवाह नहीं है. हमारी समस्या सुनने वाला कोई नहीं है.

मोहल्ले में पक्की सड़क तक नहीं : रंजीत लोहरा : हमारी गली में पक्की सड़क नहीं है. पक्की सड़क के अभाव में घरों से निकलकर पानी गलियों में बहता रहता है.

माह-ए-रमजान | बिना दांत वाले बुजुर्गों के लिए सऊदी का लिक्विड खजूर 400 रुपये किलो

इरान, फिलिस्तीन, सऊदी व मक्का के खजूर बिक रहे रांची में

रेहान अहमद। रांची

रमजान उल मुबारक का महीना चल रहा है. इस महीने में एक अलग ही रौनक नजर आती है. समुदाय के बड़-छोटे तमाम लोग रोजे का एहतराम (पालन) कर रहे हैं. रोजेदार इफ्तार में पैगंबर मोहम्मद (स.) के तरीके, सुन्नत खजूर से रोजा खोलते हैं. सभी रोजेदार खजूर से ही इफ्तार खोलते हैं. इस लिए रोजेदार खजूर की अच्छी खरीदारी कर रहें हैं. वहीं मेन रोड, डेली मार्केट में कई खजूर की दुकाने सजी हुई हैं. ड्राई फ्रूट सेंटर के संचालक आफताब आलम ने कहा कि खजूर की उम्दा वेराइटी ईरान, सऊदी अरब, मक्का, मदीना, फिलिस्तीन से मंगवायी गयी है. मक्का के कलमी, ईरान के किमिया, मदीना के अजवा खजूर की मांग अधिक है. मालूम हो कि कलमी अन्य खजूरों से ज्यादा साफ्ट होता है. वहीं बुजूर्ग रोजेदारों के लिये सऊदी का लिक्विड खजूर मंगवाया गया है, यह 400 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रहा है. जिनके दांत नहीं हैं, वे भी इस खजूर का मजा ले सकते हैं.

बाजार में यहां भी मिल रहे खजूर

शहर के हरमू बाजार, डोरंडा बाजार, कडरू, बरियातू, लालपुर, मेन रोड, चर्च रोड, डेली मार्केट, रतन टाकीज, कर्बला चौक, गुदड़ी, आजाद बस्ती, पुंदाग, इलाही नगर, ढीपा टोली, बूटी मोड़, कांटा टोली, थड़पखना, पत्थलकुदवा, प्लाजा सिनेमा के पास, हिंदपीढ़ी आदि स्थानों पर उम्दा किस्म के खजूर बिक रहे हैं.

किमिया, कलमी और अजवा खजूर की बाजार में मांग अधिक

खजूर	कहां के	कीमत प्रति किलो
जैबो	ईरान	200 रुपए
कौसर	ईरान	260 रुपए
खली	ईरान	280 रुपए
लिबर्टी	ईरान	300 रुपए
ब्लू पल	ईरान	340 रुपए
कलमी	मक्का	600/750 रुपए
अलजेरिया	मक्का	400 रुपए
मगरूम	मक्का	1300 रुपए
मिजदुल	फिलिस्तीन	1300 रुपए
अजवा	मदीना	1200 रुपए
किमिया	ईरान	1300 रुपए
डाली खजूर	जार्डन	400 रुपए
लिक्विड खजूर	सऊदी अरब	400 रुपए
किमिया गोल्ड	ईरान	400 रुपए
जमजम	ईरान	250 रुपए
मरयम	सऊदी	550 रुपए
अल अजवा	मदीना	600 रुपए
लोकल खजूर	.....	90 रुपए

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ विद्यापति
- सर्जरीः डॉ शीतल मलुआ
- कार्डियोलॉजीः डॉ प्रकाश कुमार
- ऑर्थोपेडिकः डॉ विनय प्रभात
- न्यूरोसर्जरीः डॉ सीबी सहाय
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- ऑब्स गायनीः डॉ एसबी सिंह
- सीटीवीएसः डॉ अंशुल कुमार
- न्यूरोलीजीः डॉ सुरेंद्र कुमार
- ईएनटीः डॉ आरके चौधरी
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- प्लास्टिक सर्जरीः डॉ विक्रांत
- पीएमआरः डॉ अमित चैतन्य
- रेडिशन ऑन्कोलॉजीः डॉ अनूप
- सर्जिकल ऑन्कोलॉजीः डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
- यूरोलॉजीः डॉ अरशद जमाल व डॉ राणा प्रताप सिंह

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- कार्डियोलॉजीः डॉ राकेश झा
- यूरोलॉजीः डॉ पंकज कुमार
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ मोहम्मद इमरान
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वंदिता, डॉ समरीना कमल और डॉ उमा सिन्हा
- पीडियाट्रिक(शिशु रोग)ः डॉ अमरेश
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष

शहर में आज

1. लोकसभा चुनाव कार्यशाला का आयोजन - निर्वाचन भवन धुर्वा - 2:30
2. राज्यस्तरीय वन खेलकूद प्रतियोगिता - खेलगांव - 4 बजे
3. झॉलीवुड होली मिलन समारोह - धुमकुडिया भवन - 12 बजे
4. भारत संस्कृति यात्रा - डीएसपीएमयू - शाम 6:30

ब्रीफ खबरें

डीएवी कपिलदेव में हुई 11वीं की प्रवेश परीक्षा

रांची। डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल कडरू में 11वीं कक्षा के विज्ञान और वाणिज्य संकाय में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन हुआ. परीक्षा में शत प्रतिशत विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई. प्राचार्य सह सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी एमके सिन्हा ने बताया कि 2 अप्रैल को प्रवेश परीक्षा का पुनः आयोजन किया जाएगा. किसी कारण से इस परीक्षा में उपस्थित नहीं होने वाले छात्र 2 अप्रैल को होने वाली परीक्षा में शामिल हो सकेंगे. वहीं जिन छात्रों ने अब तक आवेदन नहीं किया है, वैसे छात्र विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.davkapildev.in पर 23 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं.

108 एंबुलेंस पर हेमंत की तस्वीर, उठे सवाल

रांची। झारखंड के 108 एंबुलेंस में अब भी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तस्वीर लगी है. इसपर भाजपा ने सवाल खड़े किए हैं. सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने सर्विस देने वाली कंपनी (ईसीआईएसवीईईपी) पर त्वरित कार्रवाई करने मांग की है. उन्होंने आदर्श आचार संहिता का भी हवाला दिया. प्रतुल ने एंबुलेंसों से तुरंत हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की तस्वीर हटाने की मांग की है.

लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही देश भर में लागू हो चुकी है आदर्श आचार संहिता, ईसी ने दिए हैं दिशा-निर्देश

राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों को आचार संहिता के नियम का पालन करना होगा

विशेष संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान होने के साथ बीते शनिवार से ही पूरे देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है. इस दौरान क्या हो सकता है और क्या नहीं, इसको लेकर इलेक्शन कमीशन ऑफ ने आदर्श आचार संहिता के नियम और कानूनों का दिशा-निर्देश जारी कर दिया है. इलेक्शन कमीशन ने इसे पूरे देश में सख्ती से लागू करने का निर्देश जारी किया है.

जानें, आदर्श आचार संहिता क्या है : आदर्श आचार संहिता राजनैतिक दलों और उम्मीदवारों के मार्गदर्शन के लिए निर्धारित किए गए मानकों का एक ऐसा समूह है, जिसे राजनैतिक दलों की सहमति से तैयार जाता है. इसमें चुनाव आयोग की भूमिका अहम होती है. संविधान के अनुच्छेद 324 के अधीन संसद और राज्य विधानमंडलों के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनावों का आयोजन चुनाव आयोग का संवैधानिक कर्तव्य है. आयोग द्वारा चुनाव का तारीखों का एलान होते ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाता है, जो कि चुनावी प्रक्रिया संपन्न होने तक जारी रहता है. राजनीतिक दलों, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और सत्ताधारी दलों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान कैसा व्यवहार करना चाहिए. चुनाव प्रक्रिया, बैठकें आयोजित करने, शोभायात्राओं, मतदान दिन की गतिविधियों और सत्ताधारी दल के कामकाज भी संहिता से निर्धारित होते हैं. मंत्री अपने आधिकारिक दौरे को चुनाव प्रचार संबंधी कार्यों के साथ नहीं मिलाएंगे और न ही चुनाव प्रचार संबंधी कार्यों के दौरान सरकारी तंत्र या कार्मिकों का प्रयोग करेंगे. हालांकि इसमें प्रधानमंत्री को कुछ छूट दी जाती है.

सरकार को इन नियमों का करना होगा पालन

- चुनाव से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए सभी अधिकारियों या पदाधिकारियों के स्थानांतरण और तैनाती पर संपूर्ण प्रतिबंध होगा. यदि किसी अधिकारी का स्थानांतरण या तैनाती आवश्यक मानी जाती है, तो पहले आयोग की अनुमति ली जाएगी.
- मंत्रियों को अपना आधिकारिक वाहन केवल अपने आधिकारिक निवास से अपने कार्यालय तक शासकीय कार्यों के लिए ही मिलेगा.

मतदान केंद्र में लागू होंगे ये नियम

- मतदान के दिन मतदान केंद्र के सौ मीटर की दूरी के भीतर वोट के लिए प्रचार करना निषेध है.
- प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से परिवहन के लिए किसी भी प्रकार के वाहन द्वारा किसी भी मतदाता को मतदान केंद्र तक लाने ले जाने के लिए कोई भी व्यवस्था अपराध है.

चुनाव प्रचार के लिए होंगे ये नियम

- कोई दल या उम्मीदवार ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा, जो धार्मिक या भाषायी जातियों और समुदायों के बीच मतभेद पैदा करे या परस्पर घृणा या तनाव उत्पन्न करे.
- दल और उम्मीदवार दूसरे दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की निजी जिंदगी के सभी पहलुओं की आलोचना करने से दूर रहें. इसमें शर्त है कि ये पहलु किसी के सार्वजनिक गतिविधियों से जुड़े नहीं होने चाहिए.
- वोट हासिल करने के लिए जाति या संप्रदाय की भावनाओं के आधार पर कोई अपील नहीं की जाएगी. मस्जिदों, चर्चों, मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों का चुनाव प्रचार के मंच के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा.
- मतदाताओं को घूस देना, मतदाताओं को डराना-धमकाना, हमशक्ल मतदाता से मतदान करवाना, मतदान केंद्रों से 100 मीटर की दूरी के भीतर प्रचार करना, मतदान समाप्त होने के लिए नियत घंटे के साथ समाप्त होने वाले 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना और मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक ले जाने और वापस लाने के लिए परिवहन और वाहन की व्यवस्था करना, यह सब नियम विरुद्ध कार्य माने जाएंगे.
- कोई भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार अपने अनुयायियों को किसी भी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी भूमि, भवन, परिसर की दीवारों इत्यादि पर झंडा लगाने, बैनर लटकाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने इत्यादि की अनुमति नहीं देगा.

सरकारी योजनाओं, निर्माण कार्य को लेकर ये नियम होंगे लागू

- चुनाव के दौरान प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सरकारी खर्चे पर पार्टी की उपलब्धियों के संबंध में विज्ञापन और सरकारी जन-संपर्क निषेध है.
- केंद्र में सत्ताधारी पार्टी/ राज्य सरकार की उपब्धियों को प्रदर्शित करने वाले होर्डिंग या विज्ञापनों को सरकार खर्चे पर जारी नहीं किया जाएगा. प्रदर्शित किए गए इस प्रकार के सभी होर्डिंग, विज्ञापन इत्यादि संबंधित प्राधिकारियों द्वारा तुरंत हटा दिए जाएंगे. इसके अतिरिक्त, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सहित अन्य मीडिया पर सरकारी राजकोष के खर्चे पर कोई विज्ञापन जारी नहीं होगा.
- चुनावों की घोषणा से पूर्व जारी कार्य आदेश के संबंध में यदि क्षेत्र में कार्य शुरू नहीं किया गया है, तो उसे शुरू नहीं किया जाएगा. परंतु यदि काम शुरू कर दिया गया है, तो उसे जारी रखा जा सकता है.
- सरकार कोई भी नयी योजनाओं की शुरूआत या उसका आदेश नहीं देगी.
- चुनावों की घोषणा के बाद जॉब कार्ड धारक को चल रहे काम में तभी रोजगार उपलब्ध करवाया जा सकता है, यदि वे काम की मांग करें.
- मंत्री या अन्य प्राधिकारी किसी भी रूप में कोई वित्तीय अनुदान या उससे संबंधित कोई वादा नहीं करेंगे. किसी परियोजना अथवा योजना की आधारशिला इत्यादि नहीं रखी जा सकेगी. सरकार या निजी क्षेत्र के उपक्रमों में तदर्थ आधार पर कोई नियुक्ति भी नहीं कर पाएंगे.
- कुछ मामलों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी किसी राजनीतिक पदाधिकारी को शामिल किए बिना आधारशिला इत्यादि रख सकते हैं.

स्कूल-कॉलेज के मैदान में सभा नहीं

- राजनीतिक कार्य के लिए स्कूलों और कॉलेज के मैदानों का प्रयोग नहीं करेंगे.
- सार्वजनिक संपत्ति पर उम्मीदवार संबंधित पार्टी अथवा उम्मीदवार के पोस्टर, प्लेकार्ड, बैनर, ध्वज आदि को लागू स्थानीय कानून के प्रावधानों और निषेधात्मक आदेशों के अध्यधीन प्रदर्शित कर सकता है.
- उम्मीदवार चुनाव के समापन के लिए तय किए गए समय के साथ समाप्त होने वाले 48 घंटे की अवधि के दौरान सिनेमा, टेलीविजन या अन्य इसी तरह के उपकरण के माध्यम से जनता को किसी भी चुनाव सामग्री अथवा प्रचार को प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं.
- किसी भी सार्वजनिक या निजी स्थान पर सभा आयोजित करने और जुलूस निकालने के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों से पूर्व लिखित अनुमति लेनी होगी. रात 10 बजे से प्रातः छह बजे के बीच लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है. जन सभाएं सुबह छह बजे से पहले और शाम 10 बजे के बाद आयोजित नहीं की जा सकती हैं.

सुतियांबे मुड़हर पहाड़ को बचाने के लिए मुंडा आदिवासी संगठनों ने किया मार्च

उलगुलान करने की दी चेतावनी

- पहाड़ के पास हुई सभा, पारंपरिक हरवे-हथियार के साथ आदिवासी महिला-पुरुषों ने लिया हिस्सा
- जबरन आदिवासियों के धार्मिक स्थलों का हिंदुकरण करने का किया जा रहा प्रयासः अजय तिर्की

कौशल आनंद/बसंत मुंडा। रांची

महाराजा मदरा मुंडा के कभी राजगढ़ रहे सुतियांबे के मुड़हर पहाड़ को बचाने के लिए मुंडा समाज और आदिवासी संगठनों ने रविवार को मार्च आयोजित किया. पहाड़ के निकट एक सभा का की गई, जिसमें भारी संख्या में आदिवासी महिला-पुरुषों ने पारंपरिक हरवे-हथियार के साथ हिस्सा लिया.

इस अवसर पर आदिवासी नेताओं ने कहा कि अगर सुतियांबे के मुड़हर पहाड़ का हिंदूकरण करने का प्रयास हुआ, तो उलगुलान होगा. नेताओं ने आरएसएस, जनजाति सुरक्षा मंच और भाजपा को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पहाड़ का हिंदूकरण, परिसर का अतिक्रमण और पहाड़ पर हिंदू झंडा लगाया गया, तो इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा.

मदरा मुंडा के राजगढ़ पर कब्जा नहीं करने देंगे : बंधन तिग्गा

सरना धर्म गुरु बंधन तिग्गा ने कहा कि आदिवासी समाज आज हाशिये पर है. अतिक्रमण कर जो झंडा लगाया गया है, उसे जल्द हटाया जाए. जनजाति सुरक्षा मंच महाराजा मदरा मुंडा के राजगढ़ पर कब्जा नहीं होने देंगे. ग्राम सभा कर कानून को हाथ में लेकर हिंदू धार्मिक स्थल को हटाया जाएगा. आदिवासी समाज द्वारा धर्म-संस्कृति की रक्षा के लिए सरकार से लंबी लड़ाई लड़ी गई. आगे भी लड़ाई लड़नी होगी. वहीं लक्ष्मी नारायण मुंडा ने कहा कि भाजपा, आरएसएस और इसके पिट्ठू संगठन हमारे महाराजा मदरा मुंडा के ऐतिहासिक स्थल पर कब्जा जमा कर इसका हिंदूकरण करना चाहते हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. अगर ये लोग नहीं चेते, तो हम सीधी कारवाई करने में भी सक्षम हैं. केंद्रीय सरना समिति अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि आरएसएस और जनजाति सुरक्षा मंच जबरन आदिवासियों के धार्मिक स्थलों को हिंदुकरण करने का प्रयास कर रहा है. इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा. सरना प्रार्थना सभा रांची महानगर अध्यक्ष नारायण उरांव ने कहा कि राज्य सरकार भी आदिवासियों के धार्मिक स्थल पर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है. जैन धर्म को धर्म कोड दिया गया है, लेकिन उनसे ज्यादा संख्या वाले आदिवासियों को धर्म कोड नहीं दिया गया है. प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि महाराजा मदरा का अस्तित्व आज खतरे में है. धर्म बचाने के लिए 32 जनजाति के लोगों को शामिल होना होगा. हमें जमीन कारोबारी से लड़ने की जरूरत है. केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि आदिवासियों के धार्मिक स्थल पर कब्जा किया जा रहा है. आदिवासियों पर हिंदू संगठनों के लोगों ने अपनी धर्म-संस्कृति थोंपने का काम किया है. वहीं आदिवासी नेत्री निरंजना हेरेंज ने कहा कि जनजाति सुरक्षा मंच आदिवासी विरोधी है. इससे जुड़े लोगों का जाति प्रमाण पत्र जांच करने की जरूरत है. मौके पर दुर्गावती ओड़ेया, अशोक मुंडा, कारा से भीम सिंह सांगा, सहदेव मुंडा, नारायण उरांव, मनीष मुंडा, सरना समिति के फ्रांसिस लिंडा, झरी लिंडा, बिनोद सांगा, शैलेंद्र पाहन सहित कई लोगों ने संबोधित किया.

विकास के साथ आगे बढ़ना सवर्ण समाज का लक्ष्य: मनीष

संवाददाता रांची

रविवार को रांची प्रेस क्लब में सवर्ण समाज संयोजक समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई. बैठक में समिति के प्रदेश संयोजक मनीष कुमार सिंह ने कहा कि सवर्ण समाज का उद्देश्य केवल अपने निजी या व्यक्तिगत हित अथवा स्वार्थ से ऊपर उठ कर देशहित में एकजुटता और विकास के साथ निरंतर आगे बढ़ना है. इसके अलावा उपेक्षा-प्रताड़ना से बचाव भी सवर्ण समाज का सर्वप्रमुख लक्ष्य है. बैठक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग आयोग आदि की तरह ही सवर्ण आयोग के गठन की मांग की गयी.

बैठक में डॉ. प्रणव कुमार बब्बू ने कहा कि सवर्णों के लिए अबतक किसी भी आयोग का गठन नहीं किया गया है, जबकि सवर्णों की भी अपनी अनेक जटिल समस्याएं हैं.धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि सवर्ण समाज को एकजुटता एवं मजबूती प्रदान किया जाना आवश्यक है. बैठक में आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्णों की आरक्षण की सीमा 10% से बढा कर 21% करने, आरक्षण का आधार जातिगत की बजाय आर्थिक करने, राजनीतिक दलों द्वारा सवर्ण जाति को महत्व देने, जातिगत जनगणना वास्ताविकता पर आधारित करने, सवर्ण समाज के गरीब लोगों के लिए निःशुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कानूनी सहायता की व्यवस्था करने, सवर्णों के विरुद्ध अपमानजनक भाषा पर रोक आदि मांगें की गईं.

बैठक में सूरज कुमार सिन्हा, दिलीप कुमार सिंह, वीणा श्री सरकार, सुप्रिया सिंह, प्रीति चौधरी, सुप्रिया दास, विमलेश कुमार सिंह, यश सिंह परमार, विजय कुमार सिंह, प्रवीण कुमार ओझा, श्याम किशोर, शैलेश्वर दयाल सिंह, मिंटू, डॉ. सत्य प्रकाश मिश्रा, श्याम सुंदर सिंह, मंजीत सिंह, रोहित कुमार पांडेय सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे.

ब्राउन शुगर कारोबार में देवर-भाभी गिरफ्तार

रांची। ब्राउन शुगर कारोबार से जुड़े होने के आरोप में पुलिस ने देवर-भाभी को गिरफ्तार किया है. जानकारी के मुताबिक, गुप्त सूचना पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस ने सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के विद्यानगर में आनंदपुरी चौक के पास छापेमारी की. इस क्रम में पवन कुमार नामक युवक ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया है. उसके पास से अवैध ब्राउन शुगर और बिक्री के 21 हजार रुपये बरामद हुए. पवन की निशानदेही पर उसकी भाभी कोमल देवी के आनंदपुरी चौक स्थित घर में छापेमारी कर 31 पुड़िया गांजा, एक पल्सर बाइक बरामद किया गया. वहीं इस कारोबार में शामिल अन्य लोग भागने में सफल रहे.

जेपीएससी परीक्षा के पेपर लीक मामले पर भाजयुमो का प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

जेपीएससी परीक्षा के पेपर लीक मामले को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने रांची में प्रदर्शन किया. मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सीएम का पुतला दहन किया. प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने कहा कि फिर एक बार राज्य की निक्कमी, लुटेरी और भ्रष्ट सरकार ने युवाओं के भविष्य का सौदा करने का काम किया है. इस सरकार ने साढ़े चार सालों में 25 से 30 लाख में सीटों को बेचने का काम किया है. भाजपा राज्य के युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी है और आगे भी रहेगी. उन्होंने जेपीएससी के अध्यक्ष से अविलंब इस्तीफा देने और सरकार से मामले की सीबीआई जांच कराने की अनुशंसा करने की मांग की.

बंगाल की दो बहनें लापता परिजन खोजने पहुंचे रांची

रांची। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से बीते सात मार्च से दो बहनें लापता हो गई हैं. दोनों का अंतिम लोकेशन रांची स्टेशन बताया जा रहा है.

इसे लेकर उनके परिजन रांची पहुंचे हैं. परिजनों ने चुटिया थाना में दोनों के बारे में जानकारी दी है. उन्हें आशंका है कि दोनों लापता बहनें रांची में ही कहीं हैं. परिजनों के अनुसार, घर जाने के रास्ते से दोनों गायब हुई थीं. दोनों रांची रेलवे स्टेशन में लगे सीसीटीवी में आठ मार्च को देखी गयी हैं. लोगों से भी अपील की गई है कि दोनों के बारे में किन्हीं को जानकारी मिले, तो 8670611530 नंबर पर या स्थानीय थाना को सूचित करें.

जेपीएससी पेपर लीक मामले पर भाजपा ने चंपाई सरकार को घेरा

सीबीआई जांच कराएं सीएम: विनय

संवाददाता। रांची

जेपीएससी पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विनय कुमार सिंह चंपाई सरकार पर जमकर हमले किए. प्रदेश मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि चंपाई सरकार वाकई में हेमंत सरकार पार्ट-2 साबित हुई है. इस सरकार ने भी हेमंत सोरेन सरकार की तरह भ्रष्टाचार को आगे बढ़ाया है. राज्य सरकार को यहां के युवाओं की थोड़ी भी चिंता है, तो मुख्यमंत्री सीबीआई जांच की अनुशंसा करने की हिम्मत दिखाएं.

विनय ने कहा कि दो साल पहले सातवीं से दसवीं जेपीएससी परीक्षा में एक सेंटर में सीरियल नंबर से अभ्यर्थी पास हुए थे. बाद में किसी का ओएमआर शीट नहीं मिला और आज जेपीएससी 11वीं की परीक्षा में चतरा और जामताड़ा जिला में प्रश्न पत्र का सील खुला हुआ मिला. इससे पहले जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा में 30-40 लाख में प्रश्न पत्र बिका. ईडी की कार्रवाई में भी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विनोद सिंह के चैट में इसका खुलासा हुआ. कहा कि पिछले 4 वर्षों से राज्य के युवा ठगे जा रहे हैं. प्रति वर्ष 5 लाख सरकारी नौकरी और बेरोजगारी भत्ता की घोषणा का दावा करने वाले लोगों ने युवाओं के साथ छल किया है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अशोक बड़ाईक और प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज मौजूद थीं.

गांडेय उपचुनाव — छह माह के लिए कौन बनेगा विधायक, सत्ता पक्ष और विपक्ष के सामने ऊहापोह की स्थिति

झामुमो प्रत्याशी की घोषणा के बाद ही सस्पेंस पर लगेगा विराम

- धरे के धरे रह गए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के दावे
- उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग की कर दी है घोषणा

विशेष संवाददाता। रांची

गांडेय में उपचुनाव को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के सारे दावे धरे के धरे रह गए. आखिररकार निर्वाचन आयोग ने गांडेय विधानसभा उपचुनाव की घोषणा कर दी है. जब गांडेय सीट से डॉ सरफराज अहमद ने इस्तीफा दिया था, तब निशिकांत ने दुबे ने दावा किया था कि चूंकि विधानसभा का कार्यकाल एक वर्ष से कम का बचा है, इसलिए उपचुनाव नहीं हो सकता है और कल्पना सोरेन चुनाव नहीं लड़ सकती हैं. ऐसे में वे मुख्यमंत्री नहीं बन सकती हैं. इसे लेकर निशिकांत ने राज्यपाल को पत्राचार भी किया था. लेकिन, चुनाव आयोग ने उपचुनाव की घोषणा कर दी है. इसके बाद झामुमो और भाजपा दोनों खेमे में ऊहापोह की स्थिति उत्पन्न हो गयी है. इसका एकमात्र कारण यह है कि सिर्फ छह महीने के लिए किसे मैदान में उतारा जाए. लोकसभा चुनाव के साथ-साथ गांडेय विधानसभा उपचुनाव की भी मतगणना 4 जून को होगी. झारखंड में दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं. यानि नवंबर में चुनाव की घोषणा हो जाएगी. ऐसे में मात्र छह महीने के लिए किसे चुनाव में उतारा जाए, यह दोनों खेमे के लिए बड़ा प्रश्न बनकर सामने आ गया है.

गौरतलब हो कि गांडेय झामुमो के लिए सबसे सुरक्षित सीट रहा है. जब डॉ. सरफराज अहमद ने इस्तीफा दिया था, तो इस सीट से कल्पना मुर्मू सोरेन को चुनाव लड़ाने की चर्चा जोरों पर थी. लेकिन अब राजनीतिक हालात बदल चुके हैं. अब झामुमो या सोरेन परिवार कल्पना सोरेन को गांडेय से उतारेगा, इसमें संदेह है. ऐसे में झामुमो किसे मैदान में उतारेगा, पार्टी नेतृत्व के समक्ष यह भी बड़ा प्रश्न उभरा है. दूसरी ओर भाजपा को भी गांडेय सीट से अपना उम्मीदवार उतारने के लिए मंथन में जुट गई है.

उपचुनाव के कार्यक्रम

- **तीन मई** : नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि
- **चार मई** : नामांकन पत्रों की जांच
- **छह मई** : नाम वापसी की आखिरी तिथि
- **20 मई** : उपचुनाव
- **चार जून** : मतगणना

लोकसभा चुनाव में किस भूमिका में होंगे हेमंत व कल्पना सोरेन

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उनकी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन राजनीति में आ चुकी हैं. पार्टी में उनकी भूमिका को लेकर रणनीति बननी शुरू हो गयी है. हेमंत को दुमका से लोकसभा चुनाव लड़ाने की चर्चा भी जोरशोर से हो रही है. मगर इस लोकसभा चुनाव में हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन की भूमिका क्या होगी, इसपर सभी की निगाहें टिकी हैं. झामुमो द्वारा प्रत्याशियों की घोषणा के बाद इसका पटाक्षेप हो जाएगा.

रांची एसएसपी ने 15 थाना प्रभारियों को किया शो-कॉज

संवाददाता। रांची

विभागीय कार्यवाही

- विधि-व्यवस्था से संबंधित रिपोर्ट नहीं देने का मामला
- 48 घंटे के अंदर सभी को स्पष्टीकरण देने को कहा

विधि व्यवस्था से संबंधित रिपोर्ट नहीं देने पर रांची एसएसपी एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने जिले के 15 थाना प्रभारी को शो-कॉज किया है. जारी आदेश में कहा गया है कि लोकसभा चुनाव को लेकर जिले के सभी थाना प्रभारकयों को प्रतिदिन विधि-व्यवस्था से संबंधित रिपोर्ट चुनाव कोषांग को भेजने का निर्देश दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय में 15 थाना प्रभारियों द्वारा रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई. इसी कारण थाना प्रभारियों को 48 घंटे के अंदर अपना स्पष्टीकरण देने कहा गया है.

इन थाना प्रभारियों को शो-कॉज: एसएसपी ने नामकुम थाना प्रभारी, लालपुर थाना प्रभारी, कोतवाली थाना प्रभारी, डेली मार्केट थाना प्रभारी, बुंडू थाना प्रभारी, सदर थाना प्रभारी, डोरंडा थाना प्रभारी, टाटीसिलवे थाना प्रभारी, तुपुदाना ओपी प्रभारी, पिठोरिया थाना प्रभारी, पंडरा ओपी प्रभारी, बेड़ो थाना प्रभारी, विधानसभा थाना प्रभारी, अनगड़ा थाना प्रभारी और दलादली ओपी प्रभारी को शो-कॉज किया है.

खाटू धाम यात्रा की तर्ज पर निकली भव्य निशान पदयात्रा

जगह-जगह हुआ स्वागत

17 किमी पैदल चल कर श्रीश्याम को अर्पित किये निशान

- नेवरी से हरमू रोड तक पवन शर्मा ने बहायी भजनों की गंगा
- रास्ते भर श्याम निशान लहराते और नाचते-झूमते रहे उत्साहित श्रद्धालु

संवाददाता। रांची

खाटू धाम की तर्ज पर रविवार को भव्य निशान पदयात्रा निकाली गयी. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया. सुबह साढ़े छह बजे बस और अन्य वाहनों से श्रद्धालु नेवरी आये. सुबह आठ बजे वाहन पर श्रीराम और श्रीश्याम के सजे दरबार के समक्ष पूजन-आरती की गयी. इसके बाद यात्रा शुरू हुई. श्रीश्याम ध्वजा पदयात्रा समिति के संजय सर्राफ की अगुवाई में गाजे-बाजे और भजन मंडली संग श्रद्धालु निकल पड़े. यात्रा बूटी मोड़, बरियातू रोड, कचहरी रोड होते हुए सुभाष चौक से घूमकर गांधी चौक, पुस्तक पथ, जेजे रोड, कार्ट सराय रोड के रास्ते गाड़ीखाना, हरमू रोड, किशोरगंज चौक से मुड़ कर श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड आये. यहां खाटू नरेश श्रीश्याम को पवित्र निशान अर्पित किया गया. यात्रा के दौरान भजन गायक पवन शर्मा साथी कलाकारों संग भक्ति रस की वर्षा करते रहे. हाथों पर लहराता निशान और मुख पर जय श्रीश्याम. न तो किसी को तन की चिंता थी और न ही मन की सुध. भक्ति से पुल्कित भक्तगण 17 किमी की पदयात्रा करने के बाद भी उत्साहित थे. यात्रा में हिस्सा ले रहे ललित पोद्दार ने बताया कि अद्भुत अनुभव है, इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता. बस इतना कहूंगा कि जीवन धन्य हो गया. ईश्ववर करें ऐसा मौका बार-बार आये.

दिया योगदान : संजय सर्राफ, गोपाल मुरारका, ललित कुमार पोद्दार, अशोक लाड़िया, मनोज खेतान, राजेश ढांढनिया, हरि परशुरामपुरिया, रवि चौधरी, संजय परशुरामपुरिया, आनंद चौधरी, प्रदीप अग्रवाल, प्रमोद परशुरामपुरिया व नवीन डोकानियां आदि ने इसके सफल संचालन में मुख्य योगदान दिया.

श्रीश्याम ध्वज पदयात्रा में शामिल भक्तों का जगह-जगह विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और व्यवसायी संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया. लोगों के बीच खाने-पीने के सामान बांटे गये. हालांकि पदयात्रा समिति की ओर से भी श्रद्धालुओं के लिए विश्राम और खाने-पीने की व्यवस्था की गयी थी.

ब्रीफ खबरें

स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती मनायी गयी

रांची। सामाजिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक संस्था श्री रामकृष्ण सेवा संघ के तत्वावधान में रविवार को निवारणपुर स्थित बीएसवी विद्यालय में स्वामी रामकृष्ण परमहंस की 189 वीं जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर स्वामी रामकृष्ण परमहंस के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये गये. रविवार को सुबह पांच बजे मंगल आरती, साढ़े दस बजे भजन-संकीर्तन का आयोजन किया गया. समारोह में भजन गायक मधुसूदन गांगुली, छंदा घोष, अमृता चटर्जी एवं उनकी टीम ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत किया.

पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन का होली मिलन

रांची। पंजाब नेशनल बैंक आफिसर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को होली मिलन का आयोजन कचहरी स्थित बिहार क्लब में किया गया. इस अवसर पर सभी ने रंग, अबीर, गुलाल लगा कर एक दूसरे को रंगों की होली की बधाई दी. मंडल प्रमुख पीके श्रीवास्तव ने होली के महत्व पर प्रकाश डाला. मौके पर मंडल सचिव उमेश कुमार सिन्हा ने आपसी एकता बने रहने की कामना की. राजन लकड़ा, सुरेंद्र सिंह, अनुराग आदि बड़ी संख्या में शामिल थे.

एक्सआईपीटी में छात्रों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

रांची। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलीटेक्निक एंड टेक्नोलॉजी (एक्सआईपीटी) बरगावां, नामकुम में ऑनलाइन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया. जिसमें बामर लॉरी यूएई एलएलसी जैसी कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने हिस्सा लिया. संस्थान में पढ़ने वाले मेकैनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच के 19 बच्चों को शार्टलिस्ट किया गया, जिनमें से दो छात्र जॉय अर्पण टोप्पो और आशीषन सोय का चयन हुआ. चयनित छात्रों को सालाना पैकेज 12.17 लाख पर प्लेस किया गया है.

आठ साल का उसैद बड़ों की तरह रख रहा रोजा

रांची। पुंदाग स्थित दारउल अरकम स्कूल के कक्षा तीन का छात्र मो जफर के छोटा बेटा उसैद बिन जफर आठ साल का ही है. लेकिन बड़ों की तरह रोजा नमाज की पाबंदी करता है. पिता मो. जफर ने बताया कि उसैद दो वर्षों से रोजा रख रहा है. बीते वर्ष इसने 22 रोजा रखा था. अधिवक्ता नसर इमाम की बेटी नमरा इमाम पिछले 2 वर्षों से रोजा रख रही है. बच्ची कांके स्थित अलोन्स ड्रीमकैचर में कक्षा तीन में पढ़ती है. बच्ची आठ साल की है. नमरा रोजा रखने के साथ नमाज का एहतेमाम (पालन) करती है. बच्ची की इस लग्न से पूरे घर में खुशी का माहौल है.

मंदिरा सिंह ग्रुप ने किया नृत्य-नाटिका का बेहतरीन मंचन

श्रीश्याम मित्र मंडल का रंग रंगीलो फागण अमृत महोत्सव हुआ प्रारंभ

मेहुल के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने किया अखंड पाठ

दे रहे योगदान : अध्यक्ष सुरेश सरावगी, पंकज गाड़ोदिया, आदित्य लोहिया, श्रवण ढानढनिया, श्याम सुंदर शर्मा, अनिल नारनौली, पूर्व सांसद अजय मारू, संतोष सरावगी, राजीव मित्तल, सुनील सरावगी, वेद भूषण जैन, कौशल चौधरी, रतन शर्मा, अनुज मोदी, अमित सरावगी, कमलेश सावा, कमल बिश्नोई, अंकित सिंह, मनोज खेतावत, आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

संवाददाता। रांची

श्रीश्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 52वें स्थापना दिवस पर रंग रंगीलो फागण महोत्सव का शुभारंभ हुआ. श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में रविवार को पांच दिनी महोत्सव की शुरुआत सुबह साढ़े सात बजे श्रीगणेश और ध्वज पूजन से हुई. पूजन-अनुष्ठान में तारा देवी कटारुका, राजेश कटारुका, प्रकाश कटारुका, अनुष्ठान में यजमान के रूप में हिस्सा लिया. इसके बाद पुष्पा देवी पोद्दार ने परिवार के साथ बाबा की ज्योत जगायी. छप्पन भोग का भोग लगाया. दिन के साढ़े 11 बजे से श्रीश्याम अखंड ज्योति पाठ प्रारंभ हुआ. श्रद्धालुओं ने राजस्थान, चूरू से आये मेहुल शर्मा के सान्निध्य में सस्वर पाठ कर खाटू नरेश की महिमा गायी. साथ ही कोलकाता की मंदिरा सिंह डांस ग्रुप के कलाकारों ने प्रसंगानुसार नृत्य नाटिका का सुंदर मंचन कर सब को मंत्रमुग्ध कर दिया. प्रत्येक प्रसंग का कलाकारो ने ऐसा जीवंत दर्शन कराया कि लोग सुध-बुध खो बैठे. शाम चार बजे से पाठ शुरू हुआ, जो देर शाम तक चला. मंदिर परिसर अखंड ज्योत है अपार माया, श्याम देव की परबल छाया ... जैसे सुमधुर भजनों से घंटों गुंजायमान रहा. माना जाता है कि ज्योति पाठ का वाचन और श्रवण करने मात्र से रोग-शोक और दुःखों का अंत हो जाता है. श्रीश्याम मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने तन-मन और धन से समर्पित हो प्रभु के दिव्य दरबार में हाजिरी लगायी.

आज निकलेगी निशान शोभायात्रा

महोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को निशान शोभायात्रा निकाली जायेगी. प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि दिन के एक बजे मारवाड़ी भवन से गाजे-बाजे के साथ 1008 निशान लहराते हुए श्रद्धालु निकलेंगे. नगर भ्रमण कर श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड आयेंगे. यात्रा के दौरान एक लाख पैकेट बुंदिया प्रसाद बांटा जायेगा. राजस्थानी डफ के साथ फतेहपुर के मुन्ना और राजू भजन रस की वर्षा करते हुए यात्रा में साथ चलेंगे. मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि 19 मार्च को 94वां श्री सुंदरकांड और श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक संगीतमय पाठ होगा. 20 मार्च को दिन के दस बजे बाबा की प्रातः कालीन ज्योति प्रज्जवलित की जायेगी. रात साढ़े नौ बजे से एकादशी जागरण चलेगा. उन्होंने बताया कि 21 मार्च को बाबा की बड़ी द्वादशी की ज्योति प्रचलित होगी. खाटू नरेश का श्रृंगार-पूजन और खीर-चूरमा का भोग लगाया जायेगा. साथ ही 105वां श्रीश्याम भंडारा का प्रसाद बांटा जायेगा. शाम छह बजे से भजन संकीर्तन होगा.

'अनुभव के दरख्त' का लोकार्पण

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश अंगिका समाज के तत्वावधान में रविवार को साहित्यकार 'मीनू' मीना सिन्हा की तीसरी पुस्तक 'अनुभव के दरख्त' (काव्य संकलन) का लोकार्पण हुआ. डीएवी पब्लिक स्कूल , कमड़े में आयोजित लोकार्पण समारोह में डॉ. श्रीमोहन सिंह, डॉ. एमपी सिन्हा, डॉ. निवास चंद्र ठाकुर, पंकज मित्र, श्रीप्रकाश देवकुलिस, अनिल कुमार सहाय,चंद्रिका ठाकुर, एच. के. सिंह द्वारा लोकार्पित पुस्तक पर विचार व्यक्त किये गये.

प्रस्तुत काव्य संकलन में जमीन से जुड़ी 108 कविताएं हैं. उनमें सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार है तो प्रेम की रची-पगी चाशनी, राजनीति की निर्ममता, मतदान की जागरूकता, आतंकवादियों को मुख्य धारा में लाने की कारुणिक पुकार, तार-तार होते रिश्तों की कथा, होली की मस्ती, विरहिणी की व्यथा, प्रकृति की मनमोहकता-भयावहता, सोशल मीडिया पर दिखावा, देशभक्ति के ओजपूर्ण स्वर, सेवानिवृत्ति का अमृत फल, हास्य-व्यंग्य विधा में समाहित कविताएं जो हमें रोजमर्रा की जिंदगी से रूबरू कराती हुई इतर अहसास कराती हैं. 'मीनल' उपनाम से प्रसिद्ध 'मीनू' की प्रथम पुस्तक 'जवनधारा' 2018 में तथा दूसरी पुस्तक 'बिटिया' 2021 में आईं. दो काव्य संग्रह 'पत राखो हे मेरी माता और 'गिरिपथ' शीघ्र प्रकाश्य हैं. इन्हें 'महादेवी वर्मा स्मृति सम्मान, 'अंग भूमि महिला गौरव सम्मान' सहित शताधिक सम्मानों की इन्हें प्राप्ति हो चुकी है.

झारखंड के छात्र भी अभयानंद सुपर-30 में पा सकते हैं प्रवेश

रांची। अभयानंद सुपर-30 में झारखंड के मेधावी छात्र भी प्रवेश पा सकते हैं. संस्थान के मेडिकल विंग के हेड पीके उपाध्याय ने रविवार को बताया कि झारखंड में अभयानंद सुपर-30 अपनी उपस्थिति पहली बार दर्ज करा रहा है, ताकि अभयानंद जी के मिशन का लाभ झारखंड के गरीब व मेधावी विद्यार्थी भी प्राप्त कर सकें. इस वर्ष किसी भी बोर्ड से 10वीं की परीक्षा दे चुके स्टूडेंट www.abhayanandsuper30.com पर जाकर 31 मार्च को होने वाली जांच परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं. विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार, बिहार एवं झारखंड में बनाए गए केंद्रों पर परीक्षा दे सकते हैं. रांची प्रेस क्लब में मीडिया से बातचीत करते हुए उपाध्याय ने बताया कि जीवन परिवर्तन के मिशन से अभयानंद सुपर-30 की स्थापना बाहिर के पूर्व डीजीपी अभयानंद ने वर्ष 015 में की थी. अभयानंद सुपर-30 समाज के गरीब मेधावी छात्रों को रहने-खाने व पढ़ने की निःशुल्क सुविधा प्रदान कराती है.

मिथिला मंच के होली मिलन समारोह में जम कर हुई मस्ती

संवाददाता। रांची

झारखण्ड मिथिला मंच, रांची के तत्वावधान में रांची के हरमू क्षेत्र में होली मिलन सह परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप झारखण्ड सरकार के मंत्री एवं मंच के मुख्य संरक्षक मिथिलेश ठाकुर एवं रांची के विधायक सीपी सिंह उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय कलाकार ज्योति मिश्रा द्वारा गायी भगवती वंदना जगदम्ब अहि अवलंब हमर ... से हुई. मिथिला से आमंत्रित कलाकार ज्योति प्रिया एवं आलोक भारती द्वारा जोगीरा एवं लोकगीतों की प्रस्तुति ने मिथिलावासियों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया. उपस्थित मिथिलावासी एक दूसरे को जमकर अबीर गुलाल लगाए. आये हुए अतिथियों ने अपने वक्तव्य के माध्यम से लोगो को होली की शुभकानाएं दीं. मंच के द्वारा स्वरुचि भोजन में चूड़ा फ्राई, पकौड़ी, मालपुआ, घुंघनी एवं जेलबी की व्यवस्था की गई थी, जिसका आनंद लोगों खूब उठाया. ठंडई का आनंद भी लोगों ने खूब उठाया. कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष डॉ आनंद शेखर झा, महासचिव मिथिलेश मिश्र एवं कोषाध्यक्ष सुनील झा के संग अनेक स्वयंसेवकों अपना योगदान दिया.

भारतीय शिक्षण मंडल युवा आयाम की बैठक

संवाददाता। रांची

सरला बिरला विश्वविद्यालय सभागार में रविवार को भारतीय शिक्षण मंडल युवा आयाम के बिहार एवं पूर्वी क्षेत्र की क्षेत्रीय बैठक का आयोजन हुआ. भारतीय शिक्षण मंडल के झारखंड प्रांत के अध्यक्ष रंजीत मिश्रा ने अतिथियों को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत किया. वहीं मुख्य अतिथि के तौर पर आशुतोष द्विवेदी ने भारत, भारतीय और भारतीयता पर अपने बौद्धिक विचार प्रस्तुत किए. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विचारों के मंथन से जो नवनीत निकलता है उसे युवाओं तक पहुंचाना अनिवार्य है.

बैठक की अध्यक्षता कर रहे डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने युवा शक्ति के निर्माण तथा उन्हें सृजनात्मक दिशा प्रदान करने को लेकर अपने विचार साझा किए. वहीं अखिल भारतीय युवा आयाम के प्रमुख अमित रावत ने दृष्टि, ध्येय और मिशन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी देश का उज्ज्वल भविष्य युवा ही होता है. युवकों के सार्थक प्रयास से ही राष्ट्र का विकास संभव है. युवा आयाम युवाओं को पांच यम और पांच नियम अभ्यास करवाने पर बल देता है. आयाम का एक लक्ष्य कौशल का विकास, तार्किकता एवं आध्यात्मिकता का विकास भी है. इस दौरान नवम्बर महीने में मंडल की अखिल भारतीय संगोष्ठी कार्यक्रम के विषय में जानकारी प्रदान की गई. वहीं बैठक में भारतीय शिक्षण मंडल के प्रदेश मंत्री सुभाष साहू, प्रांत विस्तारक निलेश, डॉ. उमेश, डॉ. पवन आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बड़ी संख्या में महिलाओं ने गायी श्रीराणी सती दादी की महिमा

श्रीराणी सती मंदिर में दिखी भक्ति की सतरंगी छटा

संवाददाता। रांची

खास बातें

- मनोज शर्मा ने साथी कलाकारों संग बहायी भजनों की गंगा
- सौरव और केशव मधुकर ने भजनों की हाऊजी से मोहा मन

श्रीराणी सती मंदिर कमेटी के होली रंगोत्सव के समापन के मौके पर सुबह से देर रात तक भक्ति की सतरंगी छटा छायी रही. श्रीराणी सती दादी के भक्तों ने भक्ति के महासागर में गोते लगाये. सुबह सात बजे अखंड ज्योत प्रज्वलन के साथ ही दर्शनार्थियों का तांता लग गया. सुबह आठ बजे मंगला पाठ शुरू हुआ. अजमेर से आये श्रीदादी के वंशज तेजस राणा के सांन्निध्य में सभी ने सस्वर पाठ कर झुंझुनू वाली दादी की जीवन गाथा प्रस्तुत की. पाठ के बीच तेजस ने सुमधुर भजन प्रस्तुत कर सबको झुमाया. इसके पाठ दिन के तीन बजे से भक्ति गीतों का कार्यक्रम शुरू हुआ. पहले मनोज शर्मा ने भक्तिरस की वर्षा की. इनके बाद शुरू हुआ भजनों की हाऊजी का अलग आकर्षण रहा. सौरव और केशव मधुकर ने भक्ति गीतों की झड़ी लगा दी. नाचते-झूमते श्रद्धालुओं का तन-मन पुल्कित होता रहा. रात आठ बजे से जमकर फूलो की होली खेली गयी. रात दस बजे बनारस से आये आचार्यों ने गंगा आरती उतारी. इसी के साथ तीन दिनी रंगोत्सव संपन्न हो गया.

दिया योगदान : होली रंगोत्सव के सफल आयोजन में न्यासी रतन जालान, अध्यक्ष सतीश तुलस्यान, सचिव गजानंद अग्रवाल, किशन नारसरिया, सह संयोजक मनोज जालान, प्रेम सरावगी, श्रवण जालान, राहुल अग्रवाल, राजा भालोठिया, कमल खेतावत, राजेश बुधिया, किशन मोदी, मनीष लोघा, दिनेश टेकरीवाल लक्ष्मण राणा, मनोज अग्रवाल, राजेश जालान, अक्षय हरलालका, विकास अग्रवाल, अमर पोद्दार, किशोरी पौदार, नीरज बंका, गौतम अग्रवाल और मनीष लोधा ने मुख्य योगदान दिया.

विमर्श

इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट में रजत जयंती व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन

महिलाओं के लिए काम की परिभाषा बहुत सीमित : ज्यां द्रेज

संवाददाता। रांची

खास बातें

- महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी में वृद्धि का सुझाव
- लाभकारी रोजगार पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर

श्री कृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के सभागार में इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट (आईएचडी) ने रविवार को रजत जयंती व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया. प्रो. ज्यां ड्रेज, प्रो. अलख शर्मा, सोनलेड देसाई व रमेश शरण ने 'भारत में श्रम बल भागीदारी में रुझान' विषय पर बारी-बारी से अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए. मैरीलैंड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर व एनसीएईआर के प्रोफेसर और केंद्रीय निदेशक सोनलेड देसाई ने कहा कि महिलाओं का स्कूल में नामांकन, शिक्षा में लिंग अंतर में कमी, छोटे बच्चों की देखभाल के बिना महिलाओं द्वारा बिताए गए वर्षों की संख्या में वृद्धि के साथ, प्रजनन क्षमता में तेजी से गिरावट आई है. इन परिवर्तनों के परिणामस्वरूप तार्किक रूप से महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी में वृद्धि होनी चाहिए. फिर भी, इसके विपरीत, एनएसएस (राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण) और पीएलएफएस (आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण) के अनुसार महिलाओं के रोजगार में गिरावट दर्ज की गई है, जो 2020 में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई थी.

प्रो. रमेश शरण ने कहा कि महिलाओं को काम के मामले में समान रूप से नहीं आंका जा रहा है और वे सक्रिय श्रम शक्ति का हिस्सा नहीं बन रही हैं. प्रोफेसर ज्यां द्रेज़ ने बताया कि ध्यान मुख्य रूप से लाभकारी रोजगार पर होना चाहिए, जो जरूरी नहीं कि पूरी तरह से वेतनयुक्त रोजगार हो. उन्होंने बताया कि दो अर्थव्यवस्थाएं हैं, एक बाजार अर्थव्यवस्था है और दूसरी घरेलू अर्थव्यवस्था है, जिसमें शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य, जीवन की गुणवत्ता आदि शामिल हैं. दूसरे प्रकार की अर्थव्यवस्था वास्तव में पहले की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है. यदि महिलाएं भैंसों की देखभाल करती हैं, तो उन्हें नियोजित की श्रेणी में रखा जाता है, लेकिन यदि वे बच्चों की देखभाल करती हैं, तो वे नियोजित की श्रेणी में नहीं आती हैं. समय की मांग है कि महिलाओं के लिए लाभकारी रोजगार की प्रवृत्ति में तेजी लाई जाए. घरेलू कामकाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक में सुधार और उन्नयन की जरूरत है. प्रो. अलख शर्मा ने सत्र के मॉडरेटर के रूप में व्याख्यान का संचालन किया.

रशियन डांसरों के साथ मचा होली का धमाल

संवाददाता। रांची

सन डाउनर इंटरटेनमेंट के तत्वावधान में रविवार को यहां कार्निवाल पैलेस में प्री होली सेलिब्रेशन इट्स होली का आयोजन किया गया. इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दो रशियन डांसरों ने अपने नृत्य और अदाओं से सबको थिरकने पर मजबूर कर दिया.

सन डाउनर इंटरटेनमेंट के सीईओ आदित्य राज और फाउंडर ईशान कुमार सोनी ने बताया कि रांची में होने वाले होली मिलन समारोहों से यह सबसे अलग और शानदार हुआ. कार्यक्रम में रशियन डांसरों ने अपनी नृत्यकला का शानदार प्रदर्शन किया. उनकी अदाओं से जलवे ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया. इसके साथ ही डीजे की धुन पर युवाओं ने रंगभरी होली खेली और जम कर मस्ती की. कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा की भी पर्याप्त व्यवस्था थी. होली खेलने के साथ ही युवाओं के लिए स्नेक्स और ड्रिंक की भी व्यवस्था थी. कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीईओ आदित्य राज, फाउंडर ईशान कुमार सोनी, मीडिया मैनेजर आयुष राज वर्मा का भरपूर सहयोग रहा.

बिना कसूर हाजत में बंद रखा : पत्रकार ने नशे में धुत जवानों को दुकान के पास पेशाब करने से किया था मना, तो दिखा दिया पुलिसिया रौब

लातेहार पुलिस के जवानों ने पत्रकार को पीटा, चेहरे पर गर्म चाय फेंकी, हाजत में रखा

संवाददाता। लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चंदवा प्रखंड के पत्रकार राजीव कुमार के साथ पुलिस के जवानों ने मारपीट की और गर्म चाय पत्रकार के चेहरे पर फेंक दी. इतना सब कुछ होने के बाद भी जब जवानों का जी नहीं भरा, तो उन्होने पत्रकार को दो घंटे तक चंदवा थाना की हाजत में बंद रखा. पत्रकार का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने अपनी दुकान के पास पेशाब करने से जवान को मनाया किया था. घटना के बाद से पत्रकारों में आक्रोश है. पीड़ित पत्रकार राजीव कुमार ने बताया कि वह पत्रकारिता के साथ-साथ परिवार का भरण पोषण करने के लिए रात में इंदिरा गांधी चौक के समीप चाय की ठेला लगाता है. शनिवार देर रात लगभग 11:30 बजे दो पुलिस वाहन ठेले के सामने रुके. कुछ जवान गाड़ी से उतर कर बगल की दुकान पर चाय पीने लगे. उनमें में से एक जवान दुकान की बगल में रखी नमक की बोरी के पास पेशाब करने लगा. इसके बाद पत्रकार ने उस जवान से कहा कि यहां पर दुकान है, थोड़ा आगे बढ़ कर पेशाब कर लीजिए. इतना कहते ही वो आग बबूला हो गया और तमतमाते हुए नजदीक आया. जवान ने गर्म चाय उसके चेहरे पर फेंक दी. उनके साथ मारपीट की. भद्दी- भद्दी और जाति सूचक गांलियां देते हुए जबरदस्ती बोलेरो में बैठा कर थाने ले गये.

थाने में भी ओडी इंचार्ज ने उसे जातिसूचक गालियां दी और हाजत में बंद कर दिया. लगभग दो घंटे बाद गश्ती से लौटने के बाद थाना प्रभारी के द्वारा थाना हाजत से बाहर कर उसे छोड़ा गया. इसके बाद उसने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जा कर इलाज कराया. वापस जब वो दुकान लौटा, तो देखा कि गल्ले से लगभग 15 सौ रुपए गायग हैं. अंदेशा है कि उसे थाना ले जाने वालों के द्वारा ही इसे निकाल लिया गया. पत्रकार राजीव ने जब घटना के संबंध में लिखित शिकायत चंदवा थाने को दी, तो वहां उसका आवेदन लेने से इंकार कर दिया गया.

हाजत में राजीव

निंदनीय घटना है, जांच कर दोषियों को सजा दें: सुनील कुमार

अधिवक्ता सह पत्रकार सुनील कुमार ने कहा कि पत्रकार राजीव कुमार के साथ घटित घटना घोर निंदनीय है. जिले में पुलिस की करतूत शर्मसार करने वाली आए दिन घट रही है. उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मनिका के दो पत्रकारों संतोष प्रसाद एवं दीपू कुमार के साथ भी ऐसे ही घटना घटी थी. तत्कालीन थाना प्रभारी भानु प्रताप सिंह ने दीपू कुमार एवं संतोष कुमार के घरों में जबरन रात में घुसकर जाति सूचक गाली गलौज करते हुए उनकी जमकर पिटाई की थी और एक फर्जी केस दर्ज कर जेल भेज दिया था. अधिवक्ता कुमार ने दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल मुअत्तल करने और उन पर अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग की है. उन्होने पत्रकार राजीव को मुआवजा दिलाने की मांग भी की है. घटना की निंदा करने वालों मे मनीष उपाध्याय, चंद्रप्रकाश सिंह, आशीष टैगोर, संजीत कुमार, पंकज प्रसाद, रूपेश कुमार व विवेक कुमार आदि का नाम शामिल हैं.

ज्यादती करने के दोषी जवानों पर कार्रवाई की जाए : अयूब खान

प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष असगर खान व मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता अयूब खान ने एक संयुक्त रूप से शुभम संदेश के पत्रकार राजीव कुमार के साथ पुलिस के जवानों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की घटना की निंदा किया है. उन्होने कहा कि पत्रकार राजीव कुमार अपने आजीविका के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप चाय बेच रहे थे. उनके साथ जवानों के द्वारा किया गया व्यवहार अशोभनीय है. ऐसी घटनाओं से पुलिस पब्लिक के बीच बनी मित्रता टुटती है. उन्होने जांचकर पत्रकार राजीव कुमार को न्याय दिलाने की मांग किया है.

जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करेंगे: एसपी

लातेहार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने चंदवा में पत्रकार के साथ

हुए दुर्व्यवहार की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए तत्काल जांच का आदेश जारी किया है. अंजन ने कहा है कि मामले में दोषी पुलिसकर्मियों को नहीं बक्शा जाएगा और पत्रकार को न्याय दिलाया जाएगा. उन्होंने इस घटना पर अफसोस जताया है.

ब्रीफ खबरें

कुरमी/ कुड़मी समन्वय समिति की बैठक संपन्न

सिल्ली/मुरी। कुरमी/कुड़मी समन्वय समिति झारखंड बंगाल एवं ओडिशा की संयुक्त बैठक रविवार को सोनाली मैरिज हॉल में हुई. बैठक की अध्यक्षता संयोजक लालचन महतो ने की. बैठक में धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, रामगढ़, रांची, सिल्ली , सोनाहातू एवं सरायकेला से समिति के प्रदेश, जिला के पदाधिकारी एवं प्रभारी मौजूद थे. बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव पर चर्चा की गयी. मौके पर डॉ धनेश्वर मेहता, प्रभु दयाल, खिरोधर, हीरालाल, शुभेंदु, नरेंद्र नाथ, नीताई, भागीरथ महतो, धुमा महतो, अजमवर महतो, हरे कृष्ण, राधेश्याम, रतनलाल, विष्णु चरण, अजगूत, जगदीश, दीपक रंजन, सुरेश कुमार महतो समेत समाज के अन्य लोग भी मौजूद थे.

बालू ढुलाई करते एक ट्रबो, दो ट्रैक्टर जब्त

बुढ़मू । देर रात नदी से बालू की ढुलाई कर रहे एक ट्रबो, दो ट्रैक्टर केरेडारी थाना प्रभारी ने पकड़ा. तीनों वाहनों को पुलिस थाने लेकर आयी इस कार्रवाई से बालू माफिया सतर्क हो चुके है.केरेडारी, छापर क्षेत्र से अवैध बालू की ढुलाई एक बार फिर शुरू हो चुका है, लगभग 200 ट्रैक्टरों व दर्जनों ट्रबो ट्रक से बालू की ढुलाई की जा रही है. केरेडारी व छापर के नदियों से उठने वाला बालू शहरी क्षेत्रो में पहुंचता है इस दौरान माफियाओं द्वारा रेकी भी की जाती है.

कार से भारी मात्रा में बीयर जब्त, चालक गिरफ्तार

सिल्ली/मुरी। लोकसभा चुनाव को लेकर की जा रही वाहन चेकिंग में मुरी पुरुलिया सीमा पर झालदा बंगाल की ओर से आ रही कार से बड़ी मात्रा में बीयर जब्त किया गया. इस दौरान पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की.बताते चले कि उक्त गाड़ी में कुल 16 पेटी बीयर बरामद की गयी . गिरफ्तार गाड़ी चालक सह मालिक मनीलाल जायसवाल बाबूराम टोली बुंडू के रहने वाले है.

सिल्ली छाताटांड़ में श्रीमद् भागवत कथा 27 मार्च से

सिल्ली/मुरी । श्री श्री हरे कृष्ण नाम हट्ट संघ सिल्ली-मुरी के तत्वावधान में सिल्ली छाताटांड़ मैदान में 27 से 29 मार्च तक श्रीमद् भागवत कथा सह वैदिक सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया है. इस उत्सव का शुभारंभ नगर संकीर्तन एवं शोभा यात्रा से किया जायेगा. उत्सव के दौरान भागवत कथा, वैदिक नाटक,भजन कीर्तन एवं महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा. सिल्ली नामहट्ट संघ के बल्लभ निताई दास उर्फ बुद्धदेव कुशवाहा ने इसकी जानकारी देते हुए लोगों को इस उत्सव में शामिल होने का आग्रह किया है.

पिपरवार के बचरा में हुई यूसीडब्ल्यू की बैठक

पिवरवार। यूनाइटेड कोल वर्क्स यूनियन पिपरवार तदर्थ नवगठित कमेटी की बैठक बचरा बसंत बिहार क्षेत्रीय कार्यालय में रविवार को हुई . ठक की अध्यक्षता रहमतुल्ला ने किया . बैठक के दौरान पिपरवार क्षेत्र के सभी परियोजनाओं में कार्यरत असंगठित एवं कोयला कामगारों के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा किया गया बैठक में मुख्य रूप से सीसीएल वेलफेयर बोर्ड सदस्य अरविंद शर्मा, अब्दुल्ला , धनेश्वर गंझु सहित दर्जनों यूनियन के कार्यकर्ता मौजूद थे .

लॉटरी से अकूत संपत्ति खड़ी करने वाले समीर के खिलाफ जांच की मांग

लॉटरी किंग समीर के खिलाफ ईडी और आईटी को लिखा पत्र

संवाददाता । धनबाद

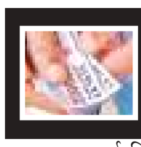

अवैध लॉटरी का **कारोबार** 11

झरिया का लॉटरी माफिया समीर की हुकूमत को उसके घर में ही चुनौती मिलने लगी है, झरिया में ही कई कारोबारियों से उसे सामना करना पड़ रहा है. ऐसे में बौखलाया समीर दूसरों के कारोबार को बंद कराने के लिए नई-नई तरकीबों को इस्तेमाल कर रहा है. वहीं अन्य खेमे भी समीर के खिलाफ खुलकर मोर्चा ले रहे हैं, धनबाद के पुलिस पदाधिकारियों तक उसकी शिकायतें पहुंच रही हैं. चर्चे में तो ये बात भी है कि भाजपा के एक नेता समीर के खिलाफ ईडी और आयकर विभाग को भी पत्र लिखकर उसकी संपत्ति की जांच करने की मांग रखी है. हालांकि नेता ने अपना नाम सार्वजनिक नहीं किया है, वहीं कुछ लोग इस शिकायत को दूसरे खेमे की साजिश मान रहे हैं.

बताते चलें कि लॉटरी की दुनिया में समीर ऐसा नाम है, जो फिलहाल सबसे उपर है. लॉटरी के कारोबार में समीर ने करोड़ों रुपये की संपत्ति खड़ी कर रखी है. कई स्थानों पर जमीन, मकान के साथ-साथ कई रिश्तेदारों के नाम पर भी अकूत संपत्ति बना रहा है. समीर का कारोबार इन दिनों न सिर्फ धनबाद बल्कि झारखंड के कई जिलों में बेखौफ चल रहा है. उसके ब्रांड की लॉटरी कई जिलों में बिक रही है. लॉटरी बंगाल से छपकर आती है या फिर धनबाद में ही छपवा कर बेचा जा रहा है. क्योंकि कुछ कारोबारी बंगाल में लॉटरी छपवाकर मंगवाते हैं, लेकिन इसमें पकड़े जाने का रिस्क हैं, समीर महीने भर की लॉटरी एक बार में ही मंगवा लेता है, हालांकि लॉटरी के शातिरों के बीच इस बात की भी चर्चा है कि समीर अपने ब्रांड की लॉटरी अब खुद ही छपवाने लगा है और धनबाद में ही छपवाता है. एक महीने की लॉटरी छपवाकर गुप्त स्थान पर रखवा देता है, और सप्ताह में एक दिन गुप्त स्थान से लॉटरी निकलवाकर झरिया ले आता है और यहीं से पूरे सप्ताह तक हॉकरों को लॉटरी की आपूर्ति करता है.

- कई नए शातिरों की कारोबार में एंट्री, माफिया के बीच मचा घमासान
- आपस में साजिश रचने में जुटे लॉटरी माफिया अफसरों के पास शिकायतों का दौर शुरू

सिंदरी में बुलेट बेचता है टिकट

सिंदरी में समीर की लॉटरी की बिक्री बुलेट नामक व्यक्ति करता है, बुलेट पाथरडीह का रहने वाला है और डिगवाडीह, पाथरडीह, सुदामडीह, गौशाला आदि इलाकों में समीर का काम संभालता है. इसके अलावा बरारी 16 नंबर में गणेश साव और राजा साव, नदीपार भोजूडीह में बुचन, अधीर और विनोद समीर के इस अवैध कारोबार की कमान संभालता है. नुनडीह में मोनू, पाथरडीह में संजय और सिंदरी में किसी झा को बुलेट लॉटरी की टिकट देता है और ये लोग इन इलाकों में लॉटरी की टिकट बेचते हैं.

एक नया गुट लॉटरी कारोबार में कूदा

लॉटरी के कारोबार में एक नया गुट काफी तेजी से उभर रहा है. इसका लीडर इकबाल है. इकबाल के साथ संजय भी एक बार फिर अपने पुराने कारोबार में कूद चुका है. ये दोनों लॉटरी के कारोबार के पुराने शातिर रहे हैं. पूर्व में ये लोग किस्त से सामान देने वाले लॉटरी का काम करते थे, जिसमें कई लोगों को इन लोगों ने चूना लगाया था. इसके बाद ये लोग काफी दिनों तक चुप रहे लेकिन इकबाल अपनी शातिरगिरी करता रहा. लॉटरी के टिकटों में इस टीम ने अचानक आकर पुराने शातिरों को हिला दिया है

चंदवा में पत्रकार की पिटाई मामला में भाजपा एसपी से शीघ्र कार्रवाई की मांग की

रांची। चंदवा में लगातार और शुभम संदेश के स्थानीय संवाददाता को पुलिस ने बेवजह पीट दिया. इतना ही नहीं उनके साथ मारपीट कर हाजत में भी बंद कर दिया. इसे लेकर लगातार.इन ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी. इसपर झारखंड भाजपा के प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने संज्ञान लेते हुए लातेहार एसपी से पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है. सोशल मीडिया एक्स पर प्रतुल ने लातेहार एसपी को टैग करते हुए लिखा" चंदवा के एक वरिष्ठ पत्रकार के साथ कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट करने की खबरें आई हैं. चेहरे पर गर्म चाय फेंकने का भी आरोप लगा है. आपसे आग्रह है कि इस पूरे मामले की गहनता से जांच करने की कृपा करें. जो भी दोषी पाया जाए जांच में उनको कड़ी सजा मिले. पत्रकार को गैर कानूनी तरीके से लॉकअप में बंद रखने कर आरोप की शिकायत की भी जांच करने की कृपा करें. लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को निर्भीक रूप से काम करने के लिए निर्भीक वातावरण अति आवश्यक है.

न्यूज अपडेट

सिल्ली में झामुमो ने निकाली न्याय यात्रा

सिल्ली/मुरी । सिल्ली प्रखंड के हलमाद पंचायत के मिसिर होटाग में झामुमो सिल्ली प्रभारी सह रांची जिला उपाध्यक्ष रामानंद बेदिया के नेतृत्व में न्याय यात्रा निकली गयी.रांची जिला उपाध्यक्ष रामानंद बेदिया ने न्याय यात्रा के दौरान हेमंत सोरेन जिंदाबाद जब तक झारखंड रहेगा तब तक हेमंत सोरेन रहेंगे, हेमंत सोरेन झारखंडियों की पहचान है, हेमंत है तो झारखंड नारा लगाया गया. न्याय यात्रा में सहदेव बेदिया, कृष्ण बेदिया, लखी चरण मुंडा, द्वारिका महतो, संतोष कुमार साहू, सुनीता देवी, रिझनी देवी, समरी देवी, लखविंदर बेदिया आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बीओसी में हुई लोकल संवेदक संघ की बैठक

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बीओसी हनुमान मन्दिर के प्रांगण में लोकल संवेदक संघ की रविवार को बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता जितेन्द्र कुमार और संचालन सुरेश महतो ने किया. बैठक में स्थानीय लोकल संवेदकों की समस्याओं पर चर्चा की गई.बैठक में सीएसआर योजना के तहत किये जाने वाले कार्यो पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में सभी स्थानीय संवेदक को एकजुट होने की अपील की गई.बैठक में उपस्थित स्थानीय संवेदकों ने भी बारी-बारी से अपनी समस्या और विचार को रखा.बैठक में राजेश महतो,सुरैश महतो,महेश महतो,इदरीश अंसारी,जाहिद अली,बिनोद मिंज,पिन्टु कुमार साव,आदेश कुमार,दिनेश राम, सुरेश राम, बिपत राम, मोहम्मद अनवर,मनकु महतो,परमेश्वर महतो,राजेन्द्र साव,महेश प्रसाद सहित कई लोकल संवेदक मौजूद थे.

विस्थापित प्रभावित ट्रक ऑनर एसोसिएशन ने की बैठक

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के चिरैयांटांड़ चार नम्बर कांटा के समीप विस्थापित प्रभावित ट्रक ऑनर एसोसिएशन एन के पिपरवार की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बिजय महतो और संचालन महेन्द्र भोक्ता ने किया। बैठक में ट्रक मालिकों की समस्या पर चर्चा करते हुए कई प्रस्ताव पारित किए गए,जिसमें मुख्य रूप से वर्ष 2012-22 में तय किये गये भाड़ा में संसोधन करने,तय किये गये स्थान से 20 से 25 किमी आगे ले जाने पर 100 रुपये प्रतिटन भाड़ा बढ़ोतरी करने, अधिक होने पर ट्रांसपोर्टिंग कम्पनी द्वारा 50 प्रतिशत एडवांस भाड़ा भुगतान करने सहित कई अन्य प्रस्ताव को पारित किया गया।बैठक में काफी संख्या में स्थानीय ट्रक मालिकों सहित लिफ्टर मौजूद थे।

सरहुल महोत्सव सह शोभा यात्रा की तैयारी को लेकर हुई बैठक

पिपरवार। राय पंचायत स्थित अंबेडकर फुटबॉल मैदान में आगामी 13 एवं 14 अप्रैल को सरहुल पूजा सह शोभा यात्रा एवं मेला आयोजन को लेकर ग्रामीणों ने बैठक की . बैठक की अध्यक्षता मुखिया शीला देवी एवं संचालन समाजसेवी विजय पहान उर्फ बैलून ने किया . बैठक में सरहुल महोत्सव सह शोभा यात्रा निकाले जाने एवं मेला का आयोजन सहित रंगारंग सांस्कृतिक नागपुरी कार्यक्रम आयोजन कराने का निर्णय लिया गया . जिसमें अध्यक्ष विजय पहान उर्फ बैलुन,उपाध्यक्ष मंगरु मुंडा, सचिव दुर्गा प्रसाद महतो,सह सचिव रामावतार राम,कोषाध्यक्ष रूपेश महतो, संगठन सचिव दीपक महतो, मीडिया प्रभारी गणेश महतो एवं मुख्य संरक्षक लालेश्वर महतो,नागेश्वर महतो एतवारा महतो, संरक्षक राजेश महतो, अर्जुन महतो, प्रदीप उरांव, भरत राम, रामकुमार भुईया, इंटेक्स मद्रासी,एवं रामू उरांव आदि का मनोनयन किया गया.

होली मिलन समारोह में उड़े अबीर गुलाल

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार में पिपरवार मंडल विहिप सह बजरंग दल ने बचरा श्रमिक क्लब में रविवार को होली मिलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया . समारोह कि अध्यक्षता पिपरवार मंडल विहिप सह बजरंग दल अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद मंडल एवं संचालन चतरा जिला विद्यार्थी संघ प्रमुख अभिषेक सिंह दुर्गेश ने किया. समारोह में मुख्य अतिथि बजरंग दल के जिला उपाध्यक्ष तारकेश्वर गुप्ता एव विशिष्ट अतिथि प्रखंड प्रमुख जीतू गुप्ता थे. कार्यक्रम में मुख्य रूप से नकुल राम, अजय मौर्या, शंकर सिंह चेरो, समाजसेवी धीरेंद्र शर्मा, राजकुमार ,मुकेश राणा, सुनील प्रसाद ,राजा कुमार, दीपक केसरी, नवीन कुमार, महादेव प्रसाद, सोनू तिवारी, बचरा उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र पासवान राकेश सिंह सहित सैकड़ो विहिप कार्यकर्ता मौजूद थे .

खूंटी में खुला अर्जुन मुंडा का प्रधान चुनाव कार्यालय

खूंटी । आचार संहिता लगते ही खूंटी में चुनावी सरगर्मी और भी तेज हो गयी है. चुनाव के संचालन के लिए रविवार को भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा का प्रधान कार्यालय का उद्घाटन किया गया. जहां से भाजपा चुनावी बिगुल फूंकेगी. मौके पर भाजपा प्रदेश प्रभारी सत्यनारायण सिंह, पद्मभूषण कड़िया मुंडा, तोरपा विधायक कोचे मुंडा, खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व विधायक बिमला प्रधान सहित सैकड़ों भाजपा पदाधिकारी शामिल हुए.पद्मभूषण कड़िया मुंडा लोकसभा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, तोरपा व खूंटी के विधायक आदि ने नारियल फोड़कर व फीता काटकर उद्घाटन किया. इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक बिमला प्रधान, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री जगन्नाथ मुण्डा, खूंटी प्रभारी सत्यनारायण सिंह, जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, विधायक प्रतिनिधि कासीनाथ महतो, अरुण चन्द्र गुप्ता, विपिन कुमार, महेश प्रसाद चौधरी, संतोष जायसवाल, पार्टी सैकड़ों कार्यकर्ता जिले के सभी मंडल अध्यक्ष सांसद प्रतिनिधि, आदि सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बुढ़मू के तीन मंदिरों की प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने का आरोपी धराया

संवाददात। बुढ़मू

उमेदंडा में हुए प्रतिमा क्षतिग्रस्त कांड का खुलासा पुलिस ने कर लिया है. बुढ़मू थाना क्षेत्र के उमेदंडा में 11 मार्च को तीन मंदिरों में हुए प्रतिमा क्षतिग्रस्त मामले का उद्भेदन करते हुए बुढ़मू पुलिस ने घटना के पांच दिनों बाद आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. आरोपी युवक का नाम 42 वर्षीय गंदुरा गंझू है और वह मैकलुस्कीगंज थाना क्षेत्र के हरहू गांव का रहने वाला है. पुलिस के समक्ष अपना बयान देते हुए उसने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर लिया है. पुलिस ने पूछताछ करने के बाद आज उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया.

दस मार्च की देर रात घटना घटी थी : बुढ़मू के उमेडंडा गांव में दस मार्च की देर रात शरारती तत्वों ने धार्मिक उन्माद एवं अशांति फैलाने का प्रयास किया था. प्राचीन शिव मंदिर समेत तीन मंदिरों में मूर्तियों को खंडित करने का घृणित कार्य किया गया था. उमेडंडा गांव में तालाब किनारे तीन मंदिर स्थित हैं, जिनमें प्राचीन शिव मंदिर, हनुमान मंदिर और भगवती मंदिर. इन मंदिरों के पुजारी सिधेश्वर मिश्रा प्रतिदिन की भांति 11 मार्च सुबह लगभग 4.30 बजे पूजा करने गए तो उन्होंने देखा की तीनों मंदिरों में मूर्तियों को असमाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया है. बदमाशों ने शिव मंदिर में शिवलिंग एवं नंदी, हनुमान मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा तथा भगवती मंदिर में पिंडी एवं भगवती त्रिशूल को तोड़ दिया था. इसके बाद पुजारी ने ग्रामीणों को इसकी सूचना देते ही खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैली और ग्रामीण आक्रोशित हो गए. ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए उमेडंडा चौक को जाम कर दिया था. उग्र ग्रामीणों ने ठाकुर गांव बैंक मोड़, बुढ़मू चौक, नगड़ू चौक, उमेडंडा हिंदगीर छापर पथ को जाम कर दिया था.

इटकी में सरहुल पूजा को लेकर हुई बैठक

इटकी। झखरा टोली स्थित सरना स्थल पर सरहुल पूजा को लेकर रविवार को सरहुल पूजा को लेकर एक बैठक कि गई. बैठक में पूजा को पारंपरिक रूप से मनाने को लेकर विचार किया गया और 11 अप्रैल को सरहुल पूजा व 12 अप्रैल को शोभा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया. बैठक में पड़हा राजा अमन उरांव, बीरा उरांव, प्रधान सुका उरांव, बिगा मिंज, अशोक, अशोक तिर्की, मंगा सहित अन्य मौजूद थे.

पार टांड़ प्रीमियर लीग करमा टूर्नामेंट का उद्घाटन

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के रुक्का पंचायत में आयोजित पार टाड़ प्रीमियर लीग करमा क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ रविवार को जिला परिषद सदस्य कमिश्नर मुंडा ने बीच मैदान में बॉल को बल्ला से मार कर उद्घाटन किया. टूर्नामेंट का पहला मैच रुक्का 11 बनाम विवेक ब्रदर्स नीम टाँड़ के बीच10-10 ओवर का खेला गया. रोमांचक मैच में विवेक ब्रदर्स ने मैच जीत कर अपने नाम किया. मौके पर मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य कमिश्नर मुंडा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल मानव जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण है.

सरस्वती विद्या मंदिर में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

संवाददाता। अनगड़ा

सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल गेतलसूद में रविवार को वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया. इस दौरान होली मिलन समारोह का भी आयोजन हुआ. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्ववर्ती छात्र भी शामिल हुए. मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू व विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, प्रमुख दीपा उरांव व भाजपा एससी मोर्चा के जिला महामंत्री संजय नायक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. इस अवसर पर आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि पूरे भारतवर्ष में सरस्वती विद्या मंदिर ही ऐसा एक विद्यालय है. जहां शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में संस्कार भी दिया जाता है. प्रधानाचार्य सेवाराम महतो ने कहा कि छात्रों के अंदर एक दूसरे के प्रति सम्मान, आदर भाव, शिष्टाचार उन्हें जिम्मेवार नागरिक बनता है. कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक लोक नृत्य व देशभक्ति गीतों पर जलवा बिखेरा. सभी ने एक दूसरे को रंग अबीर लगाकर होली की बधाई दी.मौके पर कामेश्वर महतो, शांति मुंडा, राधा महतो, रंजीत महतो, भोला महतो, सुधा देवी सुखदेव महतो सहित अन्य उपस्थित थे.

केसी गर्ल्स स्कूल दरवाजे पर विराजमान 'यमदूत ' से सकुशल वापसी के लिए गेट को प्रणाम कर प्रवेश करती हैं बेटियां

दुर्भाग्यपूर्ण हालात! स्कूल नहीं, मौत के मुंह में जाती हैं 800 बेटियां

रिजवान शम्स। धनबाद

केसी गर्ल्स स्कूल झरिया, एक इतिहास को समेटे हैं, झरिया में सिर्फ लड़कियों की शिक्षा के लिए एकमात्र सरकारी साधन. वर्ष 1932 में निर्मित होने का बोर्ड चस्पा है, जो स्कूल के एतिहासिक महत्व को और भी बढ़ा देता है. लेकिन शिक्षा के इस मंदिर के दरवाजे पर यमदूत आकर बैठा है, जिसने एक जान ले ली है. स्थानीय लोगों की मानें तो यहां पढ़ने वाली बेटियां हर दिन उसी गेट को प्रणाम और चरणस्पर्श कर जाती थीं, ताकि वे स्कूल में सकुशल पढ़ाई कर सकें. लेकिन इस दरवाजे पर बैठे यमदूत ने बेटियों को अब तक बख्शे रखा है लेकिन एक कलेजे के टुकड़े को प्रिंस उसके मां-बाप से छीनकर बहुत ले गया. रविवार को पोस्टमार्टम के बाद उसका शव राजा तालाब के पास मौजूद उसके घर पहुंचा, जो ठीक केसी गर्ल्स स्कूल के ठीक सामने है, शव के पहुंचते ही पूरे इलाके में रोने की आवाजें दिलों को दहला गई. बता दें कि प्रिंस डीएवी स्कूलय में कक्षा आठवीं का छात्र था, जिसका अपने आवास के ठीक सामने केसी गर्ल्स स्कूल में आठवीं बोर्ड की परीक्षा का केंद्र पड़ा था, दूसरी पाली में परीक्षा के लिए जाने के क्रम में स्कूल के मेनगेट पर मौजूद छज्जा टूटकर उस पर गिर गया. जख्मी हालत में उसे उठाकर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया.

1932

में बने विद्यालय में पढ़ती हैं लगभग 800 छात्राएं, वारदात के बाद चिंता में डूबे अभिभावक

कई छज्जे हो चुके हैं जर्जर, कमरों में दरारें

स्कूल के कई छज्जे जर्जर हालात में हैं और बड़ी वारदात को निमंत्रण दे रहे हैं. स्कूल के कमरों की हालत भी खस्ता है, यहां पढ़ना जान गंवाने का रिस्क लेना है. इतना ही नहीं स्कूल की नई इमारत का दो तल्ले का छज्जा और रेलिंग को लेकर लोगों में खौफ देखा जा रहा हे, क्योंकि इसके ठीक नीचे ही अक्सर गाडियां लगी रहती हैं और पानी का एक सार्वजनिक नल भी है.

शोक में बंद रहीं राजा तालाब की दुकानें

धनबाद । इस वारदात की शोक में राजा तालाब और आसपास के दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें बंद रखीं. यहां के रहने वाले हर किसी को यह वारदात रुला गया. यहां तक आसपास के लोग स्कूल की प्रधानाचार्य और उसके रिश्तेदार के खिलाफ काफी आक्रोशित हैं. लोगों का कहना है कि स्कूल प्रबंधन की ओर से घोर लापरवाही बरती जा रही है. पूर्व में भी क्लास में प्लास्टर गिरने से एक बच्ची जख्मी हुई थी. कई बार विभाग को जर्जर भवन की खबर दी गई.

झारखंड में मौसम को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी, 21 मार्च तक बारिश के आसार

एंटी साइक्लोनिक कंडीशन के कारण नमी और निम्न स्तर पर बने दबाव का पड़ रहा असर

संवाददाता। रांची

झारखंड के मौसम ने करवट ली है. मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक बारिश के आसार हैं. इस दौरान तेज हवा व वज्रपात के साथ ओलावृष्टि हो सकती है. इसको लेकर विभाग ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. विभाग के अनुसार एंटी साइक्लोनिक कंडीशन के कारण नमी और निम्न स्तर पर बने दबाव के कारण मौसम में परिवर्तन हुआ है. रविवार को भी राज्य के दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. राज्य में अधिकतम तापमान में अगले दो दिनों में 3 से 5 डिग्री से. की गिरावट हो सकती है. पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन और आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. वहीं रांची और बोकारो जिले में कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी दर्ज की गयी. सबसे अधिक वर्षा 32.4 एमएम प. सिंहभूम में दर्ज किया गया. उच्चतम तापमान 34.6 डिग्री से. डालटनगंज में दर्ज किया गया.

19 मार्च को राजधानी में चलेगी 40-50 किमी की रफ्तार से तेज हवा

सोमवार को राज्य के दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. इस दौरान कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवाओं का झोंका अधिकतम गति 30-40 किमी/घंटे के साथ वज्रपात होने की संभावना है. इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है. वहीं 19 मार्च के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. मंगलवार को गुमला, खूंटी, रांची, सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा के साथ ओलावृष्टि होने की संभावना है. इसके साथ कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज़ हवाओं का झोंका (अधिकतम गति 40-50 किमी/घंटे) के साथ वज्रपात होने की संभावना है. 20 और 21 मार्च को भी राज्य में कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. इस दौरान कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवाओं का झोंका (अधिकतम गति 30-40किमी/घंटे) के साथ वज्रपात होने की संभावना है.

शहर का मौसम

जिला	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.7	18.6
जमशेदपुर	33.3	20.2
डालटनगंज	33.8	18.7
बोकारो	31.6	19.1
चाईबासा	33.8	19.6
देवघर	33.5	19.1
गिरिडीह	32.6	19.0
गढ़वा	32.6	17.3
लोहरदगा	29.9	16.7
गोड्डा	34.7	18.6

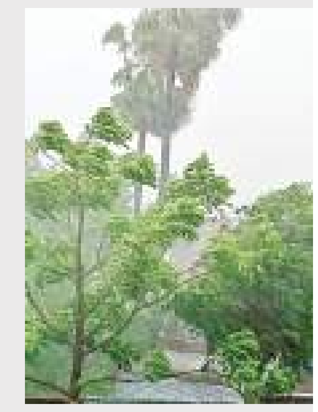

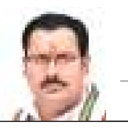

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चंद्रमा मानसिक तनाव दे सकता है. भाई का सहयोग प्राप्त होगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. लाभ में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा. लाल फूल दुर्गा माता को अर्पण करें.

वृषभ किसी अपरिचित से विवाद हो सकता है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. धन का आगमन होगा. मान-सम्मान मिलेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. व्यापार लाभदायक रहेगा. निवेश शुभ रहेगा. नेत्र रोग से बचें. सूर्य को अर्घ्य दें.

मिथुन समय अच्छा है, पर दिल दिमाग मे कुछ गलत भावना भी उत्पन्न होगी. व्यापार लाभदायक रहेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा. मानसिक बेचैनी रहेगी. सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी.

कर्क खान पान पर या किसी कुटुम्ब पर खर्च अधिक होगा. यात्रा का भी मन बनेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. समय की अनुकूलता का लाभ लें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. दुर्गा माता को लाल फूल का अर्पण करें.

सिंह किसी से उलझन होगा. उससे बचना होगा. यह बाद में हानि कर सकता है. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा.

कन्या कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती हैं. विवाद को बढ़ावा न दें. बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें. किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है. मेहनत अधिक होगी. शनि को खुश करें. काली वस्तु का दान करें.

तुला धार्मिक यात्रा का योग बन रहा है. भोग विलास से दूर रहें. धर्म में मन लगेगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं. चिंता तथा तनाव रहेंगे. बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें.

वृश्चिक किसी से विवाद हो सकता है. फालतू खर्च होगा. अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं. परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा. व्यवसाय ठीक चलेगा.

धनु व्यावसायिक यात्रा की योजना बनेगी, जिसका लाभ भी मिलेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा.

मकर समय अनुकूल है, पर मौसम के रोग से बचें. आय में वृद्धि होगी. लाभ में वृद्धि होगी. कारोबार में वृद्धि होगी. शेयर मार्केट से लाभ होगा. व्यापार ठीक चलेगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें.

कुंभ किसी मित्र से विवाद भी हो सकता है. संतान को लाभ होगा. व्यापार लाभदायक रहेगा. कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है. नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं. कार्यसिद्धि होगी. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. शनि चालीसा का पाठ करें.

मीन बहस से बचें. बेरोजगारी को दूर करने का प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी पर आज बचे. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा. समय अनुकूल है. माता की सेवा करें.

सामूहिक विवाह: एक -दूजे के हुए 101 जोड़े

गुमला। शहर से सटे तेलगांव में नवयुवक संघ तेलगांव की ओर से आयोजित चतुर्थ सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 101 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ, तो इनके चेहरे खुशी से खिल उठे. महिला-पुरुष किसी और की शादी समारोह में शामिल होने नहीं बल्कि खुद की शादी की सजी महफिल में भाग लेने आए थे. इस विवाह कार्यक्रम में जोड़ों की शादी सरना विधि से संपन्न कराई गई. शादी समारोह को लेकर तेलगांव का दिनभर अलग ही नजारा दिखा. ढोल-मांदर की थाप पर थिरकते युवक-युवतियों का समूह और विवाह के सहभागी बनने उमड़े जनसैलाब का हुजूम के बीच चौथे साल भी सामूहिक विवाह का यह कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस बार के विवाह समारोह में पश्चिम बंगाल से भी नव युवक युवतियों की जोड़ी शामिल हुई थी.

सिंहभूम लोकसभा सीट

जनता पार्टी व झामुमो ने एक-एक चुनाव जीता, कभी झारखंड पार्टी का रहा था गढ़

अब भाजपा-कांग्रेस में होती है टक्कर

कुल मतदाता 14,32,934

महिला 6,33,132 | पुरुष 6,34,972

ट्रांसजेंडर : 07

प्रवीण कुमार। रांची

ब्रिटिश शासन काल में भी सिंहभूम का वजूद एक जिला के रूप में रहा था. सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र की बात करें, तो इसमें सरायकेला-खरसावां, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर और चक्रधरपुर विधानसभा सीटें शामिल हैं. इनमें से एक पर कांग्रेस और बाकी पर झामुमो का कब्जा है. इस संसदीय क्षेत्र से पहली बार अलग झारखंड की मांग करनेवालों पर गोली चली थी, जिसे खरसांवा गोलीकंड के रूप में जाना जाता है. यह इलाका आंदोलनकारियों का गढ रहा है. कभी अलग झारखंड राज्य, तो कभी स्थानीय बेरोजगारों को माइंस में नौकरी देने, तो कभी जंगल पर आदिवासियों के अधिकार को लेकर इलाके में आंदोलन होते रहे, आठ सितंबर, 1980 गुवा गोलीकांड की पूरे देश में चर्चा हुई थी. कभी यह लोकसभा क्षेत्र झारखंड पार्टी का गढ़ हुआ करता था. लेकिन अब यहां के मतदाता किसी एक पार्टी या उम्मीदवार पर लगातार भरोसा नहीं दिखाते हैं. यही वजह है कि इस सीट पर कोई भी पार्टी दावे के साथ जीत का दावा नहीं कर सकती है. 2019 में गीता कोड़ा ने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में जीत का पताका लहराया था. हालांकि गीता ने हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया. गीता को भाजपा ने अपना लोकसभा प्रत्याशी भी बना दिया है. वहीं यहां से इंडिया गठबंधन के घटक झामुमो का उम्मीदवार खड़ा किये जाने की संभावना है.

पांच बार कांग्रेस व चार बार भाजपा ने जमाया कब्जा

- 1967 और 2009 का चुनाव जीत चुके हैं निर्दलीय
- 1991 के चुनाव में झामुमो ने पहली बार जीती थी सीट

1957 में हुआ था सिंहभूम लोकसभा का पहला चुनाव, झापा जीती थी

सिंहभूम लोकसभा सीट पर पहली बार 1957 में लोकसभा चुनाव हुआ था. 1957 में हुए चुनाव में यहां से झारखंड पार्टी ने जीत दर्ज की. शंभू चरण ने 51.80 मत प्राप्त किया था, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर सीढ़ियां हेंब्रम ने 15.7 % मत प्राप्त किया था.

- **1962 में झारखंड पार्टी ने सीट पर कब्जा बरकरार रखा :** 1962 में हुए लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी ने ही जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार झारखंड पार्टी ने अपने उम्मीदवार को बदल दिया था. इस बार यहां से हरिचरण सोय ने इस सीट पर जीत दर्ज की. उन्हें कुल 29.6 % मत मिले थे कांग्रेस के लाखो बोदरा को 26.5 % मत प्राप्त हुए थे.
- **1967 में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे :** 1967 के लोकसभा चुनाव में यहां से निर्दलीय प्रत्याशी के बिरजू विजयी हुए थे. उन्हें 21.8 % वोट मिले थे, जबकि भारतीय जनसंघ को 19.3 %, कांग्रेस को 16.7% और संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी को 16.5 % वोट मिले थे.
- **1971 में झारखंड पार्टी ने चुनाव जीता :** 1971 की हुए लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी ने इस सीट पर जीत दर्ज की थी. झारखंड पार्टी के प्रत्याशी मोरन सिंह पूर्ति को 38.9 % वोट मिले थे, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर देवेंद्र नाथ चांपिया को 24.3 % वोट मिले थे.
- **1977 में झारखंड पार्टी ने उम्मीदवार बदला, जीत दर्ज की :** 1977 के लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी ने उम्मीदवार बदल कर बागुन सुंब्रुई को चुनाव में उतारा. सुंब्रुई को 70 % वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़े मोहन सिंह पूर्ति को 13.5 % वोट ही मिले थे.
- **1980 में जनता पार्टी ने दर्ज की जीत :** 1980 के लोकसभा चुनाव में सिंहभूम लोकसभा सीट जनता पार्टी ने जीती. यहां से बागुन सुंब्रुई ने 31.20 % वोट प्राप्त कर कांग्रेस प्रत्याशी को हराया. कांग्रेस प्रत्याशी को 21.4 % वोट मिले थे.
- **1984 में पहली बार कांग्रेस ने जीत का स्वाद चखा :** 1984 में पहली बार कांग्रेस ने बागुन सुंब्रुई को प्रत्याशी बनाया और सिंहभूम सीट जीता. कांग्रेस को 42.6 % वोट मिले, जबकि निर्दलीय के तौर पर देवेंद्र मांझी को 17.7 %, झारखंड मुक्ति मोर्चा को 8.6 % और भाजपा को 8.3 % वोट मिले थे.
- **1989 में कांग्रेस प्रत्याशी बागुन सुंब्रुई दुबारा विजयी हुए :** 1989 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने ही यहां से जीत दर्ज की. बागुन सुंब्रुई को 29. 3 % वोट मिले थे, जबकि जनता दल प्रत्याशी को 22.4 %, झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रत्याशी को 22 % वोट मिले थे.
- **1991 में पहली बार यहां झामुमो प्रत्याशी जीता :** 1991 में हुए लोकसभा चुनाव में इस सीट से झारखंड मुक्ति मोर्चा के कृष्णा मार्डी ने 35.30 % वोट प्राप्त कर इस सीट पर कब्जा जमाया था, जबकि कांग्रेस के विजय सिंह सोय को 21.8 % और भाजपा को 20 % वोट मिले थे.
- **1996 में पहली बार भाजपा ने सिंहभूम सीट जीती :** 1996 के लोकसभा चुनाव में सिंहभूम सीट से भाजपा के चंद्रसेन सिंकू विजयी हुए. उन्हें 20.1 % वोट मिले थे. जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रत्याशी को 12.5 % और कांग्रेस प्रत्याशी को 11.2 % वोट मिले थे.
- **1998 में कांग्रेस प्रत्याशी ने कब्जा जमाया :** 1998 केकी लोकसभा चुनाव में एक बार फिर सिंहभूम सीट पर कांग्रेस ने कब्जा किया. कांग्रेस के विजय सिंह सोय को 35.4 %वोट मिले,. जबकि भाजपा को 33.4 % वोट मिले. झारखंड मुक्ति मोर्चा को 23.7% वोट मिले.
- **1999 में कांग्रेस को हरा कर भाजपा जीती :** 1999 के लोकसभा चुनाव में भाजपा चुनाव जीती. हालांकि इस बार भाजपा ने अपना उम्मीदवार बदला और लक्ष्मण गिलुआ को इस सीट से मैदान में उतारा था. भाजपा को 1999 के चुनाव में कुल 45.9 % वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को 30.9 और झारखंड मुक्ति मोर्चा को 14.8 % वोट मिले थे.
- **राज्य गठन के बाद हुए चुनाव में कांग्रेस जीती :** झारखंड बंटवारे के बाद 2004 के चुनाव में सिंहभूम सीट फिर कांग्रेस के कब्जे में चली गयी. यहां से बागुन सुंब्रुई ने जीत दर्ज की. कांग्रेस को 42.6 % वोट मिले, भाजपा के लक्ष्मण गिलुआ को 31.20 % वोट मिले, जबकि आजसू पार्टी के प्रत्याशी को 14 % वोट मिले.
- **2009 में हुए चुनाव में निर्दलीय मधु कोड़ा जीते थे :** 2009 में लोकसभा चुनाव में इस सीट से निर्दलीय उम्मीदवार मधु कोड़ा विजयी हुए. जबकि भाजपा ने अपने उम्मीदवार को बदलकर बड़कुंवप गागराई को मैदान में उतारा. भाजपा को 28.8 % वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को 16.5 % वोट मिले थे.
- **2014 में भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण गिलुआ विजयी हुए :** 2014 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण गिलुआ ने जीत हासिल की. इस बार भाजपा ने यहां से 38.8 % वोट प्राप्त किया, जबकि जय भारत समता पार्टी की गीता कोड़ा ने 27.1 % वोट प्राप्त किया था.
- **2019 में कांग्रेस के टिकट से गीता कोड़ा विजयी हुई :** 2019 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर कांग्रेस की गीता कोड़ा ने जीत दर्ज की. गीता कोड़ा को 49.8 % वोट मिले, जबकि भाजपा को 40.9 % वोचट मिले. अब गीता कोड़ा भाजपा में शामिल हो गई हैं और पार्टी ने उन्हें प्रत्याशी भी बना दिया है.

झामुमो का पेशा ही राज्य को उलझा कर रखना : सुदेश महतो

संवाददाता। रांची

नामकुम के सिदरौल स्थित कवाली स्टेडियम में आजसू पार्टी के रांची लोकसभा क्षेत्र के ग्राम प्रभारियों के सम्मेलन में चुनावी रणनीति तैयार की गयी. सम्मेलन को संबोधित करते हुए आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश कुमार महतो ने कहा विकास और राज्यहित शब्द झामुमो के शब्दकोश में है ही नहीं. झामुमो का पेशा राज्य को हर समय उलझाये रखना ही है. शासन-प्रशासन दोनों लूट के साझेदार बन गये हैं. झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षा में कथित तौर पर पेपर लीक की तस्वीरें सामने आ रही हैं, जो चिंता का विषय है. मानो राज्य के युवाओं का भविष्य बिगाड़ने का गंठबंधन सरकार ने संकल्प ले रखा है. इससे पहले एडमिट कार्ड के लिए अभ्यर्थी परेशान रहे, लेकिन जेपीएससी के किसी भी पदाधिकारी ने उनकी एक न सुनी. अभ्यर्थी आयोग के गेट से ही निराश लौट गये थे.

कार्यकर्ताओं को सरकार की गलत नीतियों को विरोध करने और आम लोगों तक गंठबंधन सरकार की नाकामियों को पहुंचाने के लिए प्रेरित किया. महतो ने कहा कि राज्य की जनता में यह विश्वास है कि आजसू पार्टी राज्य में बेहतर वातावरण बना सकती है. राजनीतिक बदलाव लाने के लिए जिद करने की आवश्यकता है. समय कम है, ऐसे में पार्टी की हर ईकाई और हर कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए जन आकांक्षाओं के अनुरूप एनडीए को सशक्त बनाने के लिए काम करना होगा. सम्मेलन में रांची लोकसभा क्षेत्र के सभी केंद्रीय पदाधिकारी, जिला के सभी प्रखंड प्रभारी और रांची लोकसभा क्षेत्र की सभी इकाइयों के प्रभारी शामिल हुए.

झारखंड राज्यस्तरीय अंडर-15 व अंडर-20 कुश्ती प्रतियोगिता संपन्न

350 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया

- चयनित पहलवान जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे

संवाददाता। रांची

मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में अंडर-15 और अंडर-20 जूनियर राज्यस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में पूरे जिले से 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में चयनित पहलवान जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे. समापन समारोह में झारखंड राज्य कुश्ती संघ के महासचिव रजनीश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष बबलू कुमार समेत खेलप्रेमी मौजूद रहे.

पदक विजेता

अंडर-15

बालिका स्वर्ण पदक विजेता

एलिन इंदवर : 33केजी : गुमला, प्रियंका महतोः 36केजीः जेएसएसपीएस, आकांक्षा कुमारीः 39केजीः जेएसएसपीएस, प्राची कुजूरः 42केजीः जेएसएसपीएस, रिचा कुजुर्गः 46केजीः जेएसएसपीएस, खुशबू कुमारीः 50केजी : जेएसएसपीएस, सोनामुनी हेंब्रमः 54केजी : जेएसएसपीएस.

बालक फ्रीस्टाइल स्वर्ण पदक

अंकित राज इंदवार : 38केजी : गुमला, कमलेश कुमारः 41केजी : बोकारो , हिमांशु कुमारः 44केजी : जेएसएसपीएस, रोहित कुमारः 48केजी : लोहरदगा, संदीप कुमार : 52केजीः बोकारो, आकाश केरकेट्टाः 57केजीः गुमला, सोनू कुमारः 62केजीः साहिबगंज, आशीष कुमार साहूः 68केजीः गुमला, राजू यादवः 75 केजी : साहिबगंज.

बालक ग्रीको रोमन स्वर्ण पदक

अनूप कुमार : 38केजी : जेएसएसपीएस, आयुष राजः 41केजी : रांची , हिमांशु कुमारः 44केजीः जेएसएसपीएस, करण कुमारः 48केजीः जेएसएसपीएस, धनेश्वर यादवः 52केजीः लोहरदगा, वीरेंद्र प्रधानः 57केजी : जेएसएसपीएस, कुणाल कुमारः 62केजीः साहिबगंज, चंदन कुमारः 68केजीः बोकारो, आयुष सिंह : 75केजीः धनबाद, आसींत कुमारः 85केजीः कोडरमा

अंडर-20

बालिका वर्ग स्वर्ण पदक

पूनम उरांव :50 केजी : जेएसएसपीएस, नेहा मरांडी:53केजीः जेएसएसपीएस, नेहा उरांव : 55केजीः जेएसएसपीएस, कुमकुम कुमारीः 57केजीः जेएसएसपीएस, सिमरन विल्सनः 59केजीः जेएसएसपीएस, जोसिडा तिग्गाः 62केजीः लातेहार, पूजा रानीः 72केजीः रांची

लोस चुनाव

झारखंड में कुल मतदाताओं की संख्या दो करोड़ 55 लाख 18 हजार 642

झारखंड में 22,33,738 वोटर पहली बार डालेंगे वोट

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में कुल मतदाताओं की संख्या दो करोड़ 55 लाख 18 हजार 642 है. इसमें 22,33,738 वोटर पहली बार वोट डालेंगे. पहली दफा वोट डालनेवालों में पुरुष मतदाताओं की संख्या 10,93,718 है, जबकि महिला वोटरों की संख्या 11,39,960 है. पहली बार वोट डालनेवाले थर्ड जेंडर की संख्या 60 है. राज्य में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 29,521 है. 2024 में आठ विधानसभा क्षेत्र में 95 नये मतदान केंद्र बनाये गये हैं. राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि आठ विधानसभा क्षेत्र के 38 मतदान केंद्र नजदीक के मतदान केंद्रों में शिफ्ट किए गए हैं. 85 साल से उपर के मतदाताओं के आग्रह पर उन्हें होम वोटिंग की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी. वेबकास्टिंग के माध्यम से सभी मतदान केंद्रों की निगरानी की जाएगी.

फैक्ट फाइल : चुनाव से जुड़े तथ्य

- झारखंड में कुल वोटर : दो करोड़ 55 लाख18 हजार 642
- पुरुष मतदाता : एक करोड़ 29 लाख 97 हजार 325
- महिला मतदाता- एक करोड़ 25 लाख 20 हजार 910
- थर्ड जेंडर- 407
- ओवर सीज वोटर- 123
- पीडब्ल्यूडी वोटर- 3 लाख 60 हजार 091
- 18 से 19 साल के वोटर- आठ लाख आठ हजार 371
- 80 साल से उपर के वोटर- तीन लाख 22 हजार 709
- 85 साल से उपर के वोटर- एक लाख 39 हजार 445
- सर्विस वोटर- 44377

किस लोकसभा में कितने मतदाता

- राजमहल- 1682239
- दुमका-1570380
- गोड्डा- 1995192
- चतरा-1669806
- कोडरमा-2184116
- गिरिडीह- 1840296
- धनबाद- 2554445
- रांची-2162169
- जमशेदपुर- 1841846
- सिंहभूम- 1432934
- खूंटी- 1312261
- लोहरदगा- 1427022
- पलामू- 2227365
- हजारीबाग- 1918791
- कुल मतदाता- 25518642

फिल्म डेवलपमेंट काउंसिल ऑफ झारखंड के सदस्य बने बोकारो के जनार्दन झा

बोकारो। बोकारो के चंदनकियारी निवासी बॉलीवुड अभिनेता जनार्दन झा को फिल्म डेवलपमेंट काउंसिल ऑफ झारखंड का सदस्य बनाया गया. इससे चंदनकियारी समेत पूरे बोकारो जिले में खुशी की लहर है. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग झारखंड सरकार के विशेष सचिव ने अधिसूचना जारी की है, जिसमें 24 सदस्यीय इस परिषद में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव को अध्यक्ष तथा झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को सदस्य सचिव बनाया गया है. बाकी 22 सदस्यों में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक तथा झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के लीगल हेड के अलावा राज्य के अलग-अलग जगह के कलाकारों को शामिल किया गया है.

पेज एक का शेष

छत्तीसगढ़ के नक्सली समेत...

इन नक्सलियों के खिलाफ टोंटो थाना में 7 एवं जेटेया थाना में मामला दर्ज है. सभी मामले धारा-147/148/149/333/353/307 भादवी, 3/4 विसफोटक पदार्थ अधिनियम, 17 सीएलए एक्ट, 10/13/15/16/20 यूएपी एक्ट एवं 4/6 लोक सम्पति नुकसान निवारण अधिनियम से जुडा.है.

बरामद हथियारों व समानों में एक 303 राइफल व मैगजीन, 67 राउंड कारतूस, 11 पीस 303 चार्जर, 60 किलो विस्फोटक 60 किलोग्राम, 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट (यूरिया), 197 सिरिंज मैकेनिज्म, 27 तीर बम, 4 पाइप बम (05 किग्रा), 19 सिरिंज मैकेनिज्म इम्प्रोवाइस, 27 सुतुली बम, एक प्लास्टिक डिब्बा जिसमें विस्फोटक पदार्थ 1 किलोग्राम, 7 पिट्टू बैग, 9 विस्फोटक कंटेनर, 1 वायलेस सेट-1,नक्सल साहित्य, नोट बुक, पेन ड्राईव, मेमोरी कार्ड, बैटरी, स्क्रू ड्राइवर, हैकसॉ ब्लेड, सीपीयू कूलिंग फैन, मेटल कटर, ड्रिल मशीन (इलेक्ट्रिक),ड्रिल मशीन (बिट), खुदाई करने वाला औजार, डेटा केबल, बैटरी क्लिप, 200 मीटर कमांड वायर, 20 फीट मलटी तार (डेटोनेटर के लिए उपयोग), राइफल स्लिंग, इलेक्ट्रिक टेप, पयूशन कैप इग्निटर, कॉर्डटेक्स वायर, मोटर मैकेनिज्म, जीवनरक्षक दवाइयां व अन्य दैनिक उपयोग की सामान बरामद किये गये हैं.

पुलिस अधीक्षक ने बताया की प्रतिबंधित नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है, जिसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा 209, 203, 205, झारखण्ड जगुआर एवं सीआरपीएफ 60, 197, 157, 174, 193, 134, 26, 190, 11 बटालियन की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है.

लोकतंत्र के महापर्व के बीच

चुनावी चंदे पर मचे घमासान के बीच चुनावों के एलान के साथ ही सत्ता की दावेदारी के लिए राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है. सात चरणों के चुनाव को ले कर कुछ सवाल जरूर उठाए जा रहे हैं और झारखंड जैसे 14 सीटों वाले राज्य में चार चरणों के औचित्य भी पूछे गए है. इसके साथ ही बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार, जिनकी केंद्रीय सत्ता के लिए जनादेश देने में अहम भूमिका है, में सात और पांच चरणों में चुनाव को ले कर भी संशय व्यक्त किया गया है. इलेक्टोरल बॉण्ड्स, सीएए के साथ विभिन्न राजनीतिक दलों की गारंटियों के शोर में 95 करोड़ मतदाता जनादेश देंगे. इन्हीं साधारण लोगों के जीवन-स्तर में सुधार की तस्वीर को ले कर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जारी मानव विकास रपट की चर्चा जरूरी है. ताकि यह समझा जा सके कि जिस विकसित भारत का सपना दिखाया जा रहा है, उसकी हकीकत क्या है. मानव विकास रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार 2022 में भारत के स्थान में एक अंक का सुधार आया है और यह एक सौ तिरानबे देशों की सूची में एक सौ चौंतीसवें पायदान पर पहुंच गया है. उल्लेखनीय सुधार लैंगिक असमानता सूचकांक के मामले में आई है, जिसमें 2022 में भारत एक सौ आठवें स्थान पर रहा. 2021 में भारत को इस मामले में एक सौ बाईसवें पायदान पर जगह मिली थी. किसी भी देश में आम लोगों के जीवन-स्तर में आई बेहतरी से ही यह आंका जाना चाहिए कि वहां सरकार की ओर से जनता की जीवन-स्थितियों में सुधार के किए वादे पर वास्तव में कितना काम हुआ. भारत में पिछले कई वर्षों से राजनीतिक बहसें और चुनावी मुद्दे के रूप में विकास एक बड़ा मुद्दा रहा है. बावजूद यह सवाल तो पूछा ही जाता रहा है कि क्या सचमुच साधारण लोगों के जीवन-स्तर में कोई सुधार हुआ है. आए दिन अर्थव्यवस्था से लेकर अन्य कई मोर्चों पर बेहतरी की तस्वीर पेश की जाती है, मगर सवाल है कि इस सबसे क्या सचमुच साधारण लोगों के जीवन-स्तर में कोई सुधार हुआ है, जीने के लिए अनिवार्य सुविधाओं तक समाज के सबसे कमजोर तबके की पहुंच सुनिश्चित हुई है? संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी मानव विकास रपट, 2023-24 के मुताबिक 2022 में भारत के स्थान में एक अंक का सुधार आया है और यह 193 देशों की सूची में 134वें चौंतीसवें पायदान पर पहुंच गया है. हालांकि सूची में शामिल कुल देशों की संख्या के लिहाज से यह कोई बड़ा अंतर नहीं है, लेकिन बेहतरी की तस्वीर को देखते हुए भविष्य के लिए उम्मीद जरूर पैदा होती है. 2021 में भारत को इस मामले में एक सौ बाईसवें पायदान पर जगह मिली थी. हालांकि श्रमबल में भागीदारी की कसौटी पर देखें तो 76.1 फीसद पुरुषों के मुकाबले महज 28.3 फीसद महिलाओं की. मौजूदगी अब भी बड़े लैंगिक अंतर को दर्शाता है. इसके अलावा, औसत के आधार आकलन में कई बार अलग-अलग सामाजिक वर्गों के बीच हाशिये के तबकों की वास्तविक स्थिति का आकलन सामने नहीं आ पाता. फिर भी मानव विकास सूचकांक के संकेतकों पर जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में बेहतरी आई है.

> भारत में पिछले कई वर्षों से राजनीतिक बहसें और चुनावी मुद्दे के रूप में विकास एक बड़ा मुद्दा रहा है. बावजूद यह सवाल तो पूछा ही जाता रहा है कि क्या सचमुच साधारण लोगों के जीवन-स्तर में कोई सुधार हुआ है.

सुभाषित

न व्याधिर्न विषं नापत तथा नाधिश्च भूतले।
खेदय स्वशरीरस्थं मौख्यमेकम् यथा नृणाम्।।

इस संसार में सभी दुःखों के मूल में अपनी मूर्खता ही होती है. अपनी मूर्खता जितना दुःख पहुंचाती है, उतना दुःख कोई व्याधि, विष, कोई आपत्ति तथा मानसिक व्याधि नहीं पहुंचा पाती. इसलिए अपनी मूर्खता पर ही नियंत्रण के उपाय किये जाने चाहिए.

मोदी की गारंटी बनाम राहुल का न्याय

लोकसभा चुनावों के लिए देश में दो तरह के मुद्दे हैं. सत्तारूढ़ भाजपा का विकसित भारत और मोदी की गारंटी का नारा तो दूसरी तरफ कांग्रेस के पांच न्याय. 14 जनवरी से शुरू हुई राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में कांग्रेस आम लोगों के लिए तरह-तरह के न्याय की घोषणाएं की जा रही हैं. हालांकि पस्त कांग्रेस संगठन इसे जन-जन तक कैसे पहुंचाएगा, यह एक बड़ी चुनौती है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

विकसित भारत और मोदी की गारंटी, जिसे खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने एक नारे के रूप में हाल ही में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में गढ़ा था और अब भाजपा ने उसे लोकसभा चुनावों के लिए अपना मुख्य नारा बना लिया है. इस सबसे उत्साहित भाजपा ने अबकी बार एनडीए के लिए चार सौ पार का नारा भी दे दिया है. खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के लिए 370 और एनडीए के लिए चार सौ से ज्यादा सीटों का लक्ष्य तय किया है. इसके लिए भाजपा को मोदी की लोकप्रियता, जनता में उनकी विश्वसनीयता, मोदी सरकार की उपलब्धियां, राम मंदिर की लहर और विपक्षी गठबंधन में बिखराव और निराशा से बन रही भाजपा की तीसरी लगातार विजय की अवधारणा से काफी उम्मीदे हैं. विपक्ष के खासकर कांग्रेस के कुछ नेताओं के पाला बदलने की घटनाओं ने भी भाजपा और एनडीए को उत्साहित कर दिया है.

उधर कांग्रेस को राहुल गांधी की मणिपुर से मुंबई तक की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए मोदी सरकार के खिलाफ उसके मुद्दों को मिलने वाली धार और बचे खुचे विपक्षी इंडिया गठबंधन की ताकत के जरिए भाजपा को चुनावों में पराजित करने का भरोसा है. पंजाब से दिल्ली कूच का नारा देकर फिर दिल्ली की सरहदों पर धावा बोलने वाले किसानों के साथ सरकार के टकराव और राहुल गांधी की यात्रा में उमड़ने वाली भीड़ ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को वो सियासी ऑक्सीजन दी है, जिससे वह सत्ताधारी भाजपा गठबंधन के सामने चुनाव में खड़े हो सकें. लेकिन जिस ढीले ढाले तरीके से विपक्षी दलों की अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी है, उससे लगता है कि जैसे वह चुनाव लड़ने की जगह भाजपा को वॉक ओवर दे रहे हैं. जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धुआंधार दौरे करते हुए शिलान्यास और उद्घाटनों की झड़ी लगा रहे हैं. हजारों करोड़ रुपयों की परियोजनाओं की घोषणा कर रहे हैं. उनके सरकारी कार्यक्रमों में भी चुनावी प्रचार की कवायद है.

इधर, राहुल गांधी न्याय योजना पर अब खुल कर घोषणाएं कर रहे हैं. आधी आबादी से लेकर युवाओं तक, पिछड़ों-अतिपिछड़ों से लेकर आदिवासियों तक के लिए अलग-अलग घोषणाएं की जा रही हैं. गरीब सवर्णों के लिए भी राहुल गांधी चिंतित हैं. जातीय जनगणना करवा कर देश की सेहत का एक्सरे करवाना राहुल गांधी का मुख्य एजेंडा है. गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनावों में भी कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में एक न्याय योजना का ऐलान किया था, जिसके तहत गरीबों को साल में 72 हजार रुपए यानी प्रति माह छह हजार रुपए देने की घोषणा की गई थी. बताया जाता है कि इस न्याय योजना के शिल्पकार खुद राहुल गांधी थे, जिसे उन्होंने रघुराम राजन जैसे अर्थशास्त्रियों के साथ गहन विचार विमर्श के बाद तैयार करवाया था. इसके जवाब में भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में किसान सम्मान निधि के रूप में किसानों को सालाना छह हजार रुपए यानी पांच सौ रुपए हर महीने देने का वादा किया. चुनावों में कांग्रेस की न्याय योजना वह कमाल नहीं कर सकी, जिसकी उम्मीद कांग्रेस को थी. लेकिन न्याय योजना को लेकर कांग्रेस विशेषकर राहुल गांधी का आग्रह अभी भी बरकरार है. इसीलिए उनकी यात्रा को भारत न्याय यात्रा का नाम देकर इसका लक्ष्य जनता को आर्थिक न्याय सामाजिक न्याय और राजनीतिक न्याय दिलाना बनाया गया है. इसे और स्पष्ट करते हुए कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रभारी जयराम रमेश कहते हैं कि आर्थिक न्याय के तहत देश में बढ़ रही आर्थिक विषमता और कुछ चुनिंदा उद्योग घरानों को ही दिए जाने वाले सारे लाभ का मुद्दा उठाया जाएगा. सामाजिक न्याय के तहत समाज के पिछड़े दलित आदिवासी महिलाओं और वंचित वर्गों को उनकी आबादी के मुताबिक शासन प्रशासन में हिस्सेदारी देने और उसके लिए जातीय जनगणना कराने के सवाल को जनता के बीच ले जाया जाएगा. जबकि राजनीतिक न्याय का मतलब देश में लोकतंत्र संविधान संघवाद और संवैधानिक संस्थाओं व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बचाना है. लेकिन कांग्रेस के ये पांचों न्याय आम जनता को कितना प्रभावित करेंगे, यह एक ऐसा सवाल है जिसका जवाब लोकसभा चुनावों के नतीजों से ही मिल सकेगा. लेकिन आम धारणा है कि कांग्रेस अपनी बात जनता तक सही तरीके से पहुंचा ही नहीं पाती है, जबकि भाजपा सभी साधनों का इस्तेमाल करके अपनी बात अपना नैरेटिव लोगों तक सफलता पूर्वक ले जाती है. इसके लिए नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बीच भाषण और संवाद शैली का अंतर भी प्रमुख कारण है. जबकि कांग्रेस को इसे लेकर मुख्यधारा के मीडिया से गंभीर शिकायत है. कांग्रेस का कहना है कि मीडिया जितनी जगह और समय भाजपा और नरेंद्र मोदी को देता है, उसका दस फीसदी भी कांग्रेस और उसके नेताओं को नहीं देता. इसलिए कांग्रेस की बात लोगों तक नहीं पहुंच पाती है. इसीलिए कांग्रेस ने मुख्यधारा के मीडिया के मुकाबले सोशल मीडिया और यूट्यूब चैनलों के जरिए अपनी बात पहुंचाने का रास्ता चुना है. इससे उसे लोगों तक अपनी बात ले जाने में कामयाबी भी मिली है.

अब जबकि लोकसभा चुनावों की घोषणा किसी भी वक्त हो जाएगी, तब सीटों के बंटवारे और चुनावी प्रचार के लिए बहुत कम समय बचा है. बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, तमिलनाडु, प.बंगाल वे राज्य हैं, जहां कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों के साथ समझौते में चुनाव लड़ना है. जबकि मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उड़ीसा, गोवा, असम, मेघालय, अरुणाचल, मिजोरम, मणिपुर, हरियाणा, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश में ज्यादातर उसे अकेले ही चुनाव लड़ना है. असम और पूर्वोत्तर के राज्यों में कहीं कुछ क्षेत्रीय दलों से समझौता हो सकता है. इसलिए अगर कांग्रेस को भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन से मुकाबला करना है तो उसे गठबंधन वाले राज्यों में जल्दी से जल्दी व्यावहारिक सीट साझेदारी करनी होगी और जहां अकेले लड़ना है वहां जल्दी से जल्दी उम्मीदवारों की घोषणा करके उन्हें चुनाव में जुट जाने देना होगा. कांग्रेस को दक्षिण भारत से काफी उम्मीद है. उसे लगता है कि कर्नाटक, तेलंगाना और केरल में उसे इस बार खासी सफलता मिलेगी, जबकि तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में भी उसकी कुछ सीटें आ सकती हैं. केरल में कांग्रेस को अपने इंडिया गठबंधन के सहयोगी वाम मोर्चे के साथ ही मुकाबला करना होगा. कमोबेश यही स्थिति पंजाब में भी होनी है, जहां कांग्रेस आम आदमी पार्टी और अकाली दल का तिकोना मुकाबला हो सकता है. मैदान में भाजपा भी होगी, लेकिन उसकी ताकत पंजाब में बेहद कम है और हाल ही में शुरू हुए किसान आंदोलन ने भी भाजपा के लिए इस सूबे में चुनौती बढ़ा दी है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सम्यक निष्ठा

उपवन में नए सुन्दर सलौने पौधे को आया पाकर एक पुराना पौधा उदास हो जाता है. गहरा निश्वास छोड़ते हुए कहता है, "अब हमें कोई नहीं पूछेगा अब हमारे प्रेम के दिन लद गए, हमारी देखभाल भी न होगी." युवा पौधे को इस तरह बिसूरते देख पास खड़े अनुभवी प्रौढ़ पेड़ ने कहा, "इस तरह विलाप-प्रलाप उचित नहीं हैं और न ही नए पौधे से ईर्ष्या करना योग्य है." युवा पौधा आहत स्वर में बोला, "तात! पहले माली हमारा कितना ध्यान रखता था, हमें कितना प्यार करता था. अब वह अपना सारा दुलार उस नन्हे पौधे को दे रहा है. हमारी तरफ तो आँख उठाकर भी नहीं देखता." प्रौढ़ पेड़ ने समझाते हुए कहा, "वत्स! तुम गलत सोच रहे हो, बागवान सभी को समान स्नेह करता है. वह अनुभवी है, उसे पता है कब किसे अधिक ध्यान की आवश्यकता है. वह अच्छे से जानता है, किसे देखभाल की ज्यादा जरूरत है और किसे कम." युवा पौधा अब भी नाराज़ था, बोला- "नहीं तात! वह सब को एक नज़र से नहीं देखता." अनुभवी पेड़ ने गम्भीरता से कहा- "नहीं, वत्स! ऐसा कहकर तुम माली के असीम प्यार व अवदान का अपमान कर रहे हो. याद करो! बागवान हमारा कितना ध्यान रखता था. उसके प्यार दुलार के कारण ही आज हम पल्लिवत, पोषित, बड़े हुए है. हरे भरे और तने खड़े हैं. उसी के अथक परिश्रम से आज हम इस योग्य है कि हमें विशेष तवज्जो की जरूरत नहीं रही. तुम्हें माली की नजर में वात्सल्य न दिखे, किन्तु हम लोगों को सफलता से सबल बना देने का गौरव, उसकी आंखों में महसूस कर सकते हो. वत्स! अगर माली का संरक्षण व सुरक्षा हमें न मिलती तो शायद बचपन में ही पशु-पक्षी हमारा निवाला बना चुके होते या नटखट बच्चे हमें नोंच डालते. हम तो नादान थे, पोषण पानी की हमें कहां सुध-बुध थी, होती तो भी कहां हमारे पैर थे जो भोजन पानी खोज लाते? हम तो जन्मजात मूक है, क्षुधा-तृषा बोलकर व्यक्त भी नहीं कर सकते. वह माली ही था जिसने बिना कहे ही हमारी भूख-प्यास को पहचाना और तृप्त किया. उस पालक के असीम उपकार को हम कैसे भूल सकते है." युवा पौधा भावुक हो उठा- "तात! आपने मेरी आखें खोल दीं. मैं सम्वेदनाशून्य हो गया था. आपने यथार्थ दृष्टि प्रदान की है. मुझे माफ कर दो." युवा पौधा प्रायश्चित का उपाय सोचने लगा, अगले ही मौसम में फल आते ही वह झुक कर माली के चरण छू लेगा. दोनो ने माली को कृतज्ञ नजरों से देखा और श्रद्धा से सिर झुका दिया.

अफगान-प्रशासन के साथ जुड़ते भारत के तार

• देशांतर

प्रमोद जोशी

अरसे से हमारा ध्यान अफ़ग़ानिस्तान की ओर से हट गया है, पर पिछले गुरुवार को एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की तो एकबारगी नज़रें उधर गई हैं. चीन, रूस, अमेरिका और पाकिस्तान समेत विश्व समुदाय के साथ तालिबान के संपर्कों को लेकर भी उत्सुकता फिर से जागी है. तालिबानी सत्ता क़ायम होने के बाद भारत ने अफ़ग़ान नागरिकों को वीज़ा जारी करना बंद कर दिया है, लेकिन पिछले दो वर्षों में उसने आश्चर्यजनक तरीके से काबुल के साथ संपर्क स्थापित किया है. अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबानी शासन की स्थापना के बाद पिछले दो-ढाई साल में भारतीय अधिकारियों के दो शिष्टमंडल अफ़ग़ानिस्तान की यात्रा कर चुके हैं. जून, 2022 में काबुल में भारत का तकनीकी मिशन खोला गया, जो मानवीय कार्यक्रमों का समन्वय करता है. पिछले दिनों भारतीय विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी जेपी सिंह ने तालिबान के विदेशी मामलों को प्रभारी (वस्तुतः विदेशमंत्री) आमिर खान मुत्तकी तथा अन्य अफ़ग़ान अधिकारियों के साथ बातचीत की. प्रत्यक्षतः यह मुलाकात मानवीय सहायता के साथ-साथ अफ़ग़ान व्यापारियों द्वारा चाबहार बंदरगाह के इस्तेमाल पर भी हुई. तालिबान-प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय प्रतिनिधि ने अफ़ग़ान व्यापारियों को वीज़ा जारी करने के लिए जरूरी व्यवस्था करने का आश्वासन दिया है. इससे क़यास लगाया जा रहा है कि कंधार में भारत अपना वाणिज्य दूतावास खोल सकता है. अफ़ग़ानिस्तान ने कारोबारियों, मरीज़ों और छात्रों को भारत का वीज़ा देने का अनुरोध किया है. भारतीय प्रतिनिधियों ने अफ़ग़ान सरकार के वरिष्ठ सदस्यों के अलावा पूर्व राष्ट्रपति हामिद करज़ाई, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) के अधिकारियों और अफ़ग़ान-व्यापारियों से भी मुलाकात की. हामिद करज़ाई से मुलाकात महत्वपूर्ण है, क्योंकि अफ़ग़ानिस्तान की पिछली सरकार के वे सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं, जिन्होंने काबुल में रहना स्वीकार किया है. नवीनतम मुलाकात के बाद जारी अफगानिस्तान सरकार के एक बयान में कहा गया है कि जेपी सिंह और मुत्तकी ने सुरक्षा, व्यापार और नशीले पदार्थों का मुकाबला करने के तरीकों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की. मानवीय सहायता के लिए भारत का आभार व्यक्त करते हुए मुत्तकी ने कहा कि अफगानिस्तान भारत के साथ राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना चाहता है. उन्होंने अफगान व्यापारियों, मरीजों और छात्रों के लिए भारत द्वारा वीजा जारी करने की सुविधा प्रदान करने का आह्वान किया. दुनिया के शेष देशों की तरह भारत ने भी अभी तक तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी है, पर हाल में चीन जिस तरह से तालिबान सरकार को अनौपचारिक-मान्यता दी है, उसके बाद हमें भी विकल्पों पर विचार करना चाहिए. पश्चिम की आर्थिक पाबंदियों के कारण अफ़ग़ान नागरिकों के सामने संकट पैदा हो गया है. वहां जबर्दस्त बेरोज़गारी और भुखमरी है. अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का आकलन है कि वहां करीब एक करोड़ 30 लाख लोग (करीब 30 फीसदी जनसंख्या) जबर्दस्त खाद्य असुरक्षा के शिकार हैं. भारत-ईरान और अफगानिस्तान ने 2016 में एक त्रिपक्षीय समझौता किया था, जिसमें ईरान के रास्ते अफगानिस्तान तक कॉरिडोर बनाने की बात थी. भारत ने अफगानिस्तान को इस रास्ते से गेहूँ भेजकर इसकी शुरुआत भी की थी.रइस प्रोजेक्ट को उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर के साथ भी जोड़ने की बात है. अफगानिस्तान के ताजा घटनाक्रम के अलावा दो और तथ्य भारत की भूमिका को निर्धारित करेंगे. एक, भविष्य में ईरान के साथ हमारे रिश्तों की भूमिका और दूसरे इस क्षेत्र में चीन की पहलकदमी. ईरान की दिलचस्पी भी अफगानिस्तान में है. तालिबान के दृष्टिकोण में भी बदलाव आया है. उन्हें पता है कि भारत ने अफगानिस्तान के विकास में मदद की है, जिसकी आज उन्हें जरूरत है. भारत ने पिछले 20 वर्ष में अफगानिस्तान के इंफ्रास्ट्रक्चर पर करीब तीन अरब डॉलर का पूंजी निवेश किया है. सड़कों, पुलों, बांधों, रेल लाइनों, शिक्षा, चिकित्सा, खेती और विद्युत-उत्पादन की तमाम योजनाओं पर भारत ने काम किया है और जब भारत वहां से हटा था, तब काफी पर काम चल रहा था. इस बीच एक खबर ने दुनिया का ध्यान खींचा. गत 30 जनवरी को चीन ने चुपके से बिलाल करीमी को अफ़ग़ानिस्तान के राजदूत के रूप में स्वीकार कर लिया. चीन ने इसके फौरन बाद एक स्पष्टीकरण भी जारी किया कि राजदूत के परिचय पत्र को स्वीकार करने का मतलब देश के रूप में मान्यता देना नहीं है, पर स्पष्टीकरण और वास्तविकता में मेल नहीं है. एक तरह से चीन ने तालिबान-प्रशासन को मान्यता दे दी है और ऐसा करने वाला वह अकेला दश है.

> भारत ने पिछले 20 वर्ष में अफगानिस्तान के इंफ्रास्ट्रक्चर पर करीब तीन अरब डॉलर का पूंजी निवेश किया है. सड़कों, पुलों, बांधों, रेल लाइनों, शिक्षा, चिकित्सा, खेती और विद्युत-उत्पादन की तमाम योजनाओं पर भारत ने काम किया है और जब भारत वहां से हटा था, तब काफी पर काम चल रहा था. इस बीच एक खबर ने दुनिया का ध्यान खींचा.

खेती पर मंडरा रहा जलवायु परिवर्तन का खतरा

• सामयिकी

पंकज चतुर्वेदी

जलवायु परिवर्तन की अंतर सरकारी समिति (आईपीसीसी) की 'जलवायु परिवर्तन 2022 के प्रभाव' पर ताजा रिपोर्ट भारत के लिए खतरे की घंटी है. इसमें चेताया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में बाढ़ और सूखे के हालात पैदा होने का खतरा बढ़ रहा है. यदि अनुमानतः तापमान में एक डिग्री सेल्सियस से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होती है तो भारत में, चावल का उत्पादन 10 से 30 प्रतिशत तक, जबकि मक्के का उत्पादन 25 से 70 प्रतिशत तक घट सकता है. बिहार में जयवायु परिवर्तन के खतरे अब सामने दिख रहे हैं. पिछले साल एक जून से 30 सितंबर तक बिहार में औसतन 1,027.6 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन बीते एक साल (साल 2010 से 2019 तक) में सिर्फ दो बार ऐसे मौके आए, जब औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई. साल 2011 में 1057.6 मिलीमीटर और इस साल 1050.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई. सबसे कम 723.4 मिलीमीटर बारिश साल 2013 में दर्ज की गई थी, जो औसत से 30 प्रतिशत कम थी. कृषि मंत्रालय के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक ताजा शोध बताता है कि सन 2030 तक हमारे धरती के तापमान में 0.5 से 1.2 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि अवश्यंभावी है. साल-दर-साल बढ़ते तापमान का प्रभाव सन 2050 में 0.80 से 3.16 और सन 2080 तक 1.56 से 5.44 डिग्री हो सकता है. जान लें कि तापमान में एक डिग्री बढ़ोतरी का अर्थ है कि खेत में 360 किलो फसल प्रति हेक्टेयर की कमी आ जाना. इस तरह जलवायु परिवर्तन के चलते खेती के लिहाज से 310 जिलों को संवेदनशील माना गया है. इनमें से 109 जिले बेहद संवेदनशील हैं, जहां आने वाले एक दशक में ही उपज घटने, पशुधन से ले कर मुर्गी पालन व मछली उत्पाद तक में कमी आने की संभावना है. तापमान बढ़ने से बरसात के चक्र में बदलाव, बैमौसम व असामान्य बारिश, तीखी गर्मी व लू, बाढ़ व सुखाड़ की सीधी मार किसान पर पड़नी है. ये अभी तक गौण हैं. सरकारी आंकड़े भी बताते हैं कि खेती पर निर्भर जीवकोपार्जन करने वालों की संख्या भले ही घटे, लेकिन उनकी आय का दायरा सिमटता जा रहा है. सनद रहे कभी सूखे तो कभी बरसात की भरमार से किसान दशकों तक उधार में दबा रहता है और तभी वह खेती छोड़ने को मजबूर है. देश की अर्थ व्यवस्था का मूल आधार कृषि है और कोरोना संकट में गांव-खेती-किसानी ही अर्थ व्यवस्था की उम्मीद बची है. आजादी के तत्काल बाद देश के सकल घरेलू उत्पाद में खेती की भूमिका 51.7 प्रतिशत थी, जबकि आज यह घट कर 13.7 प्रतिशत हो गई है. यहां गौर करने लायक बात यह है कि तब भी और आज भी खेती पर आश्रित लोगों की आबादी 60 फीसदी के आसपास ही थी. जाहिर है कि खेती-किसानी करने वालों का मुनाफा, आर्थिक स्थिति सभी कुछ दिनों-दिन जर्जर होती जा रही है. कृषि प्रधान कहे जाने वाले देश में किसान ही कम हो रहे हैं. सन 2001 से 2011 के बीच के दस सालों में किसानों की संख्या 85 लाख कम हो गई. वर्ष-2001 की जनगणना के अनुसार देश में किसानों की कुल संख्या 12 करोड 73 लाख थी जो 2011 में घटकर 11 करोड़ 88 लाख हो गई. आज भले ही हम बढ़िया उपज या आयात के चलते खाद्यान्न संकट से चिंतित नहीं हैं, लेकिन आने वाले सालों में यही स्थिति जारी रही तो हम सुजलाम-सुफलाम नहीं कह पाएंगे. कुछेक राज्यों को छोड़ दें तो देशभर में जुताई का क्षेत्र घट रहा है. भारत मौसम, भूमि-उपयोग, वनस्पति, जीव के मामले में व्यापक विविधता वाला देश है और यहां जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी कुछ सौ किलोमीटर की दूरी पर अलग किस्म से हो रहा है, लेकिन पानी बचाने और कुपोषण व भूख से निबटने की चिंता पूरे देश में एक समान है. हमारे देश में उपलब्ध ताजे पानी का 75 फीसदी अभी भी खेती पर खर्च हो रहा है. तापमान बढ़ने से जल-निधियों पर मंडरा रहे खतरे तो हमारा समाज गत दो दशकों से झेल ही रहा है. प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल अकादमी ऑफ साइंस नामक जर्नल के नवीनतम अंक में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार भारत को जलवायु परिवर्तन के कृषि पर प्रभावों को कम करते हुए यदि पोषण के स्तर को कायम रखना है तब रागी, बाजरा और जई जैसे फसलों का उत्पादन बढ़ाना होगा. इस अध्ययन को कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डाटा साइंस इंस्टीट्यूट ने किया है. कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डाटा साइंस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक डॉ कैले डेविस ने भारत में जलवायु परिवर्तन के कृषि पर प्रभावों, पोषण स्तर, पानी की कमी, घटती कृषि उत्पादकता और कृषि विस्तार के लिए भूमि के अभाव पर गहन अध्ययन किया है.

> कृषि मंत्रालय के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक ताजा शोध बताता है कि सन 2030 तक हमारे धरती के तापमान में 0.5 से 1.2 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि अवश्यंभावी है. साल-दर-साल बढ़ते तापमान का प्रभाव सन 2050 में 0.80 से 3.16 और सन 2080 तक 1.56 से 5.44 डिग्री हो सकता है.

मीडिया में अन्यत्र

मुद्रास्फीति के ताजा आंकड़े

खुदरा मुद्रास्फीति के ताजा आंकड़ों ने, एक बार फिर, इस तथ्य को रेखांकित किया है कि कैसे खाद्य पदार्थों की अस्थिर कीमतें न सिर्फ व्यापक मुद्रास्फीति, बल्कि आर्थिक विकास की धुरी यानी व्यक्तिगत उपभोग को भी बंधक बनाए हुए हैं. फरवरी महीने की हेडलाइन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित रीडिंग पिछले महीने के मुकाबले जहां लगभग अपरिवर्तित रहकर 5.09 फीसदी पर टिकी रही, वहीं उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक के आधार पर गणना की गई खाद्य पदार्थों की मूल्य वृद्धि की रफ्तार 36 आधार अंक बढ़कर 8.66 फीसदी हो गई. सब्जियों की कीमतें सबसे बड़ी चिंता का सबब बनी हुई हैं. सीपीआई के खाद्य एवं पेय पदार्थ उप-समूह में तीसरी सबसे भारी खाद्य श्रेणी मानी जाने वाली सब्जियों की कीमतों में साल-दर-साल के आधार पर 30.3 फीसदी की मुद्रास्फीति दर्ज की गई है, जोकि जनवरी की रीडिंग के मुकाबले चिंताजनक रूप से 315 आधार अंक की तेजी है. और सीपीआई में खाद्य पदार्थों में सबसे बड़ा भार माने जाने वाले अनाजों की मुद्रास्फीति भी 7.6 फीसदी के उच्च स्तर पर बनी हुई है, जोकि पिछले महीने की 7.83 फीसदी की रफ्तार से थोड़ी धीमी है. सब्जियों में, आलू-प्याज-टमाटर की तिकड़ी ने इस तेजी की अगुवाई की. सब्जियों की यह तिकड़ी देश भर में सबसे अधिक खाया जाने वाला समूह है और खाद्य श्रेणी में कुल भार का एक तिहाई से ज्यादा हिस्सा रखती है. जनवरी में आलू की कीमतें जहां साल-दर-साल के आधार पर लगभग दो फीसदी की अपस्फीति से बढ़कर 12.4 फीसदी की मुद्रास्फीति पर पहुंच गईं, वहीं प्याज में 22.1 फीसदी की मुद्रास्फीति दर्ज की गई और टमाटर की कीमतों में बढ़ोतरी करीब 400 आधार अंक के इजाफे के साथ छह महीने के उच्चतम स्तर 42 फीसदी पर पहुंच गई. उपभोक्ता कार्य विभाग के दैनिक मूल्य निगरानी डैशबोर्ड पर एक नजर डालने पर इस मोर्चे पर हल्की राहत दिखाई देती है. आलू, प्याज और टमाटर की औसत खुदरा कीमतें एक साल पहले के स्तर से 14 मार्च तक क्रमशः 21.3 फीसदी, 41.4 फीसदी और 35.2 फीसदी ज्यादा हैं.साफ है कि, प्याज के निर्यात पर तीन महीने के प्रतिबंध सहित सरकार के आपूर्ति पक्ष से जुड़े उपायों का इन राजनीतिक रूप से संवेदनशील खाद्य पदार्थों की कीमतों को कम करने के लिहाज से बहुत ही कम प्रभाव पड़ा है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

चतुर/चालाक/बुद्धिमान

ज्ञानी ध्यानी चतुर सियानी दुनिया में, जीते हैं अपनी नादानी हम दोनों. इस शेर में शायर मदन मोहन दानिश सफल लोगों में ज्ञानी, ध्यानी के ससाथ ही चतुर को शामिल करते हैं. नादानों का या तो कामयाबी मिलती नहीं या मिलती भी तो बहुत ही मुश्किल से. कामयाबों को चतुर, चालाक और बुद्धिमान कहा जाता है. पड़ोसन फिल्म के 'एक चतुर नार करके सिंगार' वाले गाने में चतुर शब्द का मतलब न ही ढूंढें तो अच्छा है, क्योंकि यह पूरी तरह से मजाकिया गीत है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार चतुर तत्सम विशेषण शब्द है और इसका मतलब है जिसकी बुद्धि प्रखर हो, होशियार, बुद्धिमान, सोच-समझ कर सलीके से काम करनेवाला व्यक्ति, दक्ष, दूरदर्शी, विवेकी, व्यवहार कुशल. चालाक फारसी मूल का विशेषण शब्द है. इसका मतलब है चालबाज, धूर्त, छलिया, चतुर, होशियार, दक्ष, फुरतीला, व्यवहार कुशल. इसी प्रकार बुद्धिमान तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इस शब्द में दो शब्द जुड़े हैं-बुद्धि और मान. बुद्धि का मतलब है सोचने, समझने और निर्णय करने की मानसिक शक्ति, मेधा, प्रज्ञा, अक्ल, मति, स्मृति, विवेक. मान का मतलब है युक्त. जिसके पास बुद्धि है, उसे बुद्धिमान कहते हैं. इस प्रकार देखते हैं कि चतुर, चालाक और बुद्धिमान तीनों एक समान ही लगते हैं, लेकिन तीनों के बीच सूक्ष्म अंतर है. कोई छात्र अगर अपने दम पर परीक्षा में अच्छे अंक से पास हो जाता है तो वह बुद्धिमान है, लेकिन दूसरा छात्र अगर परीक्षा में चीटिंग की बदौलत पास कर जाता है तो चालाक कहेंगे. बुद्धिमान सकारात्मक अर्थ लिये होता है. मतलब हम जब किसी की प्रशंसा करना चाहते हैं तो उसे बुद्धिमान कहते हैं, लेकिन चालाकी से व्यक्ति की कुबुद्धि, कुमति, नीचता तथा कुटिलता का भान होता है. चालाक व्यक्ति चालाकी से दूसरों को मूर्ख बनाता है या ठगता है. चतुरता से व्यक्ति की सुबुद्धि, सुमति व उसकी कुशलता का ज्ञान होता है. चतुर व्यक्ति चतुरता से लोगों की समस्याओं का समाधान करता है.

मत जा, सजनवा, मत जा, मत जा!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

वह बार बार रटे जा रही थी - सजनवा मत जा. ऐसा लगता था मानो सजन उसे छोड़ कर जाने की जिद किए बैठा हो. जब कि जहां तक मैं समझता हूँ, उसे संभवतः ऑफिस जाने की जल्दी थी. शायद वह इस बात को समझती भी थी. तभी तो 'सजन मत जा' जुमले को, या कहें बोल को, कुछ इस तरह गाए चली जा रही थी कि उसके दुहराव में 'जा सजन जा' के आदेश की भी झलक मिल जाती थी. कभी कभी तो "जा सजनवा जा, मत जा" दोनों ही बातें एक साथ बोल जाती थी. उसे कोई कन्फ्यूज़न रहा हो न रहा हो, मैं तो जब तक वह गाती रही उसके बोल से बड़ा भ्रमित रहा. आखिर वह चाहती क्या है ? सजन जाए या न जाए? शास्त्रीय संगीत की तो बात ही अलग है. यह पूरी तरह शास्त्रीय होता है. जैसा शास्त्रों में लिखा है बस, वैसे ही गाया-बजाया जाता है. एक भी स्वर इधर से उधर नहीं हो सकता. लेकिन सिर्फ स्वरों को सुनने के लिए भी तो अपना कान एकदम शास्त्रीय होना चाहिए. अब आम आदमी के पास ऐसा शास्त्रीय कान भला कहां से आए? लेकिन प्रजातंत्र में हर चीज़ को आम आदमी तक पहुंचाना ज़रूरी है. शायद इसीलिए शास्त्रीय संगीत में "बोल" जोड़ दिए गए. भले स्वर न समझे, 'सजन मत जा' – इन बोलों को तो सभी समझ सकते हैं, लेकिन इन बोलों को जब स्वरों के उतार-चढ़ाव में ढाला जाता है, भ्रम की स्थिति तभी पैदा होती है. बेचारा संगीतज्ञ युगों से रटता चला जा रहा है, सजन मत जा, लेकिन सजन को वह अभी तक मना नहीं पाया. गलती सजन की भी नहीं है. "कल न परे दिन रैन", "बलमा नहीं आए' आदि, कुछ बोल भी इसी केटगरी के हैं. ये सिर्फ गाने वाले का ही चैन लूटते हैं. अधिकतर श्रोता तो मज़े में हैं. माना कि शास्त्रीय संगीत सीखने के लिए बड़े पापड बेलने पड़ते है. गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण भाव जब तक नहीं होता, आप एक कदम आगे नहीं बढ़ सकते. पर संगीत की बारीकियां बताने में गुरु आनाकानी करने लगे तो क्या किया जा सकता है. उस रोज़, जब रहा न गया, बेचारी एक संगीताकांक्षी शिष्या अपने गुरु के समक्ष बड़ी शिद्दत से यह तराना छेड़ बैठी, "तनन तनन देदे ना दाता रे !" आप गले से गले मिल सकते हैं, अभिवादन के लिए हाथ मिला सकते हैं. लेकिन कम से कम शारीरिक रूप से आंख से आंख नहीं मिला सकते. आपकी खुद की आंखें तो एक दूसरे से कभी मिल ही नहीं सकतीं. दूसरे की आंख से अपनी आंख मिलाना भी असंभव ही है. लेकिन भाव-विव्हल नायिका, ज़रा गौर करें, बड़े आराम से सार्वजनिक मंच से गाती फिरती है – नैन सू नैन मिले!

सुकून

होली की रंगीनी के क्या कहने! रंग-गुलाल तो फिर भी दो-चार दिनों में छूट जाते हैं, पर कई बार यादों के रंग इतने गहरे होते हैं कि ताउम्र मन को भिंगोते और सजाते रहते हैं और हम उन्हें याद कर बरबस मुस्कुरा देते हैं. आइए, होली पर यादों के ऐसे ही रंग से हों रू-ब-रू....

यादों में होली के रंग

ए जी! होली में ससुराल चलिएगा का?

गौतम कुमार नायक

करीब अठारह साल पहले की बात है. शादी के बाद ससुराल यात्रा का अवसर मिला, सो भी फगुआ में पत्नी बोली- 'ए जी सुनते हैं, आज बाबूजी की चिट्ठी आई है. भैया को ड्यूटी से छुट्टी नहीं मिल रही है, इसलिए हमलोगों को लेने नहीं आ सकेंगे. दामाद नाराज न हो इसलिए बाबूजी खुद ही हमलोग को लेने आएंगे.' बड़े अंदाज से मैंने कहा- अरे बाबूजी को क्या तकलीफ देना, हमलोग खुद ही चले जाएंगे. पूरी तैयारी के साथ हम ससुराल पहुंचे. घूंघट काढ़े सासू मां बड़ी बेसब्री से हमारा इंतजार कर रही थीं. बड़ी साली ने बड़े नखरे से पूछा - 'बड़ी देर कर दिए जीजाजी, क्या बात है, रास्तवा भुला गए थे का? खैर, अगले ही दिन होली थी. होली का पर्व और वह भी ससुराल में! कल्पना करके ही मैं रोमांचित और होलियाना मिजाज में था. सालियों ने जमकर मुझे रंग लगाया. एक नौजवान ने कहा - 'रंग के साथ भांग न हो, तो होली का मजा ही कैसा?'
"नहीं भाई, मैंने आज तक एक सुपारी मुंह में नहीं ली है, तो भांग कहां से ... नहीं, भाई नहीं." मैनें सफाई दी.

ससुर जी ने कहा - "पीजिए दामाद जी, पीजिए. हमारे यहां रसम है, दामाद को भांग पिलाई जाती है." ससुर जी की बात मैं शायद अनसुना कर भी देता, पर कांच के बड़े क्लास में काजू-पिस्ता के साथ जब साली भांग लेकर आई तो मैं अपने आपको नहीं रोक सका. एक के बाद एक करके मैंने तीन-चार ग्लास भांग चढ़ा ली. अब तक लगभग दोपहर हो चला था. रंग खेलने के बाद गीत-संगीत की महफिल सजी. कोई हारमोनियम, कोई नाल तो कोई मंजीरा लेकर तैयार! मेरे ससुर जी को पता था कि मैं भी संगीत प्रेमी हूं. दादरा, कहरवा और तीन ताल का तो मुझे इतना ज्ञान है कि उस्ताद अल्ला रक्खा भी हमारे आगे सरेंडर कर दें. ससुर जी के आग्रह पर मैं तबले पर बैठ गया. पर भांग का नशा अबतक सर चढ़ चुका था। मैंने आसन ग्रहण करने के बाद डुग्गी और तबला उल्टा कर संगत करना शुरू किया. ससुर जी बार-बार डुग्गी-तबला सीधा करते और मैं बार-बार उल्टा कर देता. उल्टा साज बजता कैसे? बिना ताल के कोई गाता कैसे? मैंने मुंह से ही धिक-धिक...

..तन-तन की आवाज निकालना शुरू किया. बीच-बीच में गाना भी गाने लगा, बिलकुल बेताला. मौका देखकर कोई तबला सीधा कर भी देता तो मैं उसे फिर उल्टा कर बजाने लगता. मैं अब तक उल्टा तबला बजा-बजाकर मस्त था. लोग-बाग मुझे देखकर हंसते. मैं भी उनकी हंसी के साथ खूब खिलखिला कर हंसता. कब संगीत का जलसा टूटा, कब तक मैं अपनी ज़िद के आगे ससुराल वालों को तबाह करता रहा पता ही नहीं चला. दूसरे दिन जब मेरा नशा फटा तो साली जी ने व्यंग्य के साथ कहा- "वाह जीजाजी! आपने जो कल तबला बजाया उसे पूरा काशीपुर कभी नहीं भूलेगा."
आज शादी के लगभग अठारह साल बीत गए हैं. आज भी मैं जब होली में ससुराल जाता हूं तो मेरे तबला वादन की बात जरूर छेड़ी जाती है. अभी भी मुझे सालियां चिढ़ाती हैं. उसके बाद मैंने कभी भी भांग न पीने की शपथ ली जो आज भी बरकरार है. आज भी जब मुझे मेरी पत्नी कहती है - ए जी! होली में ससुराल चलिएगा का?' तो मेरा मन रोमांचित हो उठता है.

जब अरसे बाद सबने साथ मनाई होली

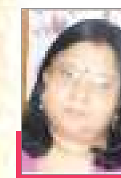
पद्मा मिश्रा

उम्र के इस पड़ाव पर न जाने क्यों वो बचपन की होली बहुत याद आती है. न भीगने का डर, न बंदरों सी शक्ल लिए यहां वहां घूमते किसी के चिढ़ाने का डर. बस होली है भाई होली है गाते, दोहराते, सुबह से दोपहर तक सहेलियों के साथ मस्ती कर लौटते, तो सब एक साथ बैठकर मां के बनाए उबटन से रंग छुड़ाने की कवायद करते. बनारसी परंपरा के अनुसार हम तीनों भाई बहन लखनवी कुर्ता पायजामा पहन कर पारंपरिक नारियल छुहारे की माला पहन, हाथों में गुलाल लेकर घर घर जाते, और रात गए तक खूब खा पीकर लौटते, फिर बिस्तर पर पड़ते ही थकान से नींद आ जाती. वो हमारे बचपन के उन्मुक्त निश्चिंत दिन हमारे बच्चों को नसीब नहीं हुए. पढ़ाई, कोचिंग, अपने शीर्ष लक्ष्य को पाने की जी तोड मेहनत, के लिए खुद को समर्पित कर दिया था उन्होंने. आज लंबे समय के बाद जब बच्चे अपनी बनाई खूबसूरत दुनिया में खुश हैं. कोरोना काल में घर से ही काम करने की सुविधा ने उन्हें माता पिता के साथ कुछ कीमती समय बिताने का अवसर दिया. इस दौरान सालों बाद हमारे परिवार ने एक साथ होली मनाई. तीसरी पीढ़ी में हमारा नन्हा राजकुमार स्वस्तिक, बेपरवाह, मस्त हो होली में पिचकारी रंगों की फरमाइशें करता रहा, गुझिया बनाने खाने की ज़िद करता रहा तो मुझे अपना बचपन याद आ गया.

आंगन में एक-एक कर लेट गए थे आठो चाचा

रिंकू बैनर्जी

बात 1970-72 की है. तब मैं छोटी थी और देवघर में रहती थीं. हमारा संयुक्त परिवार था जिसमें दादा-दादी के साथ पापा और उनके तीन चाचा का परिवार भी रहता था. होली हंगामेदार होती थी. पापा के आठ छोटे चचेरे भाइयों जिनकी उम्र 12-22 के बीच थी होली की सुबह से रंग के खुमार में थे. साढ़े तीन बजे करीब भूत से रंगे चेहरे लेकर लौटे और आंगन के पास स्थित कुएं में नहाने लगे. इनकी चाल-ढाल में एक सुस्ती सी थी. एक-एक कर वे नहा कर और सूखे कपड़े पहने कर आंगन की ओर लौट रहे थे कि अचानक देखती हूं, सभी चाचा एक एक कर आंगन में बेसुध से जमीं पर लेट गए. परिवार के आठ बच्चों को इस हालत में बेहोश सा पड़ा देख कर चाची-दादी व घर की अन्य महिलाएं रोने लगीं. आवाज सुनकर दादा जी आए और देखते ही माजरा समझ गए. बोले, तुम लोग रो मत, ये आठो भांग के नशे में हैं. एक बार होश आने दो फिर खबर लेता हूं.
खैरा रात में उनकी नींद खुली. सुबह आंगन में पेशी हुई. दादा जी कड़क होकर पूछे-क्या पिया था कल? उन्होंने कहा कि बस शर्बत ही तो पिया था हमने. खेलते-खेलते मंदिर तक पहुंचे तो वहां टेबल पर खूब सारी गिलासों में शर्बत रखा था और पंडित जी लोग पी रहे थे. हमारा गला सूख रहा था, सो हमने उनके मना करने पर भी पी लिया. फिर हमारा सिर चकराने लगा, नींद आने लगी. नहाने के बाद सो गए. दादा जी ने कहा कि वह शर्बत नहीं भांग था. बचपन की होली का यह अनुभव वाकई आज भी वैसा ही ताजा है जब पर्व के दिन दादी-चाची को वैसे रोते देखी थी.

चार दिन बाद मनी होली

गीता चौबे गूँज

बात 2019 के होली की है. मेरी बेटी की शादी के दो महीने बाद ही होली पड़ गयी थी. मेरे दोनों बच्चे बैंगलोर रहते थे. मैंने सोचा कि इस बार की होली बच्चों के साथ ही मनाती हूं. इसी बहाने बेटी की नयी गृहस्थी भी देख लूंगी.
बड़े अरमान से सभी के लिए कपड़े, मिठाइयां, नमकीन और गुझिया आदि लेकर होली के एक दिन पहले बैंगलोर पहुंच गयी. पर यह क्या? होली के दिन भी बच्चे आफिस चले गए. मैं मायूस हो गयी. मन-ही-मन सोचने लगी कि बेकार ही यहां आयी. आज तक कोई होली इतनी रूखी नहीं रही. चार दिनों के बाद मेरी वापसी थी. बच्चे मेरी उदासी समझ रहे थे, किंतु कार्य के दबाव से कुछ कर नहीं पा रहे थे. वापसी के एक दिन पहले बेटी ने मां की भावनाओं को महसूस किया और होली बीतने के चार दिन बाद रविवार को होली का यह कह कर रंगारंग आयोजन किया कि होली तो तभी सार्थक है जब हम मन से शामिल हों. फिर तो वो होली की धूम मची कि आज भी वह होली मन के एल्बम से विस्मृत नहीं हो पाती.

पकड़ी गई भैया-भाभी की झूठ

रंजना वर्मा उन्मुक्त

बात मेरी शादी की दूसरी होली की है. मेरा ससुराल संयुक्त परिवार था जिसमें मेरे पति के दो भाइयों के परिवार के साथ मेरी ननद के बच्चे भी हमारे साथ रहते थे. मायका और ससुराल एक ही शहर में रहने के कारण मेरी पहली होली में मेरे ससुराल के सारे लोग मेरे मायके पहुंच गए थे और मेरे भैया-भाभी के साथ जमकर होली खेली थी. ऐसी होली मेरे भैया-भाभी ने कभी नहीं खेली थी. वे लोग भयभीत थे कि कहीं इस बार भी मेरे ससुराल वाले होली खेलने न आ जाए. होली के दो दिन पहले मेरे भैया हमारे लिए होली के कपड़े लेकर आए तो उन्होंने जानबूझकर सबको सुनते हुए कहा कि वह इस बार होली में अपने ससुराल जा रहे हैं. मेरे पिताजी नहीं हैं. इसलिए मेरे ससुराल वालों ने सोचा कि मां अकेली हैं. हम सब को जाकर उन्हें होली का प्रणाम जरूर करना चाहिए. मेरे सारे ससुराल वाले मेरे मायके पहुंच गए. उन्हें आते देख मेरे भैया, जिन्होंने झूठ बोला था, भाभी और मेरे डेढ़ साल के भतीजे के साथ बाथरुम में छुप गए. हम सभी ने मां के पैरों पर अबीर डालकर प्रणाम किया. मेरी मां ने प्रसन्न होकर सभी को अपने हाथों से पुआ खिलाया. उन्हें बुरा लग रहा था कि भैया-भाभी बाथरूम में छुपे हुए हैं. उन्होंने बाथरूम की ओर इशारा कर दिया. अब हम सभी को मेरे भैया का झूठ समझ में आ गया था. फिर क्या था, सभी लोगों ने इतना हल्ला मचाया कि भैया को बाथरूम से बाहर आना ही पड़ा. उसके बाद उनके साथ ऐसी जमकर होली हुई कि आज भी उसे याद कर हमारे चेहरे पर मुस्कान आ जाती है.

रंगों ने किया था बेहाल

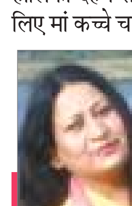
सविता सिंह मीरा

होली का नाम लेते ही सहसा बचपन वाली होली ही याद आती है. होलिका दहन से ही तैयारी शुरू कर देते थे. होलिका पर चढ़ाने के लिए मां कच्चे चने रखती, कढ़ी, पुआ, पूरी सब बनता ओर पापा को भेजती थी उसे होलिका में चढ़ाने के लिए. उसके बाद हम सब खाते. होली के लिए होलिका दहन की आधी रात से ही पुआ और दही बड़ा की तैयारी शुरू हो जाती थी. मेरे पापा का उत्साह देखने लायक रहता था. हर छोटी चीज जो भी घटती दौड़ के बाजार से लेकर आते. एक बार मैंने पापा से कहा मुझे यह होली बिल्कुल पसंद नहीं आती. दूसरे दिन रंग छुड़ाने में हालत खराब हो जाती है. तो पापा ने मुझे कहा कि बेटा कोई भी पर्व खराब नहीं होता. यह खुशियां देकर ही जाता है. यह इस बात का सबूत है कि हमारा सब कुछ बेहतर चल रहा है और हम पर्व मनाने की स्थिति में है. पापा की बात ही सुन रही थी कि हमारे कॉलोनी के लोग लड़के लड़कियां सब रंग खेलने आ गए और मैं खुशी-खुशी रंग खेलने भी गई. अचानक किसी ने मेरे चेहरे पर हरा रंग मुट्ठी भर के लगाया. पहले हरे रंग में अभ्रक मिला हुआ रहता था. नाक में उसके कुछ अंश चले गए और मेरी सांस उखड़ गई. काफी मशक्कत के बाद ठीक हुई. तकरीबन 10, 12 दिन तक जब भी मैं नाक साफ करती या खराश आती तो गले से हरा रंग हल्के मात्रा में निकलता ही था. तब मैं पापा को मन ही मन कोसती, कि बता रहे थे कि हर पर्व अच्छा होता है, मन से मनाना चाहिए. भोग तो हम ही रहे हैं ना. आज लगता है कि बेशक पापा की बात सही है, लेकिन हर पर्व कुछ सावधानी के साथ मनानी चाहिए.

कई दिनों तक जेठ जी के सामने नहीं जा पाई

अर्पणा बहादुर

उस साल जेठानी जब होली में भांग वाली ठंडई बनाईं तो मैंने ऐसे ही मजाक में कह दिया कि मैं कभी भांग नहीं खाई, पता नहीं कैसा लगता है इसे खाने के बाद. बस होली के दो दिन बाद जेठानी ने सामान्य शर्बत कहकर भांग वाली ठंडई पिला दी. तुरंत कुछ पता नहीं चला. देवर-पति के साथ वॉक कर रही थी तो पांव लड़खड़ाता महसूस हुआ. तब वे लोग मुझे लेकर घर आ गए. घर आकर बेमतलब हंसना, हंगामा करने लगी. डायरी लेकर दूध का हिसाब करने बैठी और उसमें अलबल लिखने लगी. तभी जेठ सामने आए और बोले कि लगता है भांग का नशा इसे चढ़ गया है. जिस जेठ जी से सम्मान की वजह से बहुत कम बोलती हूं, उन्हें सीधे-सामने जाकर बोली- आप क्या समझते हैं भैया, मुझे चढ़ गई है, मुझे बिल्कुल नहीं चढ़ी है. जाइए, आप दूसरे कमरे में आराम कीजिए. अब तो सब समझ गए कि कितनी चढ़ी. सुबह जब सो कर उठी तो घर वालों ने पूरी बात बताई. मत पूछिए कितनी शर्मिंदगी हुई. कई दिनों तक जेठजी के सामने तक नहीं जा पाई थी मैं.

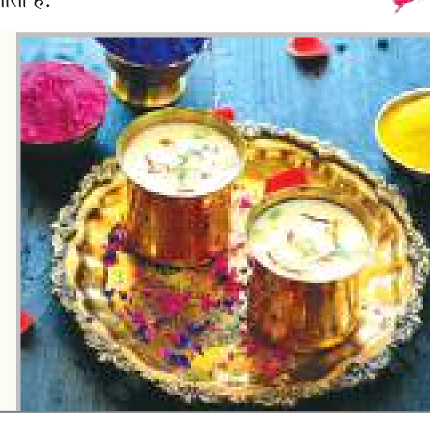

मोटिवेशन

कैसे - कैसे धनवान ?

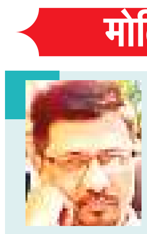
डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

आज आपको मिलवाता हूं 6 तरह के धनवानों से. पढ़कर आप खुद फैसला लीजिएगा कि किस तरह का धनवान होना हमारे हित में है.

1. **ताजा धनवान :** इस ग्रुप में वे लोग आते हैं, जिनकी पहली पीढ़ी अचानक से बहुत पैसा कमाने लगती है. अप्रत्याशित पैसा आ जाने से ये बौरा जाते हैं. इनकी हर एक्टिविटीज में पैसे का दिखावा होता है. यहां तक कि उनकी भाषा भी बदल जाती है. हम तो भाई, ब्रांडेड छोड़कर कुछ पहनते ही नहीं - इनका पंच लाइन होता है. हर चीज प्राइस और ब्रांड देखकर खरीदी जाती है. महंगा सोफा सेट, महंगी गाड़ी, मॉड्यूलर किचन, इंपोर्टेड डाइनिंग टेबल चेयर, बहुत बड़ा सा एलईडी टीवी. कई बार इन सामानों से प्लास्टिक भी नहीं हटाया जाता और प्राइस टैग भी लटकता नजर आता है. बातचीत में प्रोडक्ट का प्राइस बताना नहीं भूलते. आदमी महंगी चीजें खरीद तो सकता है, लेकिन रिफाईनमेंट इतनी जल्दी नहीं आती. इनके बात-व्यवहार, रहन-सहन में रिफाईनमेंट की बहुत कमी रहती है.

2. **जुनूनी धनवान :** इनकी जिंदगी का बस एक ही जुनून होता है - पैसा कमाना. सुबह उठने से रात सोने तक सिर्फ पैसा चालीसा का पाठ करते हैं. दिनभर मोबाइल में घुसे रहते हैं, जोड़-घटाव करते रहते हैं. इनकी बातचीत का क्या कहना! यहां एक फ्लैट खरीद लिया, इसमें इतना पैसा इन्वेस्ट कर दिया, इससे इतना पैसा रिटर्न मिलेगा, अभी 25 लाख की गाड़ी खरीदी है, 50 लाख शेयर में

इन्वेस्ट किया है... वगैरह-वगैरह. जितना कमाते हैं, उस से ज्यादा फेंकते हैं. जिसे पकड़ते हैं, पैसा इनभेस्ट करने की सलाह देने लगते हैं. इनके बच्चे और पत्नी मस्त जिंदगी जीते हैं, लेकिन पैसा कमाने के चक्कर में ये तरह-तरह का रोग पाले रहते हैं. इनकी बातें सुनकर दिमाग भारी हो जाता है लेकिन इन्हें इसका एहसास नहीं होता. लोग इन्हें देखकर ही मुस्कुराने लगते हैं, और कुछ तो गायब हो जाते हैं.

3. **भ्रष्ट धनवान :** इस ग्रुप में नाजायज ढंग से पैसा कमाने वाले लोग आते हैं. जब तक कानून का शिकंजा नहीं कसता, खूब शाने ए शौकत से रहते हैं. घर में कई गाड़ियां, बाइक खड़ी रहती हैं. आलीशान घर में रहते हैं. महंगे स्मार्ट वॉच, जूते, पर्स, आईफोन से पूरा परिवार लैस रहता है. बेटा-बेटी महंगे ब्रांडेड स्कूल, शिक्षण संस्थानों में पढ़ते हैं. साधारण तौर पर इस ग्रुप में भ्रष्ट आला अफसर, ठेकेदार, नेता आते हैं. उनके बच्चों की फुटानी के क्या कहने! किसी से सीधी मुंह बात नहीं करते. कईयों में तरह-तरह की गलत आदतें भी आ जाती हैं. लोग सामने भले कुछ न कहें, पीठ पीछे इन्हें तरह-तरह के नामों से विभूषित करते हैं.

4. **बासी धनवान :** एक जमाने में बहुत धनी हुआ करते थे. अय्याशी में सारा धन लुटा दिया. रस्सी जल गई लेकिन ऐठन नहीं गई. इतना पैसा नहीं कि टूटती हुई इमारत की मरम्मत करा सकें. कभी नौकर-चाकर की फौज रहा करती थी, अब मात्र एक या दो नजर आते हैं. वह भी इसलिए कि वे बूढ़े हैं, कहीं जा नहीं सकते. पैसा न होने से लोगों ने उनके यहां झांकना भी बंद कर दिया है. लेकिन कोई गलती से पकड़ा जाए तो डींग मारने से बाज नहीं आते. अब सिर्फ बाहरी दिखावा बचा है. आय का कोई श्रोत न होने से बहुत खास्ता हालत में रहते हैं बेचारे.

5. **खानदानी धनवान :** ये बहुत शानदार घर में रहते हैं. गाड़ियों की कतार लगी रहती है. स्टाफ की फौज से इनका घर और ऑफिस लैस रहता है. घर की सजावट, लॉन, गार्डेन सब कुछ बहुत आकर्षित करता है. ये आम आदमी के लिए उपलब्ध नहीं रहते. इनमें एक तरह की नवाबी रहती है. इनका अपना सर्किल होता है और इसी में ये रहते हैं, उसी में जिंदगी जीते हैं. आम आदमी के लिए इनकी शख्सियत रहस्यमयी होती है.

6. **परिपक्व धनवान :** इन्होंने काफी मेहनत से पैसा कमाया होता है. ये पैसे की कद्र करते हैं. इनमें दिखावा नहीं होता. बेशुमार पैसा होने के बावजूद ये नॉर्मल जिंदगी जीते हैं. ब्रांड के पीछे पागल नहीं रहते. सभी तरह के कपड़े पहनते हैं, नॉर्मल खाना खाते हैं, खुद गाड़ी ड्राइव करने में इन्हें कोई झिझक नहीं होती. सभी से मिलते हैं, प्यार से बात करते हैं. और हां ये दूरदर्शी भी होते हैं. पैसा सही जगह सोच समझकर इन्वेस्ट करते हैं और उसका ढिंढोरा नहीं पीटते. अपनी अगली पीढ़ी को भी सही तहजीब सिखाते हैं.

मूल मंत्र : पैसा खूब कमाएं. पैसा कमाना जरूरी है. आज के दौर में बिना पैसे के अच्छी जिंदगी की कल्पना भी नहीं की जा सकती. लेकिन पैसे के पीछे भाग कर स्वास्थ्य, सम्बंध और इंसानियत गवां देना सरासर मूर्खता है. रॉय टी बेनेट ने बहुत सही कहा है- जब तक आप दिल से अमीर नहीं, आप पाखंडी धनवान हैं.

महकाएंगे फिजा, भगाएंगे मच्छर

बढ़ते प्रदूषण की वजह से मच्छर हाल के वर्षों में बढ़े हैं. जब से मौसम ने करवट ली है, तब से इनका प्रकोप औरर तेज हुआ है. शाम होते ही मच्छरों का आक्रमण शुरू हो जाता है. इन मच्छरों से निजात पाने के लिए बाज़ार में ढेरों स्प्रे, स्टिक, लिक्विड आदि प्रॉडक्ट्स मौजूद हैं. वे कितने कारगर और हमारी सेहत के लिए सुरक्षित हैं, यह कोई यकीनन नहीं बता पाता. हमारे बड़े-बुजुर्गों ने कुछ पौधों के बारे में हमें बतया कि इन्हें घर के आस-पास रखने से मच्छरों को घर से दूर प्राकृतिक तौर पर ही रखा जा सकता है. ये पौधे एयरप्यूरीफायर हैं, बेहतर खुशबू वाले हैं और आंखों को भी सुकून पहुंचाते हैं. आइए, इन पौधों के बारे में जानकारी हासिल करें.

लेमन ग्रास
यह पौधा घर में लगाकर वाकई आपको खुशी होगी, क्योंकि यह आसपास के माहौल को खुशबूदार बनाएगा, मच्छर भगाएगा और साथ ही आपकी चाय को भी फ्लेवर्ड बनाएगा. इतना ही नहीं, थाई आदि व्यंजनों में इसके स्टिक की उपयोगिता है.

गेंदा
गेंदा के फूल खुशनुमा होते हैं, बाल्कनी, खिड़की आदि को इसके पौधे खूसूरत लुक देते हैं. खास बात यह है कि इसकी ख़ुशबू मच्छरों और अन्य उड़नेवाले कीड़ों को बिल्कुल पसंद नहीं होती. पौधे में जब फूल नहीं लगे होते हैं, तब भी यह मच्छर भगाने में असरकारक है.

लैवेंडर
लैवेंडर की ख़ुशबू सुकून का अहसास कराती ही है, मच्छरों को भी भगाती है. इसीलिए त्वचा पर लगाए जानेवाले मस्कीटो रिपेलेंट्स में अक्सर लैवेंडर ऑयल मिलाया जाता है. इसका पौधा घर में लगाएंगे तो घर तो महकेगा ही, मच्छरों से बचे रहेंगे.

लहसुन
दादी-नानी कहती हैं कि लहसुन खाने से आपके ख़ून में एक महक, एक स्वाद आ जाता है, जो मच्छरों को पसंद नहीं आता. इसी से अंदाज़ा लगा लें कि लहसुन का पौधा मच्छरों को कितना नापसंद होगा. लहसुन लगाने से आपको ऑर्गैनिक लहसुन खाने को भी मिल जाएगा.

तुलसी
धार्मिक तौर पर तो तुलसी का महत्व है ही, यह बेहतर एयरप्यूरीफायर भी है. तुलसी हमारी हवा को साफ़ रखने के साथ-साथ छोटे-छोटे कीड़े व मच्छर को दूर रखती है. सर्दी खांसी में इसका सेवन असरदायक है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

डब्ल्यूपीएल : आरसीबी के स्पिनरों के सामने बिखरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम

पहली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बना चैंपियन

भाषा । नयी दिल्ली

08	विकेट से बेंगलोर ने जीता फाइनल	03	विकेट चटकाए सोफी मोलिनू ने
04	विकेट चटकाए श्रेयंका पाटिल ने	35	रन की पारी खेली एलिसा पेरी ने

सोफी मोलिनू बनीं प्लेयर ऑफ द मैच

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर खिताब जीता. फाइनल मुकाबले में बेंगलोर ने दिल्ली को आठ विकेट से हराया. बेंगलोर ने 114 रन का पीछा करते हुए 19.3 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया. बेंगलोर की ओर एलिसा पेरी ने सर्वाधिक 35 रन बनाए. स्मृति मंधाना ने 31 व सोफी डिवाइन ने 32 रन बनाए. इससे पहले दिल्ली अच्छी शुरूआत के बाद बेंगलोर के स्पिनरों के सामने बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन से 18.3 ओवर में 113 रन पर सिमट गयी. दिल्ली कैपिटल्स ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (44 रन) और कप्तान मेग लैनिंग (23 रन) की मदद से 43 गेंद में बिना विकेट गंवाये 64 रन बनाकर अच्छी शुरूआत की. लेकिन इसके बाद टीम ने 28,781 दर्शकों के सामने महज 49 रन के अंदर सभी 10 विकेट गंवा दिये. ऑस्ट्रेलिया की बायें हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनू (20 रन देकर तीन विकेट) ने आठवें ओवर में तीन विकेट चटकाकर दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाजी क्रम के चरमराने का सिलसिला शुरू किया. इसके बाद मेजबान टीम इन झटकों से नहीं उबर सकी और लगातार अंतराल पर विकेट गंवाकर फाइनल में लड़खड़ा गयी.

इसमें श्रेयंका पाटिल का भी अहम योगदान रहा जिन्होंने 3.3 ओवर में 12 रन देकर चार विकेट झटके. टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के लिए टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ज्यादा रन जुटाने वाली बल्लेबाज लैनिंग (23 गेंद) और शेफाली (27 गेंद) ने अच्छी शुरूआत की. शेफाली ने पहली 11 गेंद में धीमी शुरूआत के बाद तेजी दिखायी. उन्होंने अपनी पारी के तीन छक्के स्ट्रेट लगाये. दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर हाथ खोलते हुए घुटने के बल बैठकर पहला छक्का मोलिनू पर लांग ऑन पर जड़ा

बेहद शानदार क्रिकेटर हैं अश्विन : सुनिल गावस्कर

भाषा । चेन्नई

भारत के पूर्व स्टार खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि रविचंद्रन अश्विन को बहुत शानदार क्रिकेटर है.

उन्होंने कहा कि अपने जबरदस्त आ त्म विश्व ास और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष एन. श्रीनिवासन के समर्थन की बदौलत यह गेंदबाज सफलता हासिल करने में सफल रहा. तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) ने अश्विन को 100 टेस्ट खेलने और 500 विकेट तक पहुंचने के लिए शनिवार को सम्मानित किया था. गावस्कर ने कहा कि मैं अश्विन को 100 टेस्ट खेलने और 500 टेस्ट विकेट चटकाने की उपलब्धि हासिल करने के लिए बधाई देता हूं. उनका खेल के सभी प्रारूपों में करियर शानदार रहा है, विशेषकर टेस्ट में. उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनायें. हमें नहीं पता कि वह कब संन्यास लेंगे लेकिन वह बेहद शानदार क्रिकेटर रहे हैं. अश्विन ने अपने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) करियर की शुरुआत 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ की. वह 2015 तक इसी फ्रेंचाइजी के साथ रहे और दो खिताब जीते. सीएसके का मालिकाना हक इंडिया सीमेंट्स का है और श्रीनिवासन कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं. अश्विन के भारतीय टीम और तमिलनाडु टीम के साथी खिलाड़ी दिनेश कार्तिक ने भी टेस्ट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज की प्रशंसा की और उन्हें प्रेरणास्रोत करार दिया.

अश्विन ने अपनी प्रगति पर अंकुश नहीं लगाने दिया: कुंबले

रविचंद्रन अश्विन के 500 अंतरराष्ट्रीय विकेट चटकाने से

खुश महान स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा कि पिछले एक दशक में इस ऑफ स्पिनर के सामने कई चुनौतियां आयी लेकिन वह लगातार सीखने के जज्बे और इच्छाशक्ति से इससे पार पाने में सफल रहे. अश्विन के नाम टेस्ट में 516 विकेट है और वह भारत के लिए कुंबले (619) के बाद दूसरे सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. भारत के पूर्व लेग स्पिनर कुंबले इससे बिल्कुल भी आश्चर्यचकित नहीं थे। कुंबले ने अश्विन को 100 टेस्ट और 500 विकेट पूरे करने पर तमिलनाडु क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कहा किअश्विन के सामने कई चुनौतियां आई हैं. उन्होंने किसी भी चुनौती को अपनी प्रगति में रोड़ा बनने का मौका नहीं दिया. वह एक दशक से अधिक समय से देश के लिए एक असाधारण मैच विजेता रहा है, और उसने जो निरंतरता दिखाई है, वह शानदार है. कुंबले ने कहा कि इस तरह की सफलता के लिए अपने उद्देश्य के प्रति पूर्ण समर्पण की आवश्यकता है.

ब्रीफ खबरें

फुटबॉल : कश्मीर व दिल्ली के बीच मैच ड्रॉ

श्रीनगर । रीयल कश्मीर एफसी को रविवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर आई लीग के महत्वपूर्ण मैच में दिल्ली एफसी से 1-1 से ड्रा खेलकर अंक बांटने पड़े. रीयल कश्मीर एफसी का यह लगातार तीसरा ड्रॉ रहा. दोनों गोल दूसरे हाफ में हुए. दिल्ली एफसी के लिए गुरतेज सिंह ने 52वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी लेकिन 82वें मिनट में आत्मघाती गोल से टीम इस बढ़त को गंवा बैठी. इस ड्रॉ से रीयल कश्मीर की टीम 20 मैच में 36 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है. कोलकाता की मोहम्मडन स्पोर्टिंग 19 मैच में 44 अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है. दिल्ली एफसी के 20 मैच में 23 अंक है जिससे वह नौवें स्थान पर है.

दीक्षा डागर ने कट में जगह बनाई

लॉन्गवुड (फ्लोरिडा) । भारत की दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में छह बर्डी और इतनी ही संख्या में बोगी लगाकर इवन पार 71 का कार्ड खेला, जिससे वह आईओए गोल्फ क्लासिक के कट में जगह बनाने में सफल रही. दीक्षा ने एप्सन टूर की इस प्रतियोगिता के पहले दौर में तीन ओवर 74 का कार्ड खेला था. इस तरह से दूसरे दौर के बाद उनका कुल स्कोर तीन ओवर पर है. टूर्नामेंट में कट भी तीन ओवर पर गया. लेडीज यूरोपियन टूर की दो प्रतियोगिताओं में शीर्ष 10 में जगह बनाकर यहां पहुंची दीक्षा अगले सप्ताह भी एप्सन टूर के टूर्नामेंट में भाग लेगी. इसके बाद वह फिर से लेडीज यूरोपियन टूर में लौट जाएगी.

आईपीएल 2024 की तैयारी में जुटी टीमें

केकेआर से जुड़े श्रेयस अय्यर

खास बातें

- पीठ में दर्द के कारण अय्यर का खेलना संदिग्ध था
- 23 को अपने अभियान की शुरुआत करेगा केकेआर

भाषा । कोलकाता

आईपीएल 2024 से पहले सभी टीमों ने अभ्यास शुरू कर दिया है. कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र से पहले टीम के अभ्यास शिविर से जुड़ गए हैं. पीठ से जुड़ी परेशानियों के कारण अय्यर के टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में खेलना संदिग्ध लग रहा था. केकेआर ने अय्यर के शहर में पहुंचने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी की हैं. पीठ के ऑपरेशन के कारण अय्यर पिछले साल आईपीएल में नहीं खेल पाये थे. उन्होंने सितंबर में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की थी लेकिन पीठ दर्द उन्हें परेशान करता रहा. वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच में खेले थे लेकिन इसके बाद उनकी पीठ में दर्द होने लग गया था. उन्हें बाकी बचे तीन टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया था.

अय्यर मुंबई की तरफ से रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाए थे लेकिन सेमीफाइनल और फाइनल में वह टीम का हिस्सा थे. विदर्भ के खिलाफ फाइनल में वह पीठ दर्द से परेशान रहे. इस कारण वह मैच के अंतिम दो दिन मैदान पर नहीं उतरे. केकेआर आईपीएल में अपना पहला मैच 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ईडन गार्डंस में खेलेगा.

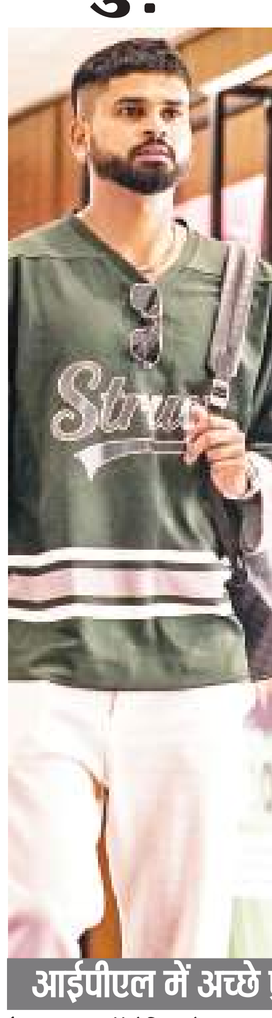

आईपीएल खेलने के लिए कोहली भारत लौटे

नयी दिल्ली । स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने बेटे अकाय के जन्म के बाद रविवार को भारत लौट आये हैं. कोहली आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के ट्रेनिंग शिविर में जुड़ने को तैयार हैं. कोहली ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला लेते हुए भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला से हटने का फैसला किया था. बाद में बताया गया कि यह ब्रेक इसलिये लिया गया ताकि यह स्टार बल्लेबाज ब्रिटेन में अपने बेटे के जन्म के समय अपनी पत्नी के साथ रह सके. आईपीएल प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स ने ट्वीट किया कि विराट कोहली लौट आये हैं. 'रेड किंग' भारत में 22 मार्च को सीएसके के खिलाफ अपना आईपीएल अभियान शुरू करने के लिए तैयार हैं. इसमें लिखा था कि किंग के लिए चीयर करने और 'किंगली बीट्स' पर थिरकने के लिए तैयार हो जाइये क्योंकि स्टार स्पोर्ट्स का नया एंथम 'कोहली कॉलिंग' सभी मंच पर रिलीज हो गया है.

आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद : हेड

हैदराबाद । ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने उम्मीद जताई है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह

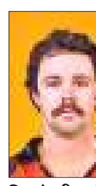

सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे. हेड सनराइजर्स की टीम के अभ्यास शिविर से जुड़ गए हैं. हेड छह साल बाद आईपीएल में खेलेंगे. हेड ने कहा कि मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं. वापसी करके अच्छा लग रहा है. उम्मीद है कि मेरे लिए यह सत्र अच्छा होगा. टीम अच्छी लग रही है. उम्मीद है कि मैं टीम के लिए अपना योगदान दूंगा. मैं खचाखच भरे स्टेडियम में खेलने को लेकर रोमांचित हूं. सनराइजर्स की कमान इस बार ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस संभाल रहे हैं.

अल्कराज-मेदवेदेव के बीच होगा फाइनल

भाषा । इंडियन वेल्स

कार्लोस अल्कराज और दानिल मेदवेदेव ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह पक्की की, जहां दोनों एक दूसरे से भिड़ेंगे. कार्लोस अल्कराज ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके यानिक सिनर के पिछले 19 मैच से चल रहे विजय अभियान पर रोक लगाई और फाइनल में जगह बनाई. अल्कराज ने बारिश प्रभावित इस मैच में सिनर को 1-6, 6-3, 6-2 से हराया. अल्कराज की इंडियन वेल्स में यह लगातार 11वीं जीत है, जिससे उन्होंने विश्व रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान फिर से हासिल कर लिया है. दानिल मेदवेदेव ने दूसरे सेमीफाइनल में टॉमी पॉल को हराया. पहला सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव ने शानदार वापसी करते हुए टॉमी पॉल को 1-6, 7-6, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेस किया.

बीएनपी परिबास ओपन

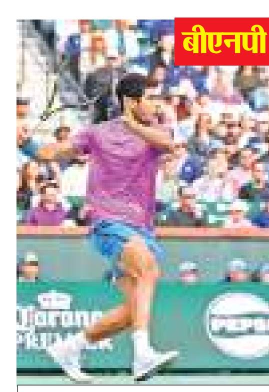

- मेदवेदेव ने टॉमी पॉल को 1-6, 7-6, 6-2 से हराया
- अल्कराज ने सिनर को 1-6, 6-3, 6-2 से हराया
- इंडियन वेल्स में अल्कराज ने दर्ज की लगातार 11वीं जीत

सीह सु-वेई व मर्टेंस बनीं चैंपियन

महिला युगल के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त ताइवान की सीह सु-वेई और बेल्जियम की एलीस मर्टेंस ने तीसरी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर और चेक गणराज्य की कटेरीना सिनियाकोवा को हराया. सीह सु व एलीस की जोड़ी ने 6-3, 6-4 से जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया.

भारत ने वान डी पोल को कोच नियुक्त किया

नयी दिल्ली । भारत ने पेरिस ओलंपिक के लिए पुरुष हॉकी टीम की तैयारियों में मदद के लिए नीदरलैंड के गोलकीपिंग विशेषज्ञ डेनिस वान डी पोल को फिर से अपने सहयोगी स्टाफ में शामिल किया है. वान डी पोल इससे पहले भी भारतीय गोलकीपरों के साथ काम कर चुके हैं. वह पहली बार 2019 में भारतीय टीम से जुड़े थे. भारतीय टीम अभी भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग ले रही है. वान डी पोल शिविर से जुड़कर तीनों गोलकीपर पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक और सूरज करकेरा के साथ मिलकर काम करेंगे. मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की देखरेख में 10 दिवसीय विशेष गोलकीपिंग शिविर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम के रवाना होने से एक सप्ताह पहले 26 मार्च को समाप्त होगा.

इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में रांची की टीम

संवाददाता । रांची

अंडर-14 क्रिकेट

- रांची की टीम ने गुमला को 137 रन से हराया
- रांची के तनवीर ने चटकाए चार विकेट, बने मैन ऑफ द मैच

जेएससीए द्वारा आयोजित अंडर-14 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट में गुमला को हराकर रांची की टीम सेमीफाइनल में पहुंची. रविवार को खेले गए एकतरफा मुकाबले में रांची ने गुमला को 137 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए रांची ने 226 रन बनाए. टीम के लिए रवि राज ने सर्वाधिक 66 रन बनाए. गुमला के मेहुल ने दो विकेट चटकाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी चतरा की टीम 89 रन बनाकर ढेर हो गई. टीम के लिए नैतिक ने 39 रन बनाए. रांची के तनवीर ने चार विकेट चटकाए, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ मैच चुना गया. मंगलवार को बोकारो और रांची के बीच होगा सेमीफाइनल मुकाबला.

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल

डार्मस्टेड (जर्मनी) । इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन बायर्न म्युनिख की तरफ से खेलते हुए चोटिल हो गए, जिसके कारण उनका ब्राजील और बेल्जियम के खिलाफ मैत्री मैचों में खेलना संदिग्ध है. बुंदेसलीगा के इस मैच में केन का टखना मुड़ गया था. उन्होंने पहले मैदान पर ही चिकित्सा सहायता ली लेकिन इसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था. बायर्न के कोच थॉमस ट्यूशेल ने अपनी टीम की डार्मस्टेड पर 5-2 से जीत के बाद कहा कि गोल पोस्ट के करीब उनका टखना मुड़ गया था. हमारे पास अभी पूरी जानकारी नहीं है. उम्मीद है कि यह मामूली चोट होगी. केन ने इससे पहले अपना 31वां गोल करके बुंदेसलीगा में पदार्पण सत्र में सर्वाधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया था. इंग्लैंड को ब्राजील के खिलाफ 23 मार्च को वेम्बले स्टेडियम में मैत्री मैच खेलना है.

विवाद दो साल से थे अनफिट पर राज्य के सबसे बड़े प्रशिक्षण केंद्र, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मिली इंट्री

बिना एनआईएस डिग्री के सहायक कोच बने मोहंती

संवाददाता । रांची

खेल प्रशिक्षकों की नियुक्ति और पहले से पदस्थापित प्रशिक्षकों का तबादला बीते शुक्रवार को किया गया था, जिसके बाद से खेल विभाग विवादों में है. विवाद यह है कि बाहर से आए प्रशिक्षकों की नियुक्ति हुई, अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोच का ट्रांसफर आवासीय सेंटर में हुआ, शिष्य को हेड कोच तो गुरु को सहायक कोच बनाया गया समेत कई ऐसे मामले सामने आये हैं. जानकारी के अनुसार रांची के तीरंदाजी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में भी एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां एच मोहंती सहायक प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है, लेकिन मोहंती पिछले दो वर्ष से अनफिट थे, जिस कारण से उनके वेतन पर भी रोक लगा दी गई थी. वहीं मोहंती के पास एनआईएस की डिग्री भी नहीं है. जानकारों का कहना है कि पिछले दो साल से मोहंती ने धनुष को हाथ तक नहीं लगाया है, लेकिन अब मोहंती को राज्य के सबसे बड़े खेल प्रशिक्षण केंद्र, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का सहायक कोच बना दिया गया है.

खास बातें

- अनफिट मोहंती के वेतन पर भी लगा दी गई थी रोक
- छह सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स कर बने सहायक प्रशिक्षक

मोहंती ने किया है सर्टिफिकेट कोर्स : डीएसओ

इस मामले में मोहंती के पूर्व में पदस्थापित जिला सरायकेला खरसांवां के खेल पदाधिकारी (डीएसओ) से बात की गई, तो डीएसओ ने बताया की छह महीने पहले ही उन्होंने सरायकेला का पदभार ग्रहण किया है. उस समय से मोहंती मेडिकल लीव पर हैं. कुछ समय पहले ही उन्होंने दोबारा ज्वाइन करने की बात कही थी, जिसपर डीएसओ ऑफिस से निदेशालय को पत्र लिखकर अवगत कराया गया था. डीएसओ ने बताया की मोहंती ने छह सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स किया है.

गुलवीर ने तोड़ा 16 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भाषा । नयी दिल्ली

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एथलीट गुलवीर सिंह ने कैलिफोर्निया के सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में द टेन प्रतियोगिता में पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में 16 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा. उन्होंने अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल किया. गुलवीर ने शनिवार को अपनी इस स्पर्धा में 27 मिनट, 41.81 सेकंड का समय लेकर सुरेंद्र सिंह के 2008 में बनाए गए 28 मिनट, 02.89 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा. गुलवीर का यह प्रयास हालांकि ओलंपिक के क्वालिफिकेशन के लिए पर्याप्त नहीं था.

पेरिस ओलंपिक खेलों का क्वालिफिकेशन समय 27 मिनट है और इस तरह से यह भारतीय एथलीट 41 सेकंड के अंतर से इसे हासिल करने से चूक गया. इस स्पर्धा में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी कार्तिक कुमार 28 मिनट, 01.90 सेकंड का समय लेकर नौवें स्थान पर रहे. उनका समय भी सुरेंद्र सिंह के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर है. भारत के एक अन्य एथलीट अविनाश साबले इसी स्पर्धा में अपनी दौड़ पूरी नहीं कर पाए. वह 15वें लैप में 6000 मीटर की दूरी पूरी करने के बाद हट गए थे. महिलाओं की 10000 मीटर दौड़ में भारत की पारूल चौधरी 32 मिनट, 0 2.08 सेकंड का समय लेकर 20वें स्थान पर रही. वह भी पेरिस ओलंपिक के क्वालिफिकेशन समय 30 मिनट, 40.00 सेकंड को हासिल करने में नाकाम रही.

रिकॉर्ड टूटा

- गुलवीर ने सुरेंद्र के 2008 में बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ा
- सुरेंद्र का रिकॉर्ड 28 मिनट, 2.89 सेकंड का था

ब्रीफ खबरें

सीतामढ़ी में एमडीएम में फर्जीवाड़ा

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी में एकबार फिर मध्याह्न भोजन योजना संचालन में फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है. परिहार स्थित मदरसा रिजिविया शमशूल उलूम बाड़ा में प्रधान मौलवी द्वारा सचिव के जाली हस्ताक्षर से मध्याह्न भोजन योजना मद की राशि निकासी की पुष्टि होने पर एफआईआर का आदेश दिया गया है. एमडीएम डीपीओ आयुष कुमार ने मामले में प्रमंडलीय आयुक्त के निर्देश पर आदेश जारी कर परिहार बीईओ को उक्त मदरसा के प्रधान मौलवी के विरुद्ध 48 घंटे के भीतर स्थानीय थाना में सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराते हुए सूचना उपलब्ध कराने को कहा है.

गंगा नदी में डूबकर वार्ड पार्षद की मौत

मुंगेर। मुंगेर में गंगा नदी में डूबने वार्ड पार्षद की मौत हो गई. वह नहाने के लिए मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मनियारचक घाट गए थे. नहाने के दौरान गहराई में जाने से वार्ष पार्षद डूब गए. इसके बाद राहत-बचाव दल की टीम ने काफी मशक्कत के बाद शव को नदी से बाहर निकाला. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों को भीड़ लग गई. पुलिस मामले की जांच कर रही है. मृतक की पहचान नौवागढ़ी दक्षिणी पंचायत के सिघेश्वर टोला के वार्ड संख्या 4 निवासी योगेंद्र प्रसाद मंडल का 42 वर्षीय पुत्र वार्ड सदस्य संतोष कुमार मंडल के रूप में हुई है.

समस्तीपुर में विवाहिता की हत्या

समस्तीपुर। समस्तीपुर के हसनपुर थाने के कोकनी गांव में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या कर दी गई. 10 माह पहले ही उसकी शादी हुई थी. मायके वालों का आरोप है कि ससुराल वालों ने फांसी लगाकर मार डाला. इसके बाद साक्ष्य छिपाने के लिए शव को जला रहे थे. समय रहते पुलिस मौके पर पर पहुंच गई और अधजली लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. विवाहित की पहचान गांव के पप्पू यादव की पत्नी बुच्ची देवी 20 वर्ष के रूप में की गई है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

बीपीएससी पेपर लीक मामले में 313 अभ्यर्थियों को जेल

संवाददाता। पटना

▪ फाइल फोटो

खास बातें
- 266 अभ्यर्थियों को बेउर जेल भेजा गया
- इधर, 88 महिला अभ्यर्थियों को न्यायिक हिरासत में रखा है

बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन (बीपीएससी) शिक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में नीतीश सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 313 आरोपित अभ्यर्थियों को जेल भेज दिया है. इनमें 266 को बेऊर जेल भेजा गया है तो 88 महिलाओं को न्यायिक हिरासत में रखा गया है. इस कांड में अब तक के सबसे बड़े सॉल्वर गैंग का खुलासा हुआ है. इस मामले में तेजस्वी और राहुल गांधी ने रविवार को सवाल उठाया है. तेजस्वी ने तो इस मामले में एक मंत्री को दोषी भी करार दिया है और जनता से सवाल किया है कि इस मंत्री का नाम बुझो तो जानें? पेपर लीक मामले में तेजस्वी यादव ने ट्वीट करते हुए लिखा है, ''हमारे 17 महीनों का सुनहरा कार्यकाल, जिसमें पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से युवाओं को चार लाख से अधिक नौकरियां दी गयी. वह बिहार में प्रतियोगी परीक्षाओं का स्वर्णिम काल था. अब नीतीश-भाजपा सरकार ने डेढ़ महीने में ही 17 साल के पुराने कारनामों को दोहराते हुए नकल माफिया को इतना प्रोत्साहन दे दिया कि बीपीएससी शिक्षक भर्ती के तीसरे चरण में प्रतियोगी परीक्षाओं के विश्व इतिहास में प्रथम बार एडमिट कार्ड में ही आंसर भी बतायी जा रही है.

साथ ही पेपर लीक कराने वाले नकल माफिया को बचाने के लिए इनके वरिष्ठ मंत्री प्रशासन पर दबाव बना रहे है. पुलिस को फोन कर रहे. आर्थिक अपराध इकाई की जांच में यह बात भी सामने आई है कि परीक्षार्थियों से 10-10 लाख में सॉल्वर गैंग ने डील फिक्स किया था. लाखों की राशि उनसे उतार ली गई थी उसके बाद पूछे जाने वाले प्रश्नों की तैयारी के लिए उन्हें हजारीबाग के कोहिनूर होटल में ले जाया गया था. सॉल्वर गैंग से प्राप्त कागजातों में लेनदेन के सबूत भी मिले हैं.

पेशी के दौरान अभ्यर्थियों ने इसकी पुष्टि भी की. जिन लोगों ने पैसे नहीं दिए थे उनके ओरिजिनल डॉक्यूमेंट गैंग ने अपने पास सीज कर लिया था. उनसे ब्लैंक चेक भी लिए गए थे. कांग्रेस सांसद के मुताबिक, एक अभ्यर्थी के संबंधी ने बताया कि उससे एक लाख नकद लिया गया था उसके बाद सवालों के उत्तर हटाने के लिए हजारीबाग भेजा था. बाकी भुगतान मेरिट लिस्ट में नाम आने के बाद होता.

पुलिस ने 2 लाख के इनामी अपराधी बबलू को पकड़ा

संवाददाता। जमुई

दो दिन पहले ही बिहार पुलिस मुख्यालय द्वारा 2 लाख इनाम घोषित करने के बाद कुख्यात अपराधी बबलू यादव को जमुई पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है. आपको बता दें यह शातिर अपराधी लगभग चार वर्षों से जमुई पुलिस को चकमा दे रहा था. प्रेस को संबोधित करते हुए जमुई सदर डीएसपी सतीश सुमन ने बताया की 16 मार्च को जमुई पुलिस अधीक्षक डॉक्टर शौर्य सुमन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम गठित कर उक्त अपराधी की गिरफ्तारी मलयपुर थाना क्षेत्र के पतौना चौक के समीप से की गई. आपको बताते चले की कुख्यात अपराधी बबलू यादव लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के मगही गांव का रहने वाला है और इस अपराधी पर जमुई के विभिन्न थानों में कुल छह केस दर्ज है. जमुई पुलिस बड़ी सफलता मान रही है.

बांका में जेवर व्यवसायी के हाथ-पैर बांध कर लूटपाट की

दिनदहाड़े एक किलो चांदी और 50 हजार कैश लूट कर फरार

संवाददाता। बांका

बांका के बाराहाट मुख्य बाजार में रविवार को दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान में लूटपाट की गई. बाइक सवार तीन बदमाश दुकान के पास पहुंचे और स्वर्ण व्यवसायी का हाथ-पैर बांध दिया. फिर मुंह पर टेप चिपका दिया. इसके बाद दुकान से एक किलो चांदी और 50 हजार कैश लेकर भाग निकले. घटना को अंजाम देकर आसानी से फरार हो गए. वहीं दिनदहाड़े हुई इस लूट की घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है.बाइक पर सवार होकर कुछ अज्ञात अपराधी बाराहाट बाजार के एक दुकान में पहुंचे और हथियार का भय दिखाकर लूटपाट किया. पीड़ित कारोबारी रमेश चौधरी बताए जा रहे हैं. बाइक पर सवार तीन अपराधी उनके दुकान मां दुर्गा श्रृंगार सदन पहुंचे और हथियार का भय दिखाकर चांदी के जेवरत, सोना और कैश लेकर फरार हो गए.

पटना में गोलीबारी से हड़कंप, एक युवक घायल

पटना। राजधानी पटना के पॉश इलाके में रविवार को गोलीबारी होने से हड़कंप मच गया. बताया जा रहा है कि इस गोलीबारी में एक युवक घायल हो गया है. घटना में एक 19 वर्षीय छात्र को गोली लगी है जिसका इलाज निजी स्कूल अस्पताल में कराया जा रहा है. पुलिस की मानें तो पुरानी रंजिश में दो गुटों के बीच गोलीबारी की घटना हुई है. दो छात्र गुट के बीच हुई गोलीबारी की इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. मामला पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र का है. यहां के पाटलिपुत्र तुलसी पथ पर हुई गोलीबारी के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अपराधियों के धड़-पकड़ का अभियान चलाया है. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और वहां से कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है. बताया जा रहा है कि घटना में घायल छात्र का नाम आयुष है. घटना के बाद कुछ लोगों को पुलिस ने पकड़ा है और उनसे पूछताछ जारी है. उनके पास से 2 कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद हुआ है.

स्कार्पियो ने युवक को कुचल डाला, गाड़ी जब्त

पटना। पटना में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है. घटना मोर्यालोक का है. जहां एक युवक को तेज रफ्तार स्कार्पियो ने रौंद दिया है. फिलहाल युवक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है. वहीं इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया है. बताया जा रहा कि तेज रफ्तार में आ रही स्कार्पियो ने युवक को रौंद कर घटनास्थल से फरार हो गया है. वहीं ट्रैफिक थाने की पुलिस ने स्कार्पियो को जब्त कर लिया है. बताया जा रहा है कि स्कार्पियो किसी रसूखदार की है और गाड़ी को छुड़वाने के लिए लगातार थाना में पैरवी हो रही है.

पेड़ से लटका मिला युवती का शव,रजौली में हड़कंप

संवाददाता। नवादा

जिले के रजौली थाना क्षेत्र के धमनी पंचायत की बुढ़ियासाख बक्सवा पहाड़ी पर एक पेड़ से लटकता युवती का शव बरामद किया गया. आशंका जताई जा रही है कि तीन-चार दिन पूर्व ही युवती की मौत हुई है. फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है. बताया जाता है कि पहाड़ी की तरफ गए कुछ ग्रामीणों की नजर पेड़ से लटकते युवती के शव पर पड़ी. जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई. शव देखने के बाद लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया. तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई. जिसके बाद एसआई गौतम कुमार पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. ग्रामीणों के मुताबिक, मृतका की उम्र 18 से 20 वर्ष की है. आशंका है कि युवती की हत्या करने के बाद गले में रस्सी डालकर शव को पेड़ से लटका दिया गया. ताकि लोग इसे आत्महत्या समझ सकें.

नशे में धुत कलयुगी पिता की हैवानी करतूत

नाबालिग बेटी का गला रेता,गंभीर

संवाददाता। कटिहार

कटिहार में नशे की हालत में एक पिता ने अपनी बेटी की गला रेत कर हत्या करने का प्रयास किया गया है. घटना फलका थाना क्षेत्र के टपुआ गांव का है. जहां एक शराबी पिता द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री का तेज धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या करने का प्रयास किया गया है. वहीं घटना के बाद हड़कंप मच गया. परिजनों ने आनन-फानन में नाबालिग को अस्पताल में भर्ती कराया. जहां बच्ची की स्थिति गंभीर बनी हुई है. घटना को लेकर पीड़िता की मां ने कहा कि, उसका पति हासो मुर्मू अक्सर लड़ाई झगड़ा करते रहते था. रविवार देर रात उसका पति शराब के नशे में घर आया था. जहां उसने उसके साथ मारपीट किया. जिसके बाद धारदार हथियार से अपनी बेटी का गला रेत दिया. घटना में नाबालिग गंभीर रूप से जख्मी बताई जा रही है. जख्मी नाबालिग को परिजनों द्वारा प्राथमिक उपचार के लिए पूर्णिया के एक निजी अस्पताल ले जाया गया है. वहीं परिजनों के अनुसार अस्पताल में नाबालिग का स्थिति नाजुक बनी हुई है. घटना की सूचना पाकर थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार पटेल मौके पर पहुंच आरोपी पिता को गिरफ्तार कर घटना की जांच पड़ताल में जुट गए हैं.

कारोबार

मिट्टी के तेल की खपत 26% घटी : रिपोर्ट

मुंबई । देश में केरोसिन या मिट्टी के तेल की खपत में 2013-14 और 2022-23 के बीच साल-दर-साल आधार पर 26 की भारी गिरावट आई है. इसका मुख्य कारण सरकार की स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन देने की नीतियां हैं. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों में कहा गया है, हाल के समय की ऊर्जा नीतियों का प्रभाव देश में ईंधन के रूप में केरोसिन की खपत पर स्पष्ट दिखता है. केरोसिन की खपत में 2013-14 से 2022-23 तक सालाना आधार पर 25.78 प्रतिशत की की गिरावट आई है.

खुदरा विस्तार पर तेजी लाएगी डेकाथलॉन

लिली (फ्रांस)। फ्रांस की खेल क्षेत्र की खुदरा कंपनी डेकाथलॉन अपने 'सबसे महत्वपूर्ण' वैश्विक बाजारों में से एक भारत में उत्पादन और खुदरा पहुंच को और बढ़ाने के लिए निवेश में तेजी ला रही है. कंपनी की वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बारबरा मार्टिन कोपोला ने यह बात कही है. उन्होंने कहा कि डेकाथलॉन को भारतीय बाजार से अपनी उच्च वृद्धि दर जारी रहने की उम्मीद है.

जिस गति से भारत की इकॉनमी बढ़ रही है, उस पर आईएमएफ ने कहा-

2026 में भारत जापान से आगे निकल जाएगा

भाषा। नयी दिल्ली

1993 में जापान की इकॉनमी 4.54 ट्रिलियन डॉलर थी

1993 में भारत की इकॉनमी 280 अरब डॉलर थी

2023 में जापान की इकॉनमी 4.23 ट्रिलियन डॉलर हुई

2023 में भारत की इकॉनमी 3.73 ट्रिलियन डॉलर हो गई

वैश्विक अर्थव्यवस्था में इन दिनों भारी उथल-पुथल मची है. कोई अपनी बादशाहत को बचाने में लगा है तो कोई आगे बढ़कर नये पायदान पर पहुंचना चाहता है. इसी में भारत है. वह भारत जो दस साल पहले इकॉनमी में दुनिया में दसवें स्थान पर था, वह आज पांचवें स्थान पर है. इस पायदान को भी भारत पार करने में लगा है. इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत की इकॉनमी तेज गति से बढ़ रही है. माना जा रहा है कि कुछ ही समय में जापान को भी पीछे छोड देगा. अभी भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी है, जबकि जापान हाल में जर्मनी से पिछड़कर चौथे नंबर पर पहुंचा है. भारत की इकॉनमी जहां रॉकेट की स्पीड से बढ़ रही है वहीं जापान बमुश्किल से मंदी से बचा है. लेकिन आज से 30 साल पहले जापान दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी था और भारत उसके सामने कहीं नहीं टिकता था. 1993 में जापान की इकॉनमी का साइज 4.54 ट्रिलियन डॉलर था जो 2023 में घटकर 4.23 ट्रिलियन डॉलर रह गया है. दूसरी ओर 1993 में भारत की इकॉनमी का साइज महज 280 अरब डॉलर था जबकि 2023 में यह 3.73 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया. जापान की इकॉनमी किसी जमाने में रॉकेट की स्पीड से भाग रही थी और माना जा रहा था कि वह अमेरिका को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे बड़ी इकॉनमी बन जाएगा. लेकिन 1990 के दशक की शुरुआत में देश की इकॉनमी में सुस्ती का ऐसा दौर आया कि वह आज तक इससे उभर नहीं पाया है.

साल 2010 में जापान को पछाड़कर चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बन गया. पिछले साल जर्मनी के भी जापान को चौथे नंबर पर धकेल दिया. बैंक ऑफ जापान ने स्पेंडिंग और इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने के लिए साल 2016 में निगेटिव इंटरेस्ट रेट शुरू किया था. तबसे इसमें बदलाव नहीं किया है. इससे दुनियाभर के निवेशकों के लिए येन आकर्षित नहीं रह गया है. इससे येन की वैल्यू में और कमी आई है. दुनिया के कई बड़े देश मंदी की समस्या से जूझ रहे हैं लेकिन भारत की इकॉनमी रॉकेट की स्पीड से बढ़ रही है. आईएमएफ का कहना है कि 2026 में भारत जापान से आगे निकल जाएगा और फिर 2027 में वह जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बन जाएगा. मगर जापान और जर्मनी की इकॉनमी जिस तरह संघर्ष कर रही हैं, उससे लग रहा है कि भारत को टॉप तीन में पहुंचने में इतना लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा.

पिछले साल भारत की इकॉनमी बड़े देशों में सबसे तेजी से बढ़ी थी और अगले दो साल भी यही स्थिति रहने का अनुमान है. भारत में युवाओं की एक बड़ी आबादी है और माना जा रहा है कि उसे अगले कई साल तक डेमोग्राफिक डिविडेंड का फायदा मिलता रहेगा. फोर्ब्स के मुताबिक अमेरिका 27.974 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी बना हुआ है. चीन 18.566 ट्रिलियन डॉलर के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है. यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी वाला देश जर्मनी इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है. उसकी इकॉनमी का साइज 4.73 ट्रिलियन डॉलर है. जापान 4.291 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की चौथी बड़ी इकॉनमी है. भारत 4.112 ट्रिलियन डॉलर के साथ इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर है. साल 2014 में भारत दुनिया की दसवीं बड़ी इकॉनमी थी. भारतीय इकॉनमी को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने में 60 साल का समय लगा था. 2007 में भारत इस मुकाम पर पहुंचा था. भारत क इकॉनमी का साइज 2014 में भारत दो ट्रिलियन डॉलर और 2021 में तीन ट्रिलियन डॉलर पहुंचा था.

मदर डेयरी कारोबार विस्तार के लिए 650 करोड़ निवेश करेगी

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रमुख दुग्ध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी बढ़ती उपभोक्ता मांग के बीच अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए दूध के साथ-साथ फल और सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए दो नए संयंत्र स्थापित करने पर 650 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. इसके अलावा कंपनी अपने मौजूदा संयंत्रों की क्षमता का विस्तार करने के लिए 100 करोड़ रुपये का निवेश भी करेगी. मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लि. के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने पीटीआई-भाषा से कहा, अपने वितरण नेटवर्क और उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के अपने प्रयास में हमने प्रमुख स्थानों पर अपनी डेयरी और एफएंडवी प्रसंस्करण क्षमताओं के विस्तार के लिए 750 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है. उन्होंने बताया कि मदर डेयरी लगभग 525 करोड़ रुपये के निवेश के साथ नागपुर में एक बड़ा डेयरी संयंत्र लगा रही है.

एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 40,710 करोड़ रुपये डाले हैं

नयी दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (मार्च में) के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों में 40,710 करोड़ रुपये डाले हैं. वृहद आर्थिक परिदृश्य में सुधार और घरेलू मोर्चे पर मजबूत आंकड़ों से एफपीआई का भारतीय शेयरों में आकर्षण बना हुआ है. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे. वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बदलाव की वजह से अपनी रणनीति बदल रहे हैं. चूंकि अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल फिर बढ़ गया है, ऐसे में आगामी दिनों में एफपीआई फिर बिकवाली कर सकते हैं. निदेशक प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार की वजह से एफपीआई भारत जैसे बाजारों का रुख कर रहे हैं.

शेयर बाजार

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक मार्च के प्रथम पखवाड़े में आक्रामक खरीदार हुए, भारतीय शेयर मार्केट में 40170 करोड़ के शेयर खरीदे

निफ्टी में विगत सप्ताह 309 अंकों की गिरावट रही, कुछ समय के लिए निफ्टी 22000 के नीचे आया

शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

भारतीय शेयर मार्केट के निवेशकों लिए पिछला सप्ताह एक बहुत बड़ी सीख का रहा. यह सीख भविष्य के उनके निवेश संबधी निर्णयों लिए बहुत लाभदायक तथा उपयोगी सिद्ध होने वाली है. अनेक मध्यम तथा लघु शेयरों में बहुत ही बड़ी गिरावट देखने को मिली. वैसे इसी गिरावट न कह उचित मूल्यों की ओर आना कहना अधिक उचित होगा. अत्यंत अल्प समय में ही बहुत से शेयरों में तीन से पांच पांच गुना तक भाव बढ़ गए थे. इससे इन शेयरों के मूल्य उनकी आर्थिक स्थिति की तुलना में बहुत अधिक हो गए थे. यह सही नही था. ऐसे में इनके मूल्यों में तीव्र गिरावट आनी अवश्यंभावी तो थी ही, आवश्यक भी थी. ऐसा ही हुआ. कारण कुछ भी बना. सेबी द्वारा म्यूचुअल फंडों के द्वारा चलाए जा रहे लघु तथा मध्यम शेयरों की योजनाओं का स्ट्रेस परीक्षण इसका बड़ा कारण बना. इन शेयरों में गिरावट का क्रम बनना तो आरंभ हो गया था, परन्तु बुधवार तथा गुरुवार को तो हाहाकार सा मच गया. हजारों शेयरों में नीचे भावों का सर्किट लग गया था. दो ही दिनों में भावों 40 प्रतिशत तक की कमी आ गई थी. यद्यपि फिर कुछ स्थिति सुधरी तथा पुनर्वापसी भी दिखी.

इस पूरे घटनाक्रम से निवेशकों को शेयरों में निवेश से संबंधित कुछ सीख लेनी चाहिए.

अतिरेक में किसी शेयर में निवेश न करें. पीई अनुपात का ध्यान अवश्य रखें. लघु अवधि में शेयर का भाव कई गुणा बढ़ गया हो तो निवेश में अतिरिक्त सावधानी रखें. मार्केट पूंजीकरण को महत्व दें. यदि कंपनी के लाभ की तुलना में पूंजीकरण बहुत अधिक है तो ऐसे शेयरों में बहुत कम अथवा निवेश न करें. बिना अच्छे आधारभूत कारकों के शेयर जो मार्केट के बहाव में बह बहुत तेज हो रहें. उनमें निवेश से बचें या उचित समय पर निकल जाएं. मार्केट में छिपे भेड़िए भी होते हैं. वो कुछ शेयर विशेष को चलाते हैं. असामान्य गतिविधि के शेयरों से सावधान रहें. मार्केट में रिग करके बढ़ा दिए गए शेयरों के भाव अधिक समय टिक नही पाते हैं. उसी प्रकार अकारण नीचे आए भाव भी नही टिक पाते हैं. शेयर अपने उचित मूल्यांकन की ओर आने का प्रयास करते रहते हैं. उनके निकट आ ही जाते हैं. अतः ओवरप्राइस शेयर से निकल जाना चाहिए तथा अंडरप्राइस्ड शेयरों को इकट्ठा करना चाहिए. यह सर्वश्रेष्ठ निवेश नीति मानी जाती है. अब जिन शेयरों के भाव अपने उचित मूल्यों की ओर वापस आ चुके हैं, आ रहे हैं, उनमे निवेश करना प्रारंभ कर सकते हैं. रेलवे,रक्षा क्षेत्र के शेयर अभी तथा गिरावट में खरीदे जा सकते हैं.

लोकसभा के चुनावों की तिथि की घोषणा हो चुकी है. चुनाव 19 अप्रेल से आरंभ हो एक जून तक चलेंगे. इस अवधि में शेयर मार्केट राजनीतिक परिस्थितियों पर बहुत अधिक प्रतिक्रिया देगा. यद्यपि चुनावी सर्वेक्षणों में मोदी, भाजपा, राजग की बड़ी जीत की संभावना जताई गई है. यह अवधारणा शक्तिशाली होती है तथा चुनाव परिणाम ऐसे ही आते हैं तो भारतीय शेयर मार्केट में बड़ा उछाल दिख सकता है. कुछ अनिश्चितायें भी दूर हुई हैं. चुनाव तिथि की घोषणा तो है ही, इलेक्ट्रोल बॉन्ड, मिड तथा स्मॉल फंड के तनाव परीक्षण से संबंधित तथ्य भी आएं हैं. इससे भी मार्केट अनुमानों से परे यथार्थ से परिचित हुआ है. मार्केट को वस्तुस्थिति अच्छी लगती, असमंजस नहीं. चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है. अतः शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट किसी अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम से ही आ सकती है. वैसे ऐसा कुछ होता दिख तो नहीं रहा. आर्थिक मूल्यांकन तथा ईपीएस के आधार पर निफ्टी अभी उचित स्तरों पर है. निफ्टी में विगत सप्ताह 309 अंकों की गिरावट रही. कुछ समय के लिए निफ्टी 22000 के नीचे भी आया, परंतु सप्ताह अंत में 22000 के महत्वपूर्ण स्तर से ऊपर बंद रहने में सफल रहा. चुनाव तिथि की घोषणा मार्केट बंद होने के बाद शनिवार को हुई है. सोमवार को इसकी प्रतिक्रिया का पता चलेगा. अतः चुनाव को लेकर मार्केट तात्कालिक किस ओर चलता है, यह सोमवार को पता चलेगा. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक तो मार्च के प्रथम पखवाड़े में आक्रामक खरीदार हुए हैं. उन्होंने भारतीय शेयर मार्केट में 40170 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे. यद्यपि इनमे कुछ थोक क्रय भी हैं. जनवरी में इन्होंने 25743 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे. अतः इस आधार पर यह उनके मनोभाव में अच्छा सकारात्मक परिवर्तन है. विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले सप्ताह नकद संभाग में 768 करोड़ रुपए के शेयर बेचे परंतु उनके सामने घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 14198 करोड़ रुपयों की बहुत ही बड़ी खरीद की. एफआईआई की बिकवाली का लगभग 20 गुणा. यह डीआईआई की ओर से मार्केट को एक बड़ा तथा महत्वपूर्ण स्टेटमेंट है.

यूएस में जनवरी मुद्रास्फीति अनुमान 2.9 प्रतिशत से थोड़ा अधिक 3.1 प्रतिशत आई. दिसंबर के यह 3.4 प्रतिशत थी. शेयर मार्केट यूएस में ब्याज दरों में कमी के क्रम के प्रारंभ होने की आतुरता से प्रतीक्षा कर रहा है. यूएस बॉन्ड यील्ड गिरकर 4.069 है. यूएस डॉलर इंडेक्स 103.060 है. मिड कैप तथा स्मॉल कैप में इस वर्ष बड़ी चाल देखी गई. कुछ अतिरेक तो था, शेयर मार्केट में होता भी है, परंतु पिछले दो वर्षों में इनके ईपीएस में भी बड़ी वृद्धि हुई है. दो वर्ष पूर्व निफ्टी मिडकैप 150 का ईपीएस 396 तथा पीई 26.83 था. अभी यह बढ़कर 67 प्रतिशत वृद्धि के साथ 661 हो गया. इस कारण इसकी पीई भी 26.62 ही है. स्मॉल कैप में भी ऐसा ही कुछ हुआ. अतः बड़ी रैली के बाद सूचकांक के आधार पर मध्यम तथा लघु शेयर अधिक महंगे नहीं हुए हैं, हां शेयर विशेष की बात अलग है. पूरी चुनाव अवधि में अच्छे शेयर इकट्ठा करते रहिए. मोदी सरकार आने के पक्ष में हैं तो आक्रामक खरीद भी कर सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

चिकित्सक से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद (उप्र)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक महिला चिकित्सक से दुष्कर्म के आरोप में ग्राम प्रधान के पति को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. शालीमार गार्डन के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सिद्धार्थ गौतम ने पीड़िता के बयान के हवाले से बताया कि आरोपी सुनील की दो वर्ष पहले टीला मोड़ थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में महिला के क्लीनिक पर ही उससे दोस्ती हुई थी.

पूर्व आईपीएस चंद्रन भाजपा में हुए शामिल

पुडुचेरी। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी वीजे. चंद्रन रविवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पुडुचेरी इकाई के अध्यक्ष एस. सेल्वागणपति और गृह मंत्री ए. नमस्सिवयम की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हो गए. चंद्रन पिछले साल 31 मई को पुडुचेरी के पुलिस महानिरीक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए थे. भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, पुडुचेरी में 19 अप्रैल को होने वाला लोस चुनाव लड़ने का मेरा कोई इरादा नहीं है.

कांग्रेस विधायक भंडारी भाजपा में हुए शामिल

नयी दिल्ली। उत्तराखंड में कांग्रेस के विधायक राजेंद्र सिंह भंडारी रविवार को यहां भाजपा में शामिल हो गये. तीन बार के कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री भंडारी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम सहित अपने वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए. इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रवक्ता अनिल बलूनी भी मौजूद थे. बलूनी उत्तराखंड की गढ़वाल सीट से अपना पहला लोस चुनाव लड़ेंगे.

पुलिस टीम पर हमला कांस्टेबल की मौत

होशियारपुर। होशियारपुर में अवैध हथियार रखने के आरोपी एक व्यक्ति की तलाश के लिए रविवार को एक गांव में छापेमारी कर रही पुलिस की टीम पर हमला किया गया जिसमें एक कांस्टेबल की मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक यह घटना यहां से लगभग 66 किलोमीटर दूर मंसूरपुर गांव में हुई और मृतक की पहचान सीआईए के कांस्टेबल अमृतपाल सिंह के रूप में हुई है. होशियारपुर के एसएसपी सुरेन्द्र लांबा की एक टीम सिंह के आवास पर छापा मारने के लिए गांव में गई थी.

हत्या के दोषी आठ लोगों को उम्रकैद

प्रतापगढ़ (उप्र)। प्रतापगढ़ जिले की एक अदालत में वर्ष 2006 में हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में आरोपी आठ लोगों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद और जुर्माने की सजा सुनाई गई है. अधिवक्ता राकेश प्रताप सिंह ने रविवार को बताया कि नगर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर गौरी निवासी रामतूल मिश्रा का उनके ही गांव के निवासी राम प्यारे वर्मा से कृषि भूमि को लेकर विवाद था. 18 नवंबर 2006 को मिश्रा का बेटा कृष्णकान्त लौट रहे थे तभी सभी आरोपी ने हमला कर दिया था.

बदलता कश्मीर

कश्मीर में वाकई बदलाव नजर आ रहा है. श्रीनगर में न सिर्फ सैलानी आने लगे हैं, बल्कि वहां की रोजमर्रा जिंदगी में काफी परिवर्तन नजर आ रहा है. रविवार को श्रीनगर में कई पब्लिक आयोजन हुए और इसमें लोगों का उत्साह-जुड़ाव इसके प्रमाण हैं. सुंडा में आई-लीग 2023-24 फुटबॉल मैच हुआ. वहीं, डल झील के पास फॉर्मूला-4 इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 2024 का भी आयोजन हुआ. फोटो : पीटीआई

सिद्धू मूसेवाला की मां चरण कौर ने बेटे को जन्म दिया

नयी दिल्ली। दिवंगत सिंगर सिद्धू मूसेवाला की मां चरण कौर ने एक बेटे को जन्म दिया है. इस खबर के आते ही सिद्धू मूसेवाला के फैंस खुशी से झूम उठे. चरण कौर ने आईवीएफ तकनीक से बेटे को जन्म दिया है. सिद्धू के भाई के जन्म की सूचना खुद सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर ने दी. उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ यह जानकारी साझा की. बलकौर ने अपने नवजात बच्चे की पहली झलक सोशल मीडिया पर फैंस के लिए शेयर की. इंस्टाग्राम अकाउंट पर सिद्धू मूसेवाला के पिता ने अपने नवजात की तस्वीर शेयर की है. तस्वीर में दिख रहा है कि बलकौर अपने बेटे को गोद में लिये हुए हैं.उनके पीछे सिद्धू मूसेवाला की तस्वीर रखी हुई है.

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के मौके पर राहुल गांधी बोले-

भाजपा सिर्फ शोर मचाती है,उसमें संविधान बदलने का साहस नहीं

- दक्षिण मुंबई में महात्मा गांधी के घर मणिभवन से न्याय संकल्प पदयात्रा निकाली गयी

एजेंसी। मुंबई

अगर भारत मोहब्बत का देश है, तो नफरत क्यों फैलाई जा रही है? हम कहते हैं कि भाजपा नफरत फैलाती है, लेकिन इस नफरत का कोई आधार होना चाहिए. इस देश में हर दिन गरीबों, किसानों, दलितों, महिलाओं और युवाओं के खिलाफ अन्याय हो रहा है. यह बात राहुल गांधी ने मुंबई में कही. राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन अवसर पर रविवार सुबह दक्षिण मुंबई में महात्मा गांधी के घर मणिभवन से न्याय संकल्प पदयात्रा निकाली गयी. यात्रा में प्रियंका गांधी, महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी सहित अन्य शामिल हुए. राहुल गांधी ने दावा किया कि सत्तारूढ़ भाजपा शोर बहुत मचाती है, लेकिन उसमें संविधान को बदलने का साहस नहीं है. राहुल ने यह भी कहा कि सच्चाई और देश की जनता उनके साथ है. भाजपा सांसद अनंतकुमार हेगड़े ने हाल में कहा था कि उनकी पार्टी को संविधान में संशोधन करने के लिए और कांग्रेस द्वारा इसमें जोड़ी गयी अनावश्यक चीजों को हटाने के लिए' संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी.

पदयात्रा में प्रियंका-भास्कर शामिल हुईं

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन अवसर पर मुंबई में मणि भवन से न्याय संकल्प पदयात्रा निकाली. शिवाजी पार्क में एक विशाल रैली का आयोजन किया गया. इस पदयात्रा में राहुल गांधी के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा और अभिनेत्री स्वरा भास्कर भी शामिल हुईं.

अगस्त क्रांति मैदान से ही 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ था

भाजपा ने हेगड़े की टिप्पणियों से पैदा हुए विवाद को शांत करने की कवायद में इसे उनका निजी विचार बताया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा था. राहुल गांधी मुंबई में महात्मा गांधी के आवास मणि भवन से अगस्त क्रांति मैदान तक 'न्याय संकल्प पदयात्रा करने के बाद यहां एक सभा को संबोधित कर रहे थे. अगस्त क्रांति मैदान में ही ब्रिटिश राज से आजादी के लिए भारत के संघर्ष के दौरान 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ था. उन्होंने कहा, भाजपा बहुत शोर मचाती है लेकिन उसमें संविधान को बदलने का साहस नहीं है.

मौजूदा लड़ाई दो अभिव्यक्तियों के बीच की है : वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल ने कहा कि मौजूदा लड़ाई केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच नहीं बल्कि दो अभिव्यक्तियों के बीच है. उन्होंने कहा, कोई सोचता है कि देश एक केंद्र से चलना चाहिए, जहां एक व्यक्ति के पास सारा ज्ञान है, इसके विपरीत, हम सोचते हैं कि शक्ति का विकेंद्रीकरण होना चाहिए और लोगों की आवाज सुनी जानी चाहिए. राहुल ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) की डिग्री है तो इसका यह मतलब नहीं है कि उसके पास किसी किसान के मुकाबले ज्यादा ज्ञान है.

मोदी और आरएसएस की सोच है कि सिर्फ एक व्यक्ति के पास ज्ञान है : कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच है कि सिर्फ एक व्यक्ति के पास ज्ञान है. किसान, मजदूर और बेरोजगार युवाओं को कोई ज्ञान नहीं है. इससे पहले शनिवार को कांग्रेस सांसद ने मध्य मुंबई में डॉ. भीमराव आंबेडकर के स्मारक 'चैत्यभूमि' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर और संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपनी 63 दिवसीय 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का समापन किया. यह यात्रा 14 जनवरी को संघर्षग्रस्त मणिपुर से शुरू हुई थी. हालांकि भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन शनिवार को विधिवत हो गया था. राहुल ने कहा था कि न्याय यात्रा का आज समापन है, लेकिन यह अंत नहीं, न्याय की लड़ाई का आरंभ है.

इजराइल ने सीरिया में कई ठिकानों पर हवाई हमले किये

एजेंसी। बेरुत

इजराइल ने शनिवार देर रात दक्षिणी सीरिया में कई स्थानों पर हवाई हमले किये, जिसमें एक सैनिक घायल हो गया. सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना ने एक अज्ञात सैन्य अधिकारी के हवाले से बताया कि वायु रक्षा प्रणाली ने इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स की ओर से देर रात स्थानीय समयानुसार 12.42 बजे आयी कुछ मिसाइलों को मार गिराया. एक बयान में कहा गया है कि इन हमलों से नुकसान पहुंचा है और एक सैनिक घायल हो गया है. युद्ध पर निगरानी रखने वाले ब्रिटेन स्थित संगठन 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने बताया कि इजराइली हवाई हमलों में दमिश्क के उत्तरपूर्वी कलमौन पर्वत पर स्थित दो सैन्य अड्डों को निशाना बनाया गया.

महादेव सट्टा ऐप

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल और अन्य के खिलाफ मामला हुआ दर्ज

एजेंसी। रायपुर

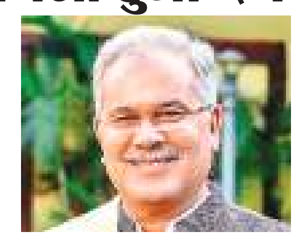

छत्तीसगढ़ में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने ईडी द्वारा सौंपी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर कथित महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अन्य के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. लगभग एक साल से अधिक समय से महादेव ऐप से जुड़े धन शोधन मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि उसकी जांच में छत्तीसगढ़ के विभिन्न उच्च पदस्थ राजनेताओं और नौकरशाहों की संलिप्तता सामने आई है. महादेव ऐप के दो मुख्य प्रवर्तक छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखते हैं. ईडी के अनुसार, इस मामले में अपराध से अर्जित अनुमानित आय करीब 6,000 करोड़ रुपये है. ईओडब्ल्यू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ईडी मामले की जांच कर रही है और राज्य की आर्थिक अपराध शाखा/भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर चार मार्च को यहां ईओडब्ल्यू पुलिस थाने में बघेल और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

स्टार्टअप महाकुंभ

शामिल हो सकते हैं प्रधानमंत्री दो हजार उद्यमी होंगे शामिल

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज से शुरू होने वाले स्टार्टअप महाकुंभ में आ सकते हैं, जिसमें 2,000 से अधिक उद्यमी शामिल हो रहे हैं. उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने रविवार को कहा कि प्रगति मैदान में आज से शुरू हो रहे तीन दिवसीय स्टार्टअप महाकुंभ में सरकार बड़ी भूमिका निभा रही है. हमें उम्मीद है कि हम प्रधानमंत्री को इस कार्यक्रम में लाने में सफल होंगे. अब चूंकि आम चुनाव की घोषणा हो गई है, तो कुछ औपचारिकताएं हैं. लेकिन हमें अभी भी उम्मीद है कि हम उन्हें इस कार्यक्रम में लाने में सफल होंगे. आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम में दो हजार से अधिक स्टार्टअप, एक हजार से अधिक निवेशक, 300 इनक्यूबेटर, तीन हजार सम्मेलन प्रतिनिधि, 20 से अधिक देश के प्रतिनिधि, सभी भारतीय राज्यों के भावी उद्यमी, 50 से अधिक यूनिकॉर्न और 50 हजार से अधिक व्यवसायी शामिल हो सकते हैं. सिंह ने कहा कि यह आयोजन इस तरह के पिछले किसी भी आयोजन के मुकाबले 100 गुना अधिक बड़ा है.

सोमालिया के 35 समुद्री डाकुओं ने नौसेना के सामने किया आत्मसमर्पण

नयी दिल्ली। भारतीय नौसेना द्वारा भारतीय तट से 1,400 समुद्री मील दूर एक व्यापारी जहाज को बंधक बनाने वाले 35 जलदस्युओं को आत्मसमर्पण करने के लिए विवश कर दिया है. नौसेना ने चालक दल के 17 सदस्यों की सुरक्षित रिहाई कराई है. नौसेना ने अपने पी-8I समुद्री गश्ती विमान, फ्रंटलाइन जहाज आईएनएस कोलकाता और आईएनएस सुभद्रा और मानव रहित हवाई यान को तैनात किया था. अभियान के लिए सी-17 विमान से विशिष्ट मार्कोस कमांडो को उतारा गया. इससे पहले, नौसेना ने सोमालिया के पूर्वी तट पर जहाजों के अपहरण के डाकुओं के एक प्रयास को विफल कर दिया था.

आरएसएस ने कहा-

चुनावी बॉण्ड एक 'प्रयोग', कितना फायदेमंद रहा यह समय बताएगा

भाषा। नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को कहा कि चुनावी बॉण्ड एक 'प्रयोग' है और वक्त आने पर पता चलेगा कि यह कितना फायदेमंद और प्रभावी रहा. संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने रविवार को दत्तात्रेय होसबाले को तीन साल के लिए पुनः सरकार्यवाह (महासचिव) निर्वाचित किया. चुनावी बॉण्ड मुद्दे पर जतायी जा रही चिंताओं और लाभ पाने के लिए इन्हें खरीदने के दावों के बारे में होसबाले ने कहा कि संघ ने अभी तक इसके बारे में चर्चा नहीं की है. चुनावी बॉण्ड नियंत्रण और संतुलन के साथ किया गया और ऐसा नहीं है कि चुनावी बॉण्ड आज अचानक पेश किए गए, ऐसी योजना पहले भी लायी गयी. जब भी कोई बदलाव होता है तो सवाल उठाए जाते हैं. जब ईवीएम लायी गयी थीं, तब भी सवाल उठाए गए थे. होसबाले ने कहा, जब नयी चीजें आती हैं तो लोगों का सवाल उठाना स्वाभाविक है, लेकिन वक्त आने पर पता चलेगा कि नयी व्यवस्था कितनी फायदेमंद और प्रभावी रही. इसलिए संघ को लगता है कि इसे प्रयोग के लिए छोड़ देना चाहिए.

डीएमके को लॉटरी किंग सैंटियागो ने दिया 509 करोड़ चंदा

एजेंसी। नयी दिल्ली

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इलेक्टोरल बॉण्ड से जुड़ी नई जानकारी अपनी वेबसाइट पर शेयर कर दी है. राजनीतिक दलों ने बंद लिफाफे में ये जानकारी इलेक्शन कमीशन को सौंपी थी. लेकिन तत्कालीन नियमों के चलते इसे सार्वजनिक नहीं किया गया था. चुनाव आयोग के मुताबिक, तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके को 656.5 करोड़ रुपए का चंदा इलेक्टोरल बॉंड के जरिए मिला है. इसमें लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के फ्यूचर गेमिंग के 509 करोड़ रुपए भी शामिल हैं. चुनाव आयोग ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक, भाजपा ने कुल 6986.5 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड कैश कराए हैं. पार्टी ने 2019-20 में सबसे ज्यादा 2555 करोड़ के इलेक्टोरल बॉण्ड कैश कराए. चुनाव आयोग ने कहा, राजनीतिक दलों से प्राप्त डेटा सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में जमा किया गया था. 15 मार्च, 2024 के एससी के आदेश पर अमल करते हुए न्यायालय की रजिस्ट्री ने सीलबंद लिफाफे में एक पेन ड्राइव में डिजिटल रिकॉर्ड के साथ कॉपियां वापस कर दीं. आयोग ने रविवार को चुनावी बॉण्ड को लेकर सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से डिजिटल रूप में प्राप्त डेटा को अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है.

निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर डाले गए आंकड़े

- भाजपा ने कुल 6,986.5 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड भुनाए, पार्टी को 2019-20 में सबसे ज्यादा 2,555 करोड़ मिले.
- कांग्रेस ने चुनावी बॉण्ड के जरिए कुल 1,334.35 करोड़ रुपए भुनाए.
- बीजद ने 944.5 करोड़ रुपए, वाईएसआर कांग्रेस ने 442.8 करोड़, तेदेपा ने 181.35 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड भुनाए.
- चुनावी बॉण्ड के माध्यम से तृणमूल कांग्रेस को 1,397 करोड़ रुपए मिले.
- बीआरएस ने 1,322 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड भुनाए.
- द्रमुक को चुनावी बॉण्ड के माध्यम से 656.5 करोड़ रुपए मिले, जिसमें सैंटियागो मार्टिन की अगुवाई वाली फ्यूचर गेमिंग से प्राप्त 509 करोड़ रुपए भी शामिल हैं.
- सपा को चुनावी बॉण्ड के जरिए 14.05 करोड़ रुपए, अकाली दल को 7.26 करोड़ रुपए, अन्नाद्रमुक को 6.05 करोड़ रुपए, नेशनल कॉन्फ्रेंस को 50 लाख रुपए मिले.

कौन है लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन

लॉटरी किंग के नाम से मशहूर फ्यूचर गेमिंग एंड होटल्स के फाउंडर का नाम सैंटियागो मार्टिन है, जिसे भारत का लॉटरी किंग भी कहा जाता है. यह कंपनी अभी देश के एक दर्जन से ज्यादा राज्यों में ऑपरेट कर रही है, जहां लॉटरी कानूनी तौर पर वैध है. फ्यूचर गेमिंग का कारोबार मुख्य रूप से दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर भारत में फैला हुआ है. दक्षिण भारत में कंपनी मार्टिन कर्नाटक नामक सब्सिडियरी के माध्यम से काम करती है, जबकि पूर्वोत्तर भारत में मार्टिन सिक्किम लॉटरी सब्सिडियरी के जरिए चलती है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

ऑटोमोबाइल इंजीनियर बन कर संवार सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद। रांची

यह मैकेनिकल इंजीनियरिंग की एक विशेष शाखा है और कारों, वाहनों और उनके इंजन जैसे ऑटोमोटिव के डिजाइन और निर्माण के अध्ययन से संबंधित है. यह इंजीनियरिंग की वह शाखा है, जो ऑटोमोबाइल के विकास, डिजाइनिंग, उत्पादन, निर्माण परीक्षण, सर्विसिंग, प्रबंधन और नियंत्रण से संबंधित है. इसके कार्य के मुख्य फोकस क्षेत्र वाहन डिजाइन, कारों के उत्पादन में शामिल प्रक्रियाएं, मोटर इंजन के निर्माण और ईंधन प्रबंधन में हैं. इसके अलावा, अध्ययन का यह क्षेत्र मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, परिवहन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और सुरक्षा इंजीनियरिंग है.

ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स के प्रकार

डिजाइन इंजीनियर: वे मुख्य रूप से वाहन के डिजाइन पहलू के लिए प्रभारी होते हैं. डिजाइन इंजीनियर मुख्य रूप से वाहन के दृश्य स्वरूप को विकसित करने की दिशा में काम करते हैं और अवधारणा डिजाइन में भी शामिल होते हैं.

विकास इंजीनियर: वे मौजूदा वाहनों की दक्षता में सुधार करने और नए विकसित करने की दिशा में काम करते हैं. वे ऑटोमोबाइल स्तर के परीक्षण, उसके सत्यापन और प्रमाणन के लिए जवाबदेह हैं. वे शोध करते हैं और इंजीनियरिंग समस्याओं का समाधान ढूंढ़ते हैं.

प्रोडक्शन इंजीनियर: वे ऑटोमोबाइल की निर्माण प्रक्रिया में शामिल होते हैं. कुल मिलाकर वे वाहनों के निर्माण में सभी प्रक्रियाओं के डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन, संचालन, रखरखाव और नियंत्रण के लिए जिम्मेदार हैं.

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के लिए प्रवेश परीक्षा

- यूजी स्तर के लिए : जेईई मेन
- पीजी स्तर के लिए : गेट

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा

- उम्मीदवारों को एक अनुशासित समय सारणी का पालन करना चाहिए, जहां जो विषय जटिल और पेचीदा हैं, उनका पहले अध्ययन किया जाना चाहिए, साथ ही बाकी विषयों का अध्ययन भी अत्यधिक सावधानी और ध्यान से किया जाना चाहिए. टाइम टेबल प्रबंधन व्यक्ति के फोकस और एकाग्रता का समान वितरण सुनिश्चित करता है.
- उम्मीदवारों को नियमित अभ्यास करने और पेपर पैटर्न और प्रक्रिया को समझने के लिए ऑनलाइन उपलब्ध मॉक टेस्ट के माध्यम से भी तैयारी करनी चाहिए.
- उम्मीदवारों को ट्यूटोरियल, ई-पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री देखनी चाहिए.
- विशेषज्ञता हासिल करने और समय प्रबंधन के साथ-साथ महत्वपूर्ण समीकरणों और अंकों पर गहरी पकड़ रखने के लिए उम्मीदवारों को प्रतिदिन अभ्यास करना चाहिए.

ऑटोमोबाइल इंजीनियर के कार्य जानिए

- ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स वाहनों से जुड़े सभी कार्य करते हैं, जैसे कार, बाइक, बस, ऑटो ट्रक, ट्रैक्टर व अन्य वाहन, आदि. नई गाड़ी बनाने के लिए डिजाइन तैयार करने से लेकर उसे पूर्ण गाड़ी का आकार देने और टेस्टिंग तक सभी कार्य ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स के होते हैं.
- ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स कई सरकारी विभागों में, जैसे रेलवे, बस, एयरपोर्ट, एयरफोर्स, नेवी, आर्मी, पुलिस ट्रांसपोर्ट वर्कशॉप और स्कूल-कॉलेजों की टीचिंग में अपना एक अच्छा करियर बना सकते हैं.
- ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स का कार्य सिर्फ गाड़ी बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स गाड़ी की रिपेयरिंग और रखरखाव के लिए भी जिम्मेदार है.
- ऑटोमोबाइल इंजीनियर कितने प्रकार के होते हैं?

डेवलपमेंट इंजीनियर
- मैन्यूफैक्चरिंग इंजीनियर
- प्रोडक्ट एंड डिजाइन इंजीनियर

डिप्लोमा
- डिप्लोमा इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
- डिप्लोमा इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग
- डिप्लोमा इन एडवांस ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी
- डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग

बैचलर
- बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
- बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
- बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोटिव डिजाइनिंग इंजीनियरिंग
- बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग

मास्टर
- मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
- मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
- मास्टर ऑफ साइंस इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
- मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग
- मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग इन ऑटोमोशन एंड कंट्रोल पावर सिस्टम
- मास्टर ऑफ टेक्नोलोजी इन ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग एंड ई मैन्यूफैक्चरिंग
- एमएस इन ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग
- ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के पढ़ाई के संस्थान
- अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे
- नूतन महाराष्ट्र विद्या पॉलिटेक्निक, पुणे
- ढोले पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे
- जयहिंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे
- दत्तकला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, पुणे
- नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा
- जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ
- दयालबाग शैक्षिक संस्थान, आगरा
- इंजीनियरिंग और ग्रामीण प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद
- शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा
- एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई
- अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, अहमदनगर
- एमएच साबू सिद्दीक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मुंबई
- सरदार वल्लभभाई पटेल पॉलिटेक्निक, मुंबई
- वीजेटीआई मुंबई – वीरमाता जीजाबाई प्रौद्योगिकी संस्थान
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, नासिक
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, नागपुर
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, औरंगाबाद
- एमआईटी मणिपाल – मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान
- दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बैंगलोर

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)